THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 243 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.8, 2079 गुरुवार, 17 नवंबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मिजोरम में पत्थर की खदान से अब तक 11 श्रमिकों के शव बरामद

आइजोल, 16 नवंबर (एजेंसियां)। मिजोरम के हनथियाल जिले में एक पत्थर की खदान ढहने के कारण आठ श्रमिकों की मौत हो गई।यह घटना हनथियाल जिले के मौदढ़ इलाके में सोमवार दोपहर करीब तीन बजे हुई।हनथियाल जिले के उपायुक्त ने बताया कि हनथियाल जिले में एक पत्थर की खदान ढहने से 15-20 मजदूरों फंसे थे जिनमें से 11 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। पांच एक्सकेवेटर, एक स्टोन क्रशर और एक ड्रिलिंग मशीन मलबे में दबे हुए हैं।बचाव अभियान अभी भी जारी हैं।

भारत को मिली जी20 की अध्यक्षता

पीएम बोले-जी20 को वैश्विक बदलावों का जरिया बनाएंगे

बाली में जी20 शिखर सम्मेलन में सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग के साथ द्विपक्षीय वार्ता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

बाली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने बाली शिखर सम्मेलन के समापन समारोह में भारत को जी20 की अध्यक्षता सौंपी।

आज समिट का दूसरा और आखिरी दिन था। इस दौरान इंडोनेशिया ने जी20 की अध्यक्षता भारत को सौंपी। भारत 1 दिसंबर से नई दिल्ली में जी20 समूह के नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। दिसम्बर 2022 में इसका इनॉगरल उदयपुर में होगा। राजस्थान के तीन शहर इस बार इस समूह की मेजबानी करेंगे। उदयपुर और जोधपुर के साथ जयपुर में भी कॉन्फ्रेंस होंगी।

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- भारत की जी20 अध्यक्षता समावेशी और महत्वाकांक्षी होगी। अगले एक साल में हमारा प्रयास रहेगा कि जी20 सामूहिक कार्रवाई को गति देने के लिए ग्लोबल प्राइम मूवर के रूप में काम करे। दुनिया को जी20 से उम्मीद है। पूरा विश्व भारत की ओर देख रहा है। भारत 1 दिसंबर से जी20 की अध्यक्षता करेगा।

डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर हुई चर्चा

डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- कई टेक इनोवेशन हमारे युग के बड़े ट्रांसफॉर्मेशन का हिस्सा बन गए हैं। गरीबी से लड़ने में टेक्नोलॉजी ने काफी मदद की है। डिजिटल सॉल्यूशन जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में मददगार साबित हो सकते हैं। जी20 कनक्लूडिंग सेरेमनी के पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय चर्चा हुई। इस दौरान फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर भी बातचीत भी हुई।

पीएम मोदी समेत जी20 में शामिल सभी नेता बाली के मैंग्रोव फॉरेस पहुंचे। इस दौरान जी20 लीडर्स मैंग्रोव फॉरेस्ट में जलवायु परिवर्तन से लड़ने में मदद करने वाले पौधे लगाए। क्लाइमेट चेंज यानी जलवायु परिवर्तन हाल के समय में बहुत ही गंभीर मुद्दा बनकर उभरा है। 2022 में इंग्लैंड और पूरे यूरोप में लोग गर्मी से बेहाल रहे। पाकिस्तान में भारी बारिश से बाढ़ आ गई। भारत में पहले हीटवेव से फसलों को नुकसान हुआ।

पीएम मोदी का संदेश : युद्ध का युग नहीं होना चाहिए

बाली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। जी-20 शिखर सम्मेलन में नेताओं ने यूक्रेन संघर्ष को तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया है। इसमें कहा गया कि आज का युग युद्ध का नहीं होना चाहिए। जी-20 का ये संदेश सितंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को दिए संदेश को दर्शाता है। दो दिवसीय शिखर सम्मेलन के अंत में एक विज्ञप्ति जारी की गई जिसमें यूक्रेन पर रूसी आक्रमण और दुनिया के लिए इसके प्रभावों पर व्यापक रूप से विचार-विमर्श हुआ। जी-20 ने कहा कि समूह के सदस्यों ने शांति, शत्रुता को खत्म करने और यूक्रेन में युद्ध की समाप्ति का आह्वान किया है और कहा कि ऐसी स्थिति के जारी रहने से खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इस मामले के जानकार लोगों ने कहा कि भारत ने मसौदे पर सभी देशों के बीच आम सहमति बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत ने अंतिम बयान की प्रस्तावना का मसौदा तैयार करने के लिए सभी विकासशील देशों और उभरते बाजारों के साथ साझेदारी में काम किया। उन्होंने कहा कि भारत अपने सकारात्मक और रचनात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से एक नेता, समाधान प्रदाता और आम सहमति निर्माता के रूप में उभरा है। >14

ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में 40वें स्थान पर भारत, बेंगलुरु टेक समिट में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बेंगलुरुटेक समिट का उद्घाटन करते हुए कहा कि ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स म इस साल भारत 40 वें स्थान पर पहुंच गया है। 2015 में यह 81 वें स्थान पर था। यह कामयाबी भारतीय प्रतिभा के दम पर मिली है। पीएम मोदी ने अपने पूर्व रेकॉर्डेड भाषण में कहा कि बेंगलुरु भारत के इनोवेशन इंडेक्स में नंबर 1 है। बेंगलुरु प्रौद्योगिकी का घर है। यह एक समावेशी और नवोन्मेषी शहर है।पीएम ने कहा कि देश में यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स की संख्या दोगुनी हो गई है। अब हम दुनिया में तीसरे नंबर पर हैं। यह भारतीय प्रतिभा के दम पर संभव हो सका है। पीएम मोदी ने टेली कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से बेंगलुरुटेक समिट (बीटीएस-22) के रजत जयंती संस्करण का उद्घाटन किया। यह एशिया का सबसे बड़ा टेक्नोलॉजी इवेंट है।कर्नाटक के आईटी मंत्री सीएन अश्वथ नारायण ने कहा, बेंगलुरुपैलेस ग्राउंड में आयोजित हो रहे इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में नौ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे और 20 से अधिक उत्पादों को लॉन्च किया जाएगा।

गुजरात में आप कैंडिडेट ने नॉमिनेशन वापस लिया

आप ने भाजपा पर उनकी किडनैपिंग का आरोप लगाया

कंचन जरीवाला

सूरत, 16 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात में आम आदमी पार्टी (आप) के कैंडिडेट कंचन जरीवाला बुधवार को नॉमिनेशन वापस ले लिया। गुजरात के सीएम कैंडिडेट इसुदान गढ़वी ने कहा कि कंचन जरीवाला मंगलवार शाम से गायब हैं। गढ़वी का आरोप था कि जरीवाला को परिवार समेत भाजपा के लोगों ने अगवा कर लिया था।

आप के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दावा किया है, सूरत से हमारे प्रत्याशी कंचन जरीवाला और उनका परिवार कल से लापता था। पहले भाजपा ने उनका नामांकन रद्द कराने की कोशिश की। लेकिन, उनका नामांकन स्वीकार कर लिया गया। बाद में उन पर नामांकन वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा था। क्या इसीलिए उनका अपहरण कर लिया गया था? इसुदान गढ़वी ने कहा कि सूरत-ईस्ट से कांग्रेस ने असलम साइकिलवाला तो बीजेपी ने मौजूदा विधायक अरविंद राणा को टिकट दिया है। आम आदमी पार्टी की ओर से कंचन जरीवाला कैंडिडेट हैं।

ऐसे में अगर कंचन जरीवाला को 10 से 15 हजार वोट भी मिल जाते हैं तो भाजपा के लिए यह सीट जीतना मुश्किल होगा। इसीलिए भाजपा अब साम-दाम-दंड-भेद की नीति अपना रही है। कंचन को भाजपा के गुंडों ने अगवा कर लिया था। >14

भाजपा सांसद की चेतावनी-नहीं गिराया तो मैं खुद गिरा दूंगा गुंबद, सिद्धारमैया ने किया पलटवार

बेंगलुरू, 16 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा ने धार्मिक ढांचा गिराने की धमकी दी है। सिम्हा ने कहा कि मैंने इसे सोशल मीडिया पर देखा है। बस स्टैंड में तीन गुंबद हैं, बीच में एक बड़ा और उसके बगल में दो छोटे हैं।

वह एक मस्जिद ही है। मैंने इंजीनियरों से कहा है कि तीन-चार दिन में ढांचा गिरा दें। अगर वे नहीं करते हैं, तो मैं एक जेसीबी लूंगा और इसे ध्वस्त कर दूंगा। भाजपा सांसद के बयान पर पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता सिद्धारमैया ने जमकर निशाना साधा और कहा कि एक सांसद होने के नाते उन्हें इस तरह की चीजें नहीं करनी चाहिए। जब उनके पास सामान्य ज्ञान की कमी है तो हम क्या कहें? वह बस स्टॉप को नष्ट करने वाला कौन होता है, जब सरकार ने इसे बनाने के लिए पैसा खर्च किया है? क्या यह उसका पैसा है? यह सरकार का पैसा है।

जल्लीकट्टू और बैलगाड़ी दौड़ के खिलाफ याचिका

सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई स्थगित करने से इनकार

नई दि, 16 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के 'जल्लीकट्टू' खेल और महाराष्ट्र की बैलगाड़ी दौड़ के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई स्थगित करने से इनकार कर दिया। इन याचिकाओं में तमिलनाडु व महाराष्ट्र सरकार के इन खेलों से संबंधित कानूनों को चुनौती दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस केएम जोसेफ की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले को स्थगित करने से इनकार कर दिया। तमिलनाडु सरकार के वकील ने शीर्ष कोर्ट से आग्रह किया था कि वह जल्लीकट्टू (सांडों को काबू में करने के खेल) पर सुनवाई शीतकालीन अवकाश के बाद करे, क्योंकि मामले में एक संकलित रिपोर्ट पेश की जाना है। इस पर जस्टिस जोसेफ ने वकील को रिपोर्ट जल्द दायर करने का निर्देश देते हुए कहा कि जल्लीकट्टू जनवरी में है, हम याचिका पर

सुनवाई स्थगित नहीं करेंगे।

इसके पहले शीर्ष कोर्ट की संविधान पीठ ने जल्लीकट्टू के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई 23 नवंबर को तय की है। पांच जजों की संविधान पीठ में जस्टिस केएम जोसेफ, जस्टिस अजय रस्तोगी, जस्टिस अनिरुद्ध बोस, जस्टिस ऋषिकेस रॉय और जस्टिस सीटी रविकुमार शामिल हैं। यही पीठ मामले को सुन रही है।

तमिलनाडु व महाराष्ट्र ने दी इजाजत

बता दें, फरवरी 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने संविधान पीठ को यह मामला भेजा था। सवाल उठाया गया है कि क्या तमिलनाडु और महाराष्ट्र के लोग 'जल्लीकट्टू' और बैलगाड़ी दौड़ को अपना सांस्कृतिक अधिकार बताते हुए उसे संरक्षित कर सकते हैं? क्या संविधान के अनुच्छेद 29 (1) के तहत वे इनकी सुरक्षा की मांग कर सकते हैं? तमिलनाडु और महाराष्ट्र सरकारों ने केंद्र द्वारा बनाए गए पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 में संशोधन किया है और अपने अपने राज्यों में क्रमशः जल्लीकट्टू और बैलगाड़ी दौड़ की अनुमति दी है।

पेटा ने की जल्लीकट्टू कानून रद्द करने की मांग

दोनों राज्यों के संबंधित कानूनों को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत में याचिकाएं दायर की गई हैं। पीपुल फॉर एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) के नेतृत्व में याचिकाओं के एक समूह ने तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित जल्लीकट्टू कानून को रद्द करने की मांग की है। पेटा ने विधानसभा द्वारा पारित पशुओं के प्रति क्रूरता की रोकथाम (तमिलनाडु संशोधन) विधेयक 2017 को कई आधारों पर चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले तमिलनाडु सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया था।

नासा का मून मिशन लॉन्च

फ्लोरिडा, 16 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा का मून मिशन 'आर्टेमिस-1' आज लॉन्च हो गया है। रॉकेट ने फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से भारतीय समय के अनुसार 12.17 बजे उड़ान भरी। लॉन्चिंग का ओरिजिनल समय सुबह 11.34 बजे था। इससे पहले 29 अगस्त और 3 सितंबर को भी लॉन्चिंग की कोशिशें हुई थीं, लेकिन तकनीकी गड़बड़ी और मौसम खराब होने के चलते इन्हें टालना पड़ा था।

नासा के मुताबिक, लॉन्च के कुछ मिनट बाद ही रॉकेट ने ओरियन स्पेसक्राफ्ट को चांद की तरफ छोड़ दिया। सोमवार को ओरियन चंद्रमा की सतह के 96.5 किलोमीटर पास से गुजरेगा। कुछ हफ्ते स्पेस में बिताने के बाद यह 11 दिसंबर को प्रशांत महासागर में आ गिरेगा। बता दें कि सुबह से रॉकेट में हाइड्रोजन गैस लीक हो रही थी, जिसे वैज्ञानिकों ने समय पर ठीक कर दिया।

फडणवीस बोले-अमित शाह के मार्गदर्शन में हुआ था महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन

मुंबई, 16 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन को लेकर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पहली बार राज खोला है। उन्होने कहा कि केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में राज्य में सत्ता परिवर्तन हुआ। प्रदेश भाजपा कार्यालय में आचार्य पवन त्रिपाठी की पुस्तिका के विमोचन समारोह में फडणवीस ने कहा कि इस पुस्तक का कोई भी पन्ना खोलिए, आपको ज्ञान मिलेगा, जो आपको प्रेरणा देगा। उपमुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री के विचारों में गहनता है। वे छत्रपति शिवाजी महाराज, वीर सावरकर और चाणक्य को मानने वाले नेता हैं। उनमें नेतृत्व क्षमता तो है ही, प्रचंड निर्णय क्षमता भी है। महाराष्ट्र में हुआ परिवर्तन आपने देखा है। हमारे साथ शिवसेना ने जो बेईमानी की थी, उन बेईमानों को उनकी जगह दिखा दी गई।

अमित शाह के मार्गदर्शन के कारण ही आज महाराष्ट्र में भाजपा और बालासाहेब की शिवसेना की सरकार सत्ता में है। फडणवीस ने कहा कि अमित शाह पार्टी के लिए समर्पित नेतृत्व हैं। भाजपा अध्यक्ष के रूप में हमने उनका काम देखा है। राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में 2014 में लोकसभा के चुनाव के दौरान हम सबने यूपी में भी उनका काम देखा, जहां भाजपा को सर्वाधिक सीटें मिलीं। पार्टी को मजबूत करने के लिए वे लगभग पूरे देश में घूमे। वे हर राज्य में कई दिनों तक रुकते थे। अमित भाई एक दिन में 40-40 बैठकें करके कार्यकर्ताओं से लेकर समाज के हर तबके के लोगों तक पहुंचे हैं। महाराष्ट्र में भी दो-ढाई महीने रहे और इसी कार्यालय में रहकर चुनावी प्रक्रिया को संभाला और अंततः भाजपा की सरकार आई। फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ संकल्प और अमित भाई शाह के आत्मविश्वास के कारण ही कश्मीर से धारा 370 को हटाने में सफलता मिल पाई। इसी का नतीजा है कि कश्मीर आज प्रगति की ओर अग्रसर है।

शाह ने कांग्रेस पर साधा निशाना

अहमदाबाद , 16 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को विरोधी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, भाजपा ने गुजरात में तुष्टीकरण की राजनीति को खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा, 27 साल में भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में कानून का शासन स्थापित किया है। दरअसल, शाह अहमदाबाद की घाटलोडिया सीट से भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में बोल रहे थे।

इस दौरान उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण को लेकर भारतीय जनता पार्टी का मजाक उड़ाती थी। अब जनवरी, 2024 में राम मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा। रैली के बाद शाह ने भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में एक रोड शो भी किया। शाह ने कहा गुजरात के लोगों ने वह दौर भी देखा है, जब राज्य में सांप्रदायिक दंगे आम थे।

धन शोधन मामला

अदालत ने नवाब मलिक को चिकित्सीय जांच कराने की मंजूरी दी

मुंबई, 16 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई की एक विशेष अदालत ने धन शोधन मामले में गिरफ्तार महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक की चिकित्सीय जांच (पीईटी-सीटी) कराने की अनुमति देने का अनुरोध करने वाली याचिका मंगलवार को मंजूर कर ली. मलिक (62) के खिलाफ धन शोधन का मामला भगोड़े अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसके साथियों की गतिविधियों से जुड़ा है.

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता को इस साल फरवरी में गिरफ्तार किया था और वह न्यायिक हिरासत में हैं और उनका यहां एक अस्पताल में इलाज चल रहा है. मलिक ने सोमवार को अपने वकील तराक सैय्यद के जरिए पीईटी-सीटी स्कैन कराने की अनुमति देने का अनुरोध करते हुए एक याचिका दायर की थी. विशेष न्यायाधीश आर एन रोकड़े ने मंगलवार को उनकी याचिका मंजूर कर ली. आर्थर रोड कारागार के अधीक्षक को मलिक को उपनगर घाटकोपर में सर्वोदय हॉस्पिटल के न्यूक्लियर इमेजिंग सेंटर में जांच के लिए ले जाने का निर्देश दिया.

बिलकिस बानो मामले में दोषियों की रिहाई गुजरात चुनाव में बना मुद्दा

क्या इसके सहारे कांग्रेस नैया पार होगी?

सूरत, 16 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात में अगले महीने विधानसभा चुनाव है। ऐसे में राज्य के सभी मुद्दों पर चर्चा हो रही है। वादे और दावे भी खूब हो रहे हैं। इस बीच बिलकिस बानो सामूहिक बलात्कार मामले के 11 दोषियों की समय से पहले रिहाई राजनीतिक एवं चुनावी मुद्दा बनी हुई है, लेकिन अपने चुनावी घोषणापत्र में इस मुद्दे का जिक्र करने एवं पीड़िता को न्याय दिलाने का वादा करने वाली विपक्षी कांग्रेस को इससे लाभ होगा या नहीं, इसे लेकर लोगों की राय बंटी हुई है।

पर्यवेक्षकों एवं कार्यकर्ताओं के एक समूह को लगता है कि 20 साल पुराने इस मामले से जुड़ा यह ताजा घटनाक्रम विपक्षी दल को वोट जुटाने में मदद करेगा, लेकिन अन्य लोगों का मानना है कि इसका चुनाव में कोई असर नहीं दिखेगा। विधानसभा चुनाव के लिए एक दिसंबर और पांच दिसंबर को मतदान होना है। कांग्रेस ने कुछ दिन पहले अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी किया था, जिसमें उसने कहा था कि वह राज्य सरकार द्वारा 2002 के बिलकीस बानो मामले में 11 दोषियों को समय से पहले जेल से रिहा करने की छूट को रद्द कर देगी।

कांग्रेस को मिलेगा मुसलमानों का साथ?

इन लोगों को 2008 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। उन्हें 15 अगस्त को गोधरा उप-जेल से रिहा कर दिया गया था। गुजरात में 182 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव दो चरणों में एक और पांच दिसंबर को होगा तथा मतगणना आठ दिसंबर को होगी। राज्य में वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में है। बिलकिस बानो दाहोद जिले के रंधिकपुर गांव की रहने वाली हैं, जो लिमखेड़ा विधानसभा सीट के अंतर्गत आता है। यह सीट इस समय भाजपा के पास है। दोषियों को दी गई राहत का विरोध करने वाले कार्यकर्ता कलीम सिद्दीकी ने कहा कि इस मुद्दे पर कांग्रेस के रुख ने मुसलमानों के वोट को अपने पक्ष में कर लिया है और उन्हें आम आदमी पार्टी (आप) एवं लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) का रुख करने से रोक लिया है।

जिग्नेश मेवाणी ने क्या कहा?

कांग्रेस की गुजरात इकाई के कार्यवाहक अध्यक्ष जिग्नेश मेवाणी का मानना है कि हालांकि अल्पसंख्यकों को आश्वस्त करने के लिए पार्टी का यह रुख आवश्यक था, लेकिन इसके कारण मतों में इजाफा नहीं होगा, क्योंकि इस मुद्दे को राजनीतिक या चुनावी लाभ लेने के लिए नहीं उठाया गया था। सिद्दीकी का कहना है कि रिहाई के इस मुद्दे का असर पंचमहल और दाहोद जिलों में अधिक महसूस किया जाएगा, जहां मुस्लिम मतदाताओं की अच्छी खासी संख्या है। बहरहाल, लिमखेड़ा में रहने वाले लोगों का दावा है कि मीडिया में जो दिखाया जा रहा है, जमीनी स्थिति उससे बिल्कुल अलग है। लिमखेड़ा तालुका के निवासी कल्पेश पंचाल ने कहा, ''बिलकिस बानो मामला चुनाव में कोई मुद्दा नहीं है। कोई इसके बारे में बात भी नहीं करता क्योंकि यह हम सभी के लिए एक अतीत है। हिंदू और मुस्लिम दोनों रंधिकपुर के पड़ोसी सिंगवाड़ गांव समेत पूरे क्षेत्र में शांति से रह रहे हैं।''

दिल्ली पुलिस के हाथ लगी बड़ी कामयाबी

सीएए/एनआरसी प्रदर्शन में दंगा भड़काने वाले 3 शार्प शूटर्स गिरफ्तार

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली स्पेशल सेल पुलिस ने दंगाई शाहिद उर्फ शाहबाज सहित कुख्यात इरफान उर्फ छेनू गैंग के तीन शार्प शूटरों को गिरफ्तार किया है. शाहिद उर्फ शाहबाज पर फरवरी 2020 में नॉर्थ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट में सीएए/एनआरसीके खिलाफ प्रदर्शन के दौरान भजनपुरा के चांद बाग में दंगा भड़काने और पुलिस टीम पर हमला कर उनसे गन लूटने का आरोप है. वहीं शूटरों ने दिल्ली में आरएसएस के ऑफिस और यूपी में बीजेपी लीडर के घर पर फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया था. डीसीपी प्रमोद सिंह कुशवाहा के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान, शाहिद उर्फ शाहबाज, समीर उर्फ बाली उर्फ एके47, सुहैल चौधरी उर्फ बावर्ची उर्फ आसिफ और शाहनवाज उर्फ सानू के रूप में हुई है. ये दिल्ली के दयालपुर, भजनपुरा और गोकुलपुरी इलाके के रहने वाले हैं. पुलिस ने इनके पास से दंगे के दौरान हेड कॉन्स्टेबल छेत्रपाल से लूटी गई पिस्टल सहित 05 जिंदा कारतूस बरामद किया गया है. इसके अलावा पॉइंट 30 बोर की बर्स्ट फायर मैकेनिज्म वाली एक पिस्टल सहित 5 जिंदा कारतूस और 8 एमएम की 3 सिंगल शॉट पिस्टल सहित 11 जिंदा कारतूस और चोरी की बाइक बरामद की गई है.

भारतीय नौसेना वेस्टर्न नेवल कमांड ने किया अपतटीय सुरक्षा अभ्यास 'प्रस्थान' का आयोजन

मुंबई, 16 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना की ओर से अपतटीय संपत्तियों की सुरक्षा में संगठनात्मक प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक संरचित अभ्यास 11 नवंबर 2022 को समुद्र में 150 किलोमीटर दूर एक ओएनजीसी प्लेटफॉर्म पर मुंबई से दूर आयोजित किया गया. 'प्रस्थान' कोड नाम वाला यह अभ्यास पश्चिमी नौसेना कमान के तत्वावधान में वर्ष में दो बार आयोजित किया जाता है. इसका उद्देश्य अपतटीय तेल उत्पादन प्लेटफार्मों में उत्पन्न होने वाले सुरक्षा खतरों और अन्य आकस्मिकताओं को दूर करने के लिए सोचे गए विभिन्न उपायों और प्रोटोकॉल का आकलन करना है.

भारतीय नौसेना की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, अभ्यास के दौरान विभिन्न संकट स्थितियों जैसे कि आतंकी हमला, बम का खतरा, भीषण आग, तेल रिसाव, विस्फोट, एक जहाज को खींचना और चिकित्सा निकासी का अनुकरण किया गया. भारतीय नौसेना, भारतीय वायु सेना, भारतीय तट रक्षक, ओएनजीसी, एमबीपीटी, पुलिस, मत्स्य पालन और सीमा शुल्क जैसी भागीदार एजेंसियों ने आकस्मिकताओं से निपटने के लिए अपनी आपातकालीन प्रक्रियाओं को सक्रिय किया. भारतीय नौसेना प्रमुख एजेंसी है और इसे भारत के तटों से दूर तेल उत्पादन प्लेटफार्मों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है.

गुरुग्राम में कुत्ते ने महिला को काटा, अब निगम पर लगा 2 लाख रुपये का जुर्माना

गुरुग्राम, 16 नवंबर (एजेंसियां)। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण फोरम ने गुरुग्राम नगर निगम (एमसीजी) को एक महिला को दो लाख रुपये का अंतरिम मुआवजा देने का आदेश दिया है, जो यहां के सिविल लाइन इलाके में डोगो अर्जेंटीनो नस्ल के पालतू कुत्ते के हमले में गंभीर रूप से घायल हो गई थी। मंगलवार को फोरम ने तीन महीने के भीतर पालतू कुत्तों के लिए नीति बनाने का भी आदेश दिया और यह भी कहा कि अगर निगम चाहे तो सिविल लाइंस स्थित बंगले में रहने वाले कुत्ते के मालिक से मुआवजे की राशि वसूल की जा सकती है।

श्रद्धा हत्याकांड पर आगबबूला हुए संजय राउत

बोले- ऐसे लोगों को खुलेआम दी जाए फांसी

मुंबई, 16 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में हुए श्रद्धा मर्डर केस से सनसनी फैल गई है। अब इस मामले में राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी हैं। विपक्ष और सत्ता पक्ष के कई नेता कड़ी से कड़ी सजा की मांग कर रहे हैं। इसी क्रम में आज उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने भी इस मामले पर बड़ा बयान दिया है। राउत ने कहा कि इसे लव-जिहाद कहें या कुछ और कहें लेकिन लड़कियां तो हमारी मर रही हैं।

कानून कुछ नहीं करेगा, समाज को ही उतरना पड़ेगा। बता दें कि संजय राउत हाल ही में जेल से जमानत पर बाहर निकले हैं। बता दें कि दक्षिण दिल्ली के महरौली में आफताब अमीन पूनावाला (28) ने आज से पांच महीने पहले अपनी महिला मित्र श्रृद्धा वाकर की हत्या कर उसके शव के करीब 35 टुकड़े कर दिए थे। लड़की के पिता की शिकायत के बाद मामला का पता चला।

आफताब ने क्यों की थी श्रद्धा की हत्या?

श्रद्धा और आरोपी युवक आफताब अमीन पूनावाला (28) मिलकर शराब, सिगरेट का नशा करते थे, पुलिस को ऐसे कई सबूत मिले हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि यह आपस में शादी नहीं करना चाहते थे, इनमें नशा करने के बाद झगड़ा होता था। वारदात वाले दिन भी श्रद्धा ने नशे में बर्तन फेंककर आफताब को मारना शुरू कर दिया था। इससे गुस्साए आफताब ने श्रद्धा की हत्या कर दी। साजिश के तहत आरोपी ने श्रद्धा के शव के टुकड़ों को ठिकाने लगाया। शव को ठिकाने लगाने के लिए आरोपी ने क्राइम पेट्रोल और अंग्रेजी फिल्में देखीं।

आईआरबी का मोहाली में तैनात इंस्पेक्टर व ड्राइवर रिश्वत लेते गिरफ्तार, विजिलेंस ने लिया एक्शन

मोहाली (पंजाब), 16 नवंबर (एजेंसियां)। विजिलेंस ब्यूरो ने 80 हजार रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में इंडियन रिजर्व बटालियन (आईआरबी) के मोहाली में तैनात इंस्पेक्टर (एएसआई) गुरजिंदर सिंह और ड्राइवर पीयूष आनंद को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार रोको कानून की धारा 7, 7ए और आईपीसी की धारा 120 के तहत विजिलेंस ब्यूरो के थाना और आर्थिक अपराध शाखा लुधियाना में केस दर्ज किया गया है। विजिलेंस के मुताबिक मोहाली में तैनात एएसआई और उनका ड्राइवर किसी मामले में बिचौलिए की भूमिका निभा रहे थे। दोनों के खिलाफ कैलाश कुमार निवासी जनकपुरी लुधियाना ने शिकायत दी थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उक्त आरोपी इंस्पेक्टर और ड्राइवर ने लोहे के स्क्रैप के साथ भरे उनके वाहनों को इंटरस्टेट चेक पोस्ट शंभू जिला पटियाला में एंट्री टैक्स अदा किए बिना गुजारने के बदले 80 हजार की रिश्वत मांगी थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उपरोक्त एएसआई ने उनको कहा था कि चेक पोस्ट से वाहनों को गुजारने के लिए ड्राइवर पीयूष आनंद संबंधित कर्मचारियों के साथ मिलकर हर महीने रिश्वत लेता है। इस शिकायत को आधार पर विजिलेंस ब्यूरो ने ट्रैप लगाया। इसके बाद उन्हें रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया है।

पीएनबी के एटीएम बूथ में सेंधमारी

मशीन काटकर 10 लाख रुपये कैश ले उड़े लुटेरे

ऊना, 16 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में पंजाब के साथ सटे इलाके पंडोगा में लुटेरों ने पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम बूथ में सेंधमारी की और लाखों की नकदी पर हाथ साफ़ कर दिए. मंगलवार रात करीब साढ़े 12 बजे के करीब यह वारदात हुई. लुटेरों ने एटीएम मशीन के एक हिस्से को कटर से काटने के बाद उसमें रखा कैश लूट लिया. मामले की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घटनास्थल का मुआयना कर सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है. शुरुआती जांच में एटीएम से करीब 10 लाख रुपये की लूट की जानकारी पुलिस को मिली है. हिमाचल-पंजाब की सीमा पर स्थित पंडोगा में पंजाब नेशनल बैंक का एटीएम है. आधी रात को यहां सेंधमारी की गई. लुटेरों में से एक युवक देर रात एटीएम रूम के अंदर घुसा, जबकि दूसरे युवक ने बाहर से एटीएम रूम का शटर बंद कर दिया. एटीएम रूम के अंदर घुसे युवक ने सबसे पहले एटीएम रूम में लगे सीसीटीवी पर स्प्रे किया और बाद में लुटेरे एटीएम को कटर से काटने के बाद पैसे निकालकर फरार हो गए.

बीजेपी अध्यक्ष आशिष शेलार के सुरक्षाकर्मियों के साथ महिला की बदसलूकी

मुंबई, 16 नवंबर (एजेंसियां)। बीजेपी अध्यक्ष आशिष शेलार के कॉन्वॉय में तैनात सुरक्षा कर्मियों के साथ बदसलूकी और सरकारी काम में रुकावट पैदा करने का मामला सामने आया है. इस मामले में एक महिला के खिलाफ मुंबई के बांद्रा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज हुआ है. आशिष शेलार मंगलवार को विलेपार्ले में एक महत्वपूर्ण मीटिंग के लिए जा रहे थे कि उसी दौरान बांद्रा ट्रैफिक पुलिस स्टेशन के पास ये घटना हुई. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शेलार का कॉन्वॉय सिग्नल पर पहुंचा जो लाल हो गया था पर सुरक्षा को देखते हुए लाल सिग्नल का पालन नहीं हुआ. उसी समय कॉन्वॉय की गाड़ियों में से एक गाड़ी ने बाइक को ठोकर मार दी. इस गाड़ी को एक महिला चला रही थी जिसके बाद गुस्साई महिला पूनम पाटिल ने कॉन्वॉय के सुरक्षा रक्षकों को गाली देना शुरू किया और उनकी गाड़ी रोक ली. इस मामले में महिला के ख़िलाफ़ बांद्रा पुलिस ने आईपीसी की धारा 353,332, 504,427 के तहत मामला दर्ज किया गया है.

कठुआ रेप केस में सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

कहा- एक आरोपी को बालिग मानकर चलेगा मुकदमा

जम्मू, 16 नवंबर (एजेंसियां)। कश्मीर के कठुआ में साल 2018 के दौरान बच्ची से रेप मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि एक आरोपी पर बालिग की तरह मुकदमा चलेगा। शीर्ष कोर्ट ने आरोपी को घटना के वक्त जुवेनाइल मानने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि उस पर नाबालिग अपराधी के तौर पर मुकदमा नहीं चलना चाहिए। इस आदेश के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत और हाई कोर्ट का फैसला पलट दिया।

निचली अदालत और हाई कोर्ट का आदेश किया रद्द

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जुवेनाइल तय करने के लिए दस्तावेजों के अभाव में न्याय के हित में मेडिकल राय पर विचार किया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि आरोपी के खिलाफ वयस्क के तौर पर ही ट्रायल चलेगा। सुप्रीम कोर्ट ने जुवेनाइल होने के निचली अदालत के आदेश को रद्द किया। जस्टिस जेबी पारदीवाला ने फैसला सुनाते हुए कहा कि किसी आरोपी की उम्र तय करने के लिए अगर कोई पुख्ता सबूत नहीं है, तो ऐसी स्थिति में मेडिकल राय को ही सही तरीका माना जाएगा।

जुवेनाइल कोर्ट में चल रही सुनवाई पर लगी थी रोक

इससे पहले कठुआ केस में 7 फरवरी 2020 को सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी के जुवेनाइल कोर्ट में चल रही सुनवाई पर रोक लगा दी थी। जुवेनाइल कानून के तहत सुनवाई पर रोक लगाई गई थी। जम्मू-कश्मीर सरकार की अपील पर कोर्ट ने ये कदम उठाते हुए नोटिस जारी किया था। जम्मू-कश्मीर सरकार ने हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ अपील की थी।

8 वर्षीय बच्ची की किडनैपिंग, गैंग रेप-हत्या का आरोप

हाईकोर्ट ने आरोपी को जुवेनाइल माना था। इससे पहले स्थानीय कोर्ट ने भी आरोपी को जुवेनाइल ही माना था। जम्मू कश्मीर सरकार ने नगरपालिका और स्कूल रिकॉर्ड के बीच अंतर का हवाला दिया था। बता दें कि कठुआ में जनवरी 2018 में 6 लोगों पर 8 साल की बच्ची की किडनैपिंग, गैंग रेप और हत्या का आरोप है।

आईपीएस अधिकारी ने आईएएस को कथित तौर पर धमकाया

कहा- सिम फर्जी कागजों से ली है पुलिस ट्रेस नहीं कर पाएगी

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। एक आईएएस अधिकारी द्वारा एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के रूप में एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा उन्हें परेशान करने और धमकी देने का आरोप लगाते हुए एक प्राथमिकी दर्ज करने के एक महीने बाद, दिल्ली पुलिस ने अपनी प्रारंभिक जांच में पाया है कि फोन नंबर का इस्तेमाल कथित रूप से एक आईपीएस अधिकारी किया जा रहा था. 18 अक्टूबर को दिल्ली पुलिस ने एक आईएएस अधिकारी की शिकायत प्राप्त करने के बाद आईपीसी की धारा 507, 509 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की प्रासंगिक धारा के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी.

नरोत्तम मिश्रा का दिग्विजय सिंह पर बड़ा हमला

कहा- आईएसआई से जहर रिचार्ज करते हैं क्या?

भोपाल, 16 नवंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 20 नवंबर को मध्य प्रदेश में दाखिल होने वाली है। इससे पहले ही नेताओं में तीखी बयानबाजी तेज हो गई है। दिग्विजय सिंह के संघ प्रमुख मोहन भागवत के मदरसा-मस्जिद जाने को भारत जोड़ो यात्रा का प्रभाव बताया था। इस पर मध्यप्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने पलटवार किया। उन्कहोंने कहा कि दिग्विजय सिंह अपनी वाणी में इतना जहर कहां से लाते हैं? क्या आईएसआई से रिचार्ज कराते हैं? गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा बुधवार को मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने दिग्विजय सिंह के बयान पर पलटवार किया। मिश्रा ने कहा कि दिग्विजय सिंह अपनी वाणी में इतना जहर लाते कहां से लाते हैं? आईएसआई से रिचार्ज कराते है क्या? कांग्रेस सदैव मुसलमानो को अपना वोटबैंक बनाये रखना चाहती है। दिग्विजय सिंह मुसलमानों को अपनी जागीर बनाकर रखना चाहते हैं। कोई मुसलमानो के साथ निकटता बढ़ाता है तो कांग्रेसियों के पेट में मरोड़ें उठने लगती हैं। कुछ भी अनाप-शनाप बकने लगते हैं। कल भागवत जी ने कहा है कि हम सबका डीएनए एक है। उन्होंने कुछ कहा नहीं कि इनके पेट में दर्द शुरू हो जाता है।

क्या कहा था दिग्विजय सिंह ने

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने मंगलवार को खरगोन में कहा था कि मोहन भागवत ने मदरसा-मस्जिद जाना शुरू कर दिया है। थोड़े दिन में मोदी जी टोपी लगाते दिखेंगे। यह भारत जोड़ो यात्रा का प्रभाव है।

जन्मदिन मनाने के दौरान दो अल्पसंख्यक समूहों के बीच झड़प एक की मौत

कृष्णागिरी, 16 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कृष्णागिरि जिले में होसूर के पास मंगलवार को दो मुस्लिम गुटों के बीच हुई झड़प में 19 वर्षीय एक युवक घायल हो गया और उसकी मौत हो गई। यह घटना इस्लामिक फ्रंट के संस्थापक पलानी बाबा की जयंती मनाने के लिए होसूर के पास माथीगिरी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हुई। पुलिस ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, मृतक की पहचान सरताज के रूप में हुई है। सोमवार को पलानी बाबा की जयंती मनाने के लिए लगभग 250 सदस्यों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के बाद जब रात का खाना परोसा जा रहा था, तो पीबीपी के ए सिनू ने टीएमजेके पार्टी के लोगों के साथ बहस शुरू कर दी। इस बहस के कारण सीनू और टीएमजेके के जिला सचिव मंजूर अली खान और वीओसी नगर के महबूब बाशा के बीच झड़प हो गई। इसके बाद सीनू को हॉल से बाहर कर दिया गया।

चुनाव में प्रचार नहीं करेंगे शशि थरूर, कांग्रेस सूत्रों ने कहा - स्टार कैंपेनरों की लिस्ट में थे ही नहीं

अहमदाबाद, 16 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात चुनाव में शशि थरूर प्रचार नहीं करेंगे. इसको लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं. एक चर्चा है कि कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कथित तौर पर पार्टी के स्टार प्रचारकों की सूची से बाहर किए जाने के बाद गुजरात में अगले महीने होने वाले चुनाव के लिए पार्टी के प्रचार अभियान से खुद को अलग कर लिया है. सूत्रों ने कहा कि शशि थरूर को कांग्रेस के छात्र संगठन ने गुजरात में प्रचार करने के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन उन्होंने मना कर दिया. कांग्रेस ने थरूर को दरकिनार करने से इनकार किया है. कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि वह तो स्टार कैंपेनरों की लिस्ट में ही नहीं थे. कल कांग्रेस ने गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए अपने स्टार कैंपेनर्स की सूची जारी की थी. पहले चरण के प्रचार के लिए कांग्रेस ने अपने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की थी. कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, अशोक गहलोत, भूपेश बघेल, भूपेंद्र सिंह हुड्डा, दिग्विजय सिंह, कमलनाथ, सचिन पायलट, तारीक अनवर, बीके हरिप्रसाद, अशोक चव्हाण, शक्ति सिंह गोहिल, रघु शर्मा, मोहन प्रकाश सहित कई प्रमुख नेता शामिल हैं. स्टार प्रचारकों की सूची में संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा, भरत सिंह सोलंकी, उषा नायडू, कन्हैया कुमार, कांतिलाल भूरिया, इमरान प्रतापगढ़ी, अमरिंदर सिंह राजा बरार, अर्जुन मोधवाडिया, सिद्धार्थ पटेल आदि के नाम भी शामिल हैं. वहीं आज गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल बुधवार को गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगे. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी इस दौरान उनके साथ मौजूद रहेंगे. गुजरात की 182 सदस्यीय विधानसभा के लिए दो चरणों में एक और पांच दिसंबर को मतदान होगा. पहले चरण में 89 सीट पर और दूसरे चरण में साणंद सहित 93 सीट पर मतदान होगा. दूसरे चरण के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 नवंबर है.

प्रेमिका ने पति को छोड़ने से किया इनकार, युवक ने हत्या कर किया फेसबुक लाइव और ट्रेन के आगे कूदा

कोलकाता, 16 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में दिल दहला देने वाली घटना के बाद पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी से भी ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जहां एक युवक ने अपनी गर्लफ्रेंड की कथित तौर पर हत्या कर दी और बाद में खुद भी आत्महत्या कर जान दे दी। सिलीगुड़ी पुलिस ने सोमवार को महिला रिया बिस्वास का शव बरामद किया है।

सुविचार: असफलता और असम्भव शब्द केवल मूर्खों के शब्द-कोश में ही मिलते हैं।

जल्द कड़ाके की ठंड की चपेट में आयेगा तेलंगाना

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि अगले तीन दिनों तक राज्य में शीतलहर चलने की संभावना है, क्योंकि न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे जाने की संभावना है। आदिलाबाद, कामारेड्डी, कुमुराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, मेदक, निर्मल, संगारेड्डी और विकाराबाद के लिए ऑरेंज-कोडेड चेतावनी जारी की गई है। इन जिलों में गुरुवार को न्यूनतम तापमान एक अंक को छू सकता है। इस बीच, आईएमडी ने हैदराबाद के लिए येलो अलर्ट जारी किया क्योंकि गुरुवार को न्यूनतम तापमान 11 से 15 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है। शहर में बुधवार का न्यूनतम तापमान 13.7 डिग्री सेल्सियस था, जो 2012 के रिकॉर्ड न्यूनतम 12.4 डिग्री सेल्सियस से एक डिग्री कम है। पिछले 24 घंटों में बुधवार सुबह 8:30 बजे तक, राजेंद्रनगर में तापमान 11.9 डिग्री सेल्सियस, सरूरनगर (12.4 डिग्री सेल्सियस), सिकंदराबाद (12.6 डिग्री सेल्सियस), और रामचंद्रपुरम और पाटनचेरु (12.8 डिग्री सेल्सियस) के साथ गिर गया। पारा नीचे की ओर जारी रहने से कुछ जिलों में कड़ाके की ठंड जारी है। कामारेड्डी, कुमुराम भीम आसिफाबाद, सिद्दीपेट, राजन्ना सिरसिला, संगारेड्डी, मंचेरियल, रंगारेड्डी और निजामाबाद में बुधवार को न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया।

एचएमडीए ने 450 लाख पौधे रोपकर रचा इतिहास

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रो डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) ने 2022-23 सीज़न के दौरान 298.09 करोड़ रुपये की राशि के साथ तेलंगानाकु हरिथा हरम (टीकेएचएच) कार्यक्रम के तहत 450 लाख पौधे लगाकर एक इतिहास बनाया है।

एचएमडीए समर्पित रूप से टीकेएचएच कार्यक्रम को लागू कर रहा है, जो मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के दिमाग की उपज है, और इसने एक ग्रीन कॉरिडोर विकसित किया है। ग्रीन कॉरिडोर को 71.15 लाख पौधे लगाकर आउटर रिंग रोड (158 किमी), इंटरचेंज (457.23 एकड़), सर्विस रोड, रेलवे कॉरिडोर आदि के साथ गहन वृक्षारोपण के साथ विकसित किया गया है। इसी तरह हरियाली को सींचने के लिए ओआरआर पर ड्रिप इरिगेशन विकसित किया गया है। ड्रिप स्कैडा सॉफ्टवेयर आधारित ऑटोमेशन पर काम करता है। मैनुअल वाटरिंग की तुलना में, ओआरआर पर ड्रिप सिंचाई से प्रति वर्ष 5.09 करोड़ रुपये और प्रति दिन 6.09 लाख लीटर पानी की बचत होती है।

नगर प्रशासन एवं शहरी विकास मंत्री केटी रामाराव के निर्देशानुसार राज्य सरकार 11,662.73 लाख की लागत से एचएमडीए क्षेत्राधिकार में स्थित 14708.24 एकड़ क्षेत्र में 16 वन प्रखंडों में हरियाली को "शहरी फेफड़े के स्थान" के रूप में विकसित कर रही है। 16 रिजर्व फॉरेस्ट पार्कों में से छह पार्क आम जनता के लिए खोले गए हैं।

सरकार ने एचएमडीए क्षेत्राधिकार के तहत राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य राजमार्गों, आर एंड बी सड़कों और एचएमडीए सड़कों के साथ केंद्रीय मध्य-बहु परत एवेन्यू वृक्षारोपण (672.5 किमी) और एवेन्यू वृक्षारोपण (269.8 किमी) भी विकसित किया है। 2022-23 सीज़न के दौरान, सरकार ने एचएमडीए को 500.0 लाख का रोपण और नर्सरी लक्ष्य दिया है। नर्सरी को विभिन्न स्थानों पर स्थित 42 नर्सरी में पाला गया है और टीकेएचएच कार्यक्रम-2022 के लिए उपयोग किया जा रहा है। एचएमडीए के तहत आने वाली तेलापुर नर्सरी राज्य की सर्वश्रेष्ठ नर्सरी में से एक है। एचएमडीए के अधिकार क्षेत्र में 14 झीलों में हरियाली विकसित की गई है और इसे मनोरंजन योजना के रूप में उपयोग करने के लिए जनता के लिए उपलब्ध कराया गया है। अभी हैदराबाद शहर में एनटीआर गार्डन, संजीवैया पार्क, नेकलेस रोड सहित कुल 39 अर्बन पार्क अर्बन लंग स्पेस के रूप में हैं। दूसरी ओर, राज्य की राजधानी को संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) और आर्बर डे फाउंडेशन द्वारा दिया गया ट्री सिटी अवार्ड मिला है। यह दूसरी बार है, जब हैदराबाद को "ट्री सिटी अवार्ड" मिला है। पहली बार यह पुरस्कार 2020 में मिला है और दूसरी बार इसे 2021 में प्रदान किया गया है।

इसके अलावा, भारतीय वन सर्वेक्षण 2021 की रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद ने देश में एक दशक में 48.66 वर्ग किमी के साथ अधिकतम हरित क्षेत्र प्राप्त करने वाले मेगा शहरों में शीर्ष स्थान हासिल किया है।

'दलित बंधु' के तहत खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करें : लक्ष्मारेड्डी

भूपालपल्ली, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, डेयरी और बागवानी से संबंधित इकाइयों की स्थापना की गुंजाइश बताते हुए, राज्य दलित बंधु योजना के सलाहकार वी. लक्ष्मा रेड्डी ने अधिकारियों से कहा कि वे लाभार्थियों को कृषि, डेयरी और मत्स्य पालन विभागों से संबंधित इकाइयों को लेने के लिए प्रोत्साहित करें। वह बुधवार को यहां लाभार्थियों के लिए 'व्यावसायिक रणनीति, और अपने व्यवसायों को बेहतर बनाने के लिए विपणन कौशल' पर जागरूकता बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जिले में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने की जरूरत है। जिला कलेक्टर भावेश मिश्रा ने बताया कि जिले में दलित बंधु योजना के तहत 151 लाभार्थियों का चयन किया गया है. 120 इकाइयाँ परिवहन क्षेत्र से हैं, और 31 इकाइयाँ अन्य क्षेत्रों से हैं। यदि भविष्य में परिवहन क्षेत्र से और इकाइयों का यह सिलसिला जारी रहा, तो यह योजना को खतरे में डाल देगा, उन्होंने कहा, और संबंधित अधिकारियों से लाभार्थियों को गैर-परिवहन क्षेत्र से इकाइयों को चुनने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कहा। बैठक में करीब 15 लाभार्थी और 10 उम्मीदवार शामिल हुए। बैठक में ईडी एससी कॉर्पोरेशन ए वेंकटेश्वर राव, जिला ग्रामीण विकास अधिकारी, पुरुषोत्तम, जेडपी सीईओ, रघुवरन, और अन्य ने भाग लिया।

असुरक्षित दिख रहे हैं सीएम केसीआर : मल्लू रवि

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद मल्लू रवि ने आज सीएम केसीआर पर निशाना साधा और कहा कि शहर में टीआरएस भवन में आयोजित पार्टी के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक में सीएम असुरक्षित दिखे। बैठक में सीएम की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सीएम ने पूरी तरह से असुरक्षित तरीके से बात की. उन्होंने कहा कि सीएम की टिप्पणियों ने यह स्पष्ट कर दिया कि टीआरएस पार्टी अगले विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में नहीं आएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम ने बैठक में उनकी पार्टी के विधायकों को यह दावा करते हुए धमकी दी थी कि उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों द्वारा उनकी लगातार निगरानी की जा रही है। राज्यपाल की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए कि उनका

फोन राज्य सरकार द्वारा टैप किया जा रहा था, उन्होंने कहा कि हालांकि वे शुरू में राज्यपाल के आरोपों पर विश्वास नहीं करते थे, उन्होंने कहा कि सीएम द्वारा की गई टिप्पणियों ने अब प्रमाणित किया है कि फोन सत्ता पक्ष के विरोधियों का दोहन किया जा रहा है। सीएम की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए अपनी पार्टी के विधायकों को उन लोगों को थप्पड़ मारने के लिए कहते हैं जो उन्हें टीआरएस पार्टी छोड़ने के लिए कहते हैं, रवि ने सीएम से पूछा कि उन्होंने अतीत में कांग्रेस पार्टी के 12 विधायकों का अपनी पार्टी में स्वागत कैसे किया। उन्होंने सीएम से यह भी पूछा कि हाल ही में मुनुगोडु उपचुनाव में उन्होंने कांग्रेस और भाजपा से कितने नेताओं का अपनी पार्टी में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि केसीआर ने तेदेपा विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव का अपनी पार्टी में स्वागत किया और बाद में उन्हें राज्य मंत्री बनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम ने सभी प्रतिद्वंद्वी पार्टी के नेताओं को पैसे देकर खरीद लिया है। उन्होंने कहा कि राज्य के बेरोजगार शिक्षित युवा अपने घरों में बेकार बैठे हैं जबकि उनके माता-पिता उन्हें खाना खिला रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री राज्य के दलित परिवारों को तीन एकड़ जमीन उपलब्ध कराने में विफल रहे हैं।

2023 के चुनावों में तेलंगाना में कांग्रेस की लहर देखने को मिलेगी : शब्बीर

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री मोहम्मद अली शब्बीर ने बुधवार को दावा किया कि तेलंगाना में 2023 में होने वाले अगले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की लहर देखने को मिलेगी। वह बुधवार को कामारेड्डी के क्लासिक गोल्डन फंक्शन हॉल में कामारेड्डी निर्वाचन क्षेत्र कांग्रेस सदस्यता और बीमा कार्ड वितरण कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर शब्बीर अली फाउंडेशन और कांग्रेस कैडर द्वारा कोविड महामारी के कारण पहले और दूसरे लॉकडाउन के दौरान दी गई सेवाओं पर 40 मिनट की एक फिल्म भी दिखाई गई। महामारी के दौरान लोगों की सेवा करने में महत्वपूर्ण योगदान देने वालों को भी कोविड वारियर पुरस्कार दिए गए। इस अवसर पर कांग्रेस के 44,300 सदस्यों के पहचान पत्र वितरित किए गए। मछली पकड़ने जाते समय तालाब में गिरने से मारे गए मचरेड्डी मंडल के एल्पुगोंडा गांव के एक कांग्रेस कार्यकर्ता गेरिगंती राजैया के परिवार को 2 लाख रुपये का बीमा चेक भी सौंपा गया। इस अवसर पर बोलते हुए शब्बीर अली ने कहा कि कामारेड्डी निर्वाचन क्षेत्र में 44,300 सदस्यों का नामांकन सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं के सामूहिक प्रयासों से हुआ है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सदस्यता लेने वालों को पूरा समर्थन देगी। उन्होंने कहा कि सभी सदस्यों को पार्टी में उचित पहचान मिलेगी और उन्हें पूरे समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने प्रभावित लोगों और लॉकडाउन में फंसे लोगों की मदद करके कोविड महामारी के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा निभाई गई भूमिका की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सदस्यों ने गरीबों की मदद करते हुए अपनी जान जोखिम में डाल दी। उन्होंने कहा कि शब्बीर फाउंडेशन ने लॉकडाउन के दौरान प्रवासी मजदूरों सहित विभिन्न वर्गों को भोजन, दवाएं और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की है.

जीएसडीपी बढ़ाने के लिए रणनीति बनाएं : मुख्य सचिव

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सकल राज्य विकास उत्पाद (जीएसडीपी) को बढ़ाने के लिए रणनीति तैयार करने पर एक बैठक बुधवार को बीआरकेआर भवन में आयोजित की गई। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य सचिव सोमेश कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के दूरदर्शी नेतृत्व, नियामक पर्यावरण, कुशल मानव पूंजी, औद्योगिक बुनियादी ढांचे और नीति समर्थन और सक्रिय आउटरीच के परिणामस्वरूप राज्य में 7.57 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित हुआ है। पिछले आठ वर्षों के दौरान 3.14 लाख लोगों को अतिरिक्त रोजगार प्रदान करना। मुख्य सचिव ने अधिकारियों से कहा कि वे जीएसडीपी में सुधार के लिए महत्वपूर्ण उपाय सुझाएं जिससे निजी क्षेत्र को अधिक निवेश करने

और अधिक रोजगार सृजित करने में मदद मिलेगी। वह चाहते हैं कि अधिकारी कार्रवाई के बिंदुओं की पहचान करें जिन्हें विभाग उठा सकता है और नियामक ढांचे में नीतिगत बदलाव का सुझाव भी दे सकता है जिससे राज्य की रैंकिंग में आसानी और जीवन स्तर में सुधार होगा।

प्रमुख सचिव उद्योग और आईटी जयेश रंजन ने बताया कि सरकार ने कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और आईटीईएस, एयरोस्पेस और रक्षा, ऑटोमोबाइल, जीवन विज्ञान, खाद्य प्रसंस्करण, एमएसएमई, खनन और रसद क्षेत्रों की पहचान की है, जिनमें निजी निवेश के साथ-साथ नौकरियां सृजन करने की बड़ी क्षमता है। इसी तरह फर्नीचर, खिलौना निर्माण, डिजिटल मनोरंजन, उभरती प्रौद्योगिकियां और ग्रीन हाइड्रोजन कुछ अन्य क्षेत्र हैं जिन पर सरकार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के रूप में ध्यान केंद्रित कर रही है। बैठक में सीएम के प्रमुख सचिव नरसिंह राव, विशेष मुख्य सचिव रजत कुमार, अरविंद कुमार, सुनील शर्मा, रानी कुमुदिनी, अधर सिन्हा, प्रमुख सचिव, सचिव और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

हैदराबाद शहर का शहरी नियोजन और सड़क प्रबंधन अच्छा : मिकाएला किचुलर

जीएचएमसी महापौर से मिली जर्मन कौंसुलर

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि हैदराबाद शहर अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ शहर के निवासियों के लिए बुनियादी ढांचा बनाने में विशेष प्रयास कर रहा है, और दुनिया आईटी हब के रूप में स्मार्ट सिटी और आधुनिक तकनीक के साथ ग्रीन ट्री सिटी के रूप में प्रसिद्ध होने की पृष्ठभूमि में हैदराबाद शहर की ओर देख रही है। जर्मन महावाणिज्यदूत मिस मिकाएला कुचुलर और मानद कौंसल मिस अमिता देसाई ने बुधवार को जीएचएमसी मुख्यालय में महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर बोलते हुए मेयर ने कहा कि राज्य के नगर निगम और आईटी मंत्री केटीआर की देखरेख में सिग्नल मुक्त परिवहन व्यवस्था बनाने के लिए शहर भर में फ्लाईओवर, अंडरपास, आरओबी, आरयूबी, फुट ओवर ब्रिज का निर्माण किया जाएगा। शहर में वाईएसआरडीपी द्वारा किए गए फ्लाईओवर को पूरा कर लोगों को उपलब्ध कराया गया है, हाईटेक सिटी क्षेत्र में यातायात को नियंत्रित करने के लिए विशेष उपाय किए गए हैं। उसी तरह सीआरएमपी ने सुखद वातावरण प्रदान करने के लिए 700 किलोमीटर की सड़क बनाई है। उन्होंने कहा कि इसे अंतरराष्ट्रीय शहर के रूप में विकसित करना सरकार की मंशा है। कचरा नियंत्रण के लिए जवाहर नगर और अन्य क्षेत्रों में ठोस कचरा प्रबंधन के माध्यम से रीसाइक्लिंग प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं, घरों से अलग-अलग गीला और सूखा कचरा एकत्र किया जा रहा है। शहर में इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए काफी प्रयास किए जा रहे हैं। हैदराबाद में इंटरनेशनल फॉर्मूला ई-रेस का आयोजन किया जा रहा है और इन प्रतियोगिताओं का आयोजन जल्द ही हैदराबाद में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस दौड़ में सभी राज्य भाग लेंगे। शहर भर में हरियाली बढ़ाने के लिए विशेष 10 प्रतिशत हरित कोष की स्थापना की गई है। इस अवसर पर जर्मन वाणिज्य दूत मिकाएला किचुलर ने कहा कि हैदराबाद शहर का शहरी नियोजन और सड़क प्रबंधन अच्छा है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग बढ़ाया जाए तभी प्रदूषण कम करने का मौका मिलेगा।

राजकीय सम्मान के साथ हुआ सुपरस्टार कृष्णा का अंतिम संस्कार

राज्यपाल व आंप्र के सीएम ने दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगू फिल्म स्टार कृष्णा का अंतिम संस्कार बुधवार को यहां राजकीय सम्मान के साथ किया गया, जब कई प्रमुख हस्तियों और बड़ी संख्या में प्रशंसकों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी, भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष बंडी संजय और पार्टी लाइन से हटकर नेताओं ने कृष्णा को श्रद्धांजलि दी, जिनका मंगलवार तड़के हैदराबाद के एक अस्पताल में हृदय गति रुकने से इलाज के दौरान निधन हो गया। सुपरस्टार को समय पर देखने और उनके अंतिम दर्शन के लिए पद्मालय स्टूडियो में लोगों की कतार लग गई।

पांच दशक से अधिक के करियर में लगभग 350 फिल्मों में अभिनय करने वाले अभिनेता की अंतिम झलक पाने के लिए प्रशंसक बड़ी संख्या में पद्मालय स्टूडियो में उतरे। पत्रकारों से बात करते हुए, तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने कहा कि फिल्म उद्योग के लिए कृष्णा की सेवा को हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यहां बड़ी संख्या में आए प्रशंसकों को देखकर मैं लोगों की नब्ज देख सकती हूं।

तमिलनाडु से काशी के लिए 13 ट्रेन सेवाएं चलाएगा रेलवे

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महीने भर चलने वाले 'काशी तमिल संगम' के दौरान, भारतीय रेलवे तमिलनाडु से काशी, उत्तर प्रदेश के लिए कुल 13 सेवाएं चलाएगा। काशी तमिल संगमम के लिए 216 प्रतिनिधियों को लेकर पहला रेक बुधवार को तमिलनाडु के रामेश्वरम से शुरू हुआ। तमिलनाडु से रवाना होने वाली पहली ट्रेन में भाग लेने के लिए रामेश्वरम से लगभग 35, तिरुचिरापल्ली से 103 और चेन्नई एग्मोर से 78 प्रतिनिधि ट्रेन में सवार होंगे। थिरु आर.एन. तमिलनाडु के राज्यपाल रवि गुरुवार को चेन्नई एग्मोर में प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करेंगे और ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इस अवसर पर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, मत्स्य पालन और पशुपालन राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन भी मौजूद रहेंगे। इन ट्रेन सेवाओं में तमिलनाडु के 2592 प्रतिनिधि शामिल होंगे। प्रतिनिधि अपनी यात्रा रामेश्वरम, कोयंबटूर और चेन्नई से शुरू करेंगे। ये ट्रेनें रास्ते में 21 स्टेशनों पर रुकेंगी।

प्रत्येक रेक में 216 यात्री सवार होंगे। काशी तमिल संगमम 2022 "आजादी का अमृत महोत्सव" के हिस्से के रूप में भारत सरकार की एक पहल है। यह 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना का उत्सव होगा और सुंदर तमिल भाषा के साथ-साथ संस्कृति का भी जश्न मनाएगा। काशी और तमिलनाडु के बीच सदियों पुराने ज्ञान और प्राचीन सभ्यतागत संबंधों की खोज के लिए 17 नवंबर से 16 दिसंबर तक वाराणसी में महीने भर चलने वाले 'काशी तमिल संगमम' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। आईआईटी और बीएचयू के कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, अकादमिक आदान-प्रदान - सेमिनार, चर्चा आदि भारतीय संस्कृति की दो प्राचीन अभिव्यक्तियों के विभिन्न पहलुओं पर विशेषज्ञों / विद्वानों के बीच आयोजित किए जाएंगे, जिसमें दोनों के बीच संबंधों और साझा मूल्यों को सामने लाने पर ध्यान दिया जाएगा।

व्यापक उद्देश्य दो ज्ञान और सांस्कृतिक परंपराओं को करीब लाना, हमारी साझा विरासत को बनाना और समझना और क्षेत्रों के बीच लोगों से लोगों के बीच के बंधन को गहरा करना है।

लंगरहौज पुलिस ने तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया, 25.60 लाख रुपये के आभूषण बरामद

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लंगर हौज पुलिस ने बुधवार को दो चोरी के मामलों में कथित रूप से शामिल तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 51 तोला सोना और एक किलो चांदी बरामद की है, जिसकी कीमत 25.60 लाख रुपये है।

गिरफ्तार लोगों की पहचान चारमीनार निवासी राहुल कुमार शर्मा (36), नागोले के कट्टेला अनूप कुमार (30) और निजामाबाद के सुनकम राजू (30) के रूप में हुई है, जो वर्तमान में बेंगलुरु में रह रहे हैं। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) जोएल डेविस ने गिरोह की गिरफ्तारी की घोषणा करते हुए कहा कि 7 नवंबर की तड़के राहुल और अनूप लैंगर हौज के काकतीयनगर स्थित अनिल अग्रवाल के घर में घुस गए और सोने, चांदी के गहने और घर से 2.0 लाख रुपये नकद चुरा लिये।

6 नवंबर की शाम, राहुल और अनूप लकडीकापुल के निलौफर होटल में मिले और चाय पी। बातचीत के दौरान अनूप ने राहुल को अपने पिछले मालिक की दौलत के बारे में बताया और दोनों ने घर में चोरी करने का फैसला किया। जोएल डेविस ने कहा कि अनिल अग्रवाल के घर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि वह ताला लगा हुआ था और मौका पाकर दोनों घर का ताला तोड़कर घर में दाखिल हुए। वे बेडरूम के अंदर गए और अलमारी के ताले तोड़ दिए, सोना, चांदी और नकदी एकत्र कर फरार हो गए। राजू ने उन्हें आश्रय प्रदान किया। एक शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था और सर्विलांस कैमरा फीड, मोबाइल फोन लोकेशन और ह्यूमन इंटेलिजेंस की मदद से उन्हें अलग-अलग जगहों पर पकड़ा गया है। पूछताछ में तीनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। यह गिरोह डुंडीगल थाना क्षेत्र में हुई चोरी की घटना में भी शामिल था। पुलिस ने उन्हें कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया।

सरकार ने निम्स को 1571 करोड़ रुपये मंजूर किए

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने बुधवार को निजाम आयुर्विज्ञान संस्थान (निम्स), पंजागुट्टा के विकास के लिए 1571 करोड़ रुपये की प्रशासनिक मंजूरी दी। एनआईएमएस प्रबंधन को विस्तार परियोजना की लागत को पूरा करने के लिए बैंकों या किसी अन्य वित्तीय संस्थान से वित्तीय संसाधन जुटाने और एसबीआई सीएपी (कैपिटल मार्केट्स) के साथ जुड़ने की भी अनुमति दी गई है, जो तेलंगाना सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (टीएसएसएचसीएल) परियोजना के लिए ऋण सिंडिकेशन के लिए नोडल एजेंसी है। तेलंगाना के स्वास्थ्य सचिव एसएएम रिज़वी द्वारा जारी एक सरकारी आदेश संख्या 142 में उक्त जानकारी दी गई है।

पूर्वोत्तर रेलवे — निविदा सूचना

Email:- cos@ner.railnet.gov.in Website www.ner.indianrailways.gov.in Fax No. 0551-2200721

निविदा सूचना सं0 38 दिनांक 15.11.2022

ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निविदा आमंत्रण

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक गोरखपुर कृते भारत के राष्ट्रपति तथा उनकी ओर से पूर्वोत्तर रेलवे/ईप्रोक्योरमेंट – निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती के माध्यम से है।

सामग्री का पूर्ण विवरण तथा नियम एवं शर्तें वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है

क्रम सं0	निविदा संख्या	खुलने की तिथि	सामग्री का विवरण	आरक्षित श्रोत द्वारा
1	32210639A	12.12.22	बैटरी (6वी, 150एच एन1–सीडी बैटरी) ईटीसी	--
2	26227001	09.12.22	प्रोक्योरमेंट ऑफ पीएससी सेन लाइन ईटीसी	RDSO
3	24220196	08.12.22	16 टिथ पीनियन फॉर डब्लूएजी 7–ईटीसी	CLW
4	28221043	05.12.22	हाई परफार्मेंस ईटीसी	--
5	28220704	01.12.22	1–डीसाल्व एसीट्लेन गैस ईटीसी	--
6	29220188	01.12.22	आईआरएस टाइप ग्राउंड कनेक्सन ईटीसी	--
7	26220495E	30.11.22	इंडलेस वी बेल्ट ईटीसी	--

मुजाधि/एस–57 प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, गोरखपुर

यात्री सुविधा सम्बन्धित शिकायत हेतु मो.नं0–09794845955 पर एसएमएस करें।

गाड़ियों की छतों व पावदान पर यात्रा न करें।

खतौली से टिकट मांग रहे आरएलडी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अभिषेक चौधरी गुर्जर ने पार्टी छोड़ी

उपचुनाव के दौरान थामा बीजेपी का दामन

लखनऊ, 16 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले की खतौली विधानसभा से उपचुनाव में टिकट नहीं दिए जाने की वजह से राष्ट्रीय लोक दल के नेता अभिषेक चौधरी ने पार्टी से बगावत कर दी है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। इसके पहले उन्होंने आरएलडी से खतौली विधानसभा उपचुनाव के लिए टिकट मांगा था लेकिन आरएलडी ने इस सीट से मदन भैया को मैदान में उतार दिया है जिसके बाद नाराज होकर अभिषेक चौधरी ने बीजेपी का दामन थाम लिया। राष्ट्रीय लोक दल की ओर से खतौली विधानसभा सीट पर मदन भैया को टिकट दिए जाने के बाद अभिषेक चौधरी ने नाराजगी जताई थी। इसी समय बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने मंगलवार (15 नवंबर) की रात को ही अभिषेक चौधरी को अपने

टिकट न मिलने से नाराज अभिषेक चौधरी ने आरएलडी छोड़ बीजेपी ज्वाइन की

घर बुलाकर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता दिलवाई। राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय प्रवक्ता रह चुके अभिषेक चौधरी गुर्जर मंगलवार को यहां प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी के आवास पर बीजेपी में शामिल हुए। वो खतौली विधानसभा के उपचुनाव में टिकट नहीं मिलने की वजह से आरएलडी से नाराज थे। साल 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों से जुड़े एक मामले में बीजेपी विधायक विक्रम सैनी को एक विशेष अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने और सजा सुनाए जाने के बाद उनकी विधानसभा सदस्यता रद कर दी गई जिसके बाद इस सीट पर उपचुनाव करवाया जा रहा है। इस साल की शुरुआत में हुए विधानसभा चुनाव में विक्रम सैनी ने रालोद के राजपाल सैनी को 16,345 मतों से हराया था।

बीजेपी ने खतौली से विक्रम सैनी की पत्नी राजकुमारी सैनी को उतारा

आरएलडी की ओर से खतौली से उम्मीदवार मदन भैया ने इसके पहले गाजियाबाद के लोनी विधानसभा से रालोद के टिकट पर लड़ा था, लेकिन बीजेपी के मौजूदा विधायक नंद किशोर गुर्जर से उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इस बार बीजेपी ने खतौली सीट से विक्रम सैनी की पत्नी राजकुमारी सैनी को प्रत्याशी बनाया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी ने कहा कि रालोद नेता के शामिल होने से उनकी पार्टी में और भी ज्यादा मजबूत आएगी।

समाजवादी पार्टी के स्टार प्रचारक बनाए जाने के बाद भाई अभयराम से मिलने इटावा पहुंचे शिवपाल यादव

क्या डिंपल यादव के लिए प्रचार पर खत्म हुआ सस्पेंस

लखनऊ, 16 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में होने वाले उपचुनाव से पहले जहां एक तरफ बीजेपी तीनों सीटों पर फतह हासिल करने के लिए पूरी गणित लगा रही है तो वहीं अखिलेश यादव भी यादव कुनबा को एक करने में जुट गए हैं। अखिलेश यादव ने तीनों सीट पर प्रचार करने के लिए स्टार प्रचारक की लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में 7वे नंबर पर चाचा शिवपाल सिंह यादव का नाम था।

जिसके बाद चाचा शिवपाल यादव मैनपुरी उपचुनाव में बहू डिंपल यादव का प्रचार करेंगे या नहीं इस पर संशय बना हुआ है। सपा से नाराज चल रहे शिवपाल ने बुधवार की सुबह इटावा पहुंचकर एसएस मेमोरियल स्कूल में बड़े भाई अभयराम यादव से अकेले में बातचीत की। जानकारी

प्रसपा प्रमुख शिवपाल यादव

के मुताबिक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद मैनपुरी संसदीय सीट पर हो रहे उपचुनाव को लेकर शिवपाल सिंह यादव और अभयराम के बीच बातचीत हुई है।

हालांकि, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव और अभयराम यादव ने नामांकन के वक्त शिवपाल सिंह यादव का नाम लेकर कहा था कि उनकी रजामंदी के बाद ही डिंपल यादव के नाम का ऐलान किया गया। फिलहाल शिवपाल सिंह यादव की ओर से डिंपल यादव के पक्ष में कोई बात स्पष्ट नहीं की गई है।

नामांकन के समय नहीं पहुंचे थे मैनपुरीः शिवपाल यादव डिंपल यादव के नामांकन के समय मैनपुरी में नहीं थे, लेकिन अभयराम ने उस वक्त कहा था कि शिवपाल भी प्रचार करने मैनपुरी आएंगे। दरअसल, गोला गोकर्णनाथ विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में सपा के स्टार प्रचारकों में शिवपाल सिंह यादव का नाम नहीं था। लेकिन मैनपुरी उपचुनाव में अखिलेश यादव ने उनका नाम स्टार प्रचारकों में शामिल किया है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि शिवपाल यादव बहू डिंपल के लिए प्रचार करते हैं, या उपचुनाव से दूरी बनाए रखते हैं।

सपा ने भेजी स्टार प्रचारकों की लिस्टः मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने शिवपाल यादव, आजम खां, जया बच्चन समेत 34 स्टार प्रचारकों की सूची चुनाव आयोग को भेजी है।

सूची में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, रामगोपाल यादव, किरमयनंदा, आजम खां, जया बच्चन, नरेश उत्तम पटेल, शिवपाल यादव, माता प्रसाद पांडेय, स्वामी प्रसाद मौर्य, मनोज पांडेय और जूही सिंह प्रमुख हैं।

कर्पूरी ने जिस अतिपिछड़ा को बढ़ाया वह नहीं मिला?

अनिल सहनी

पटना, 16 नवंबर (एजेंसियां)। आरजेडी के कुढ़नी से पूर्व विधायक अनिल सहनी परेशान हैं। उन्होंने कहा कि जनता मुझको फोन कर सवाल कर रही है कि अतिपिछड़ी जाति के किसी उम्मीदवार को जेडीयू से टिकट क्यों नहीं दिलवाया गया? मुझे इसका जवाब देते नहीं बन रहा है। कहा कि बिहार के महान मुख्यमंत्री को जेडीयू को कोई अतिपिछड़ी जाति का उम्मीदवार कुढ़नी में नहीं मिला, जबकि ये सीट अतिपिछड़ी जाति से खाली हुई थी।

अनिल सहनी पर ये आरोप लगे थे जिसमें सजा हुई, विधायकी गई और उपचुनाव हो रहा

बता दें कि कुढ़नी से विधायक रहे अनिल सहनी पर एलटीसी घोटाले के मामले में सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने 3 साल की सजा सुनाई थी। विधायक के खिलाफ 23.71 लाख की धोखाधड़ी का मामला चला। 21 अक्टूबर 2013 को सीबीआई ने मामला दर्ज किया था। उन पर दो लाख रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया। इस मामले में सीबीआई ने सरकार को धोखा देने और जाली हवाई टिकट और बोर्डिंग पास के आधार पर राज्यसभा सचिवालय से प्रतिपूर्ति का दावा करने के आरोप में अनिल सहनी और अन्य आरोपितों के खिलाफ 2013 में मामला दर्ज किया था।

सजा होने के बाद अनिल सहनी की विधान सभा की सदस्यता रद्द कर दी गई और अब चुनाव आयोग कुढ़नी में विधान सभा उपचुनाव करा रहा है। अनिल सहनी का कहना है कि उन्हें साजिश के तहत फंसा दिया गया है। कुढ़नी से महागठबंधन की ओर से जेडीयू ने कुशवाहा जाति के मनोज कुशवाहा को उम्मीदवार बनाया। वे दो बार विधायक रहे और मंत्री भी रह चुके हैं।

बीजेपी ने वहां बनिया कार्ड खेला और केदार गुप्ता को उम्मीदवार बनाया। अनिल सहनी दिल्ली में हैं।

मिसिंग लड़कियों के होमवर्क में जुटी आजमगढ़ पुलिस

आजमगढ़, 16 नवंबर (एजेंसियां)। आजमगढ़ के अहिरौला थाना क्षेत्र के पश्चिमी पट्टी गौरी का पूरा गांव में मंगलवार को कुंए से पांच टुकड़ों में कटी लड़की की बाड़ी मिली। एसपी अनुराग आर्य, डीआईजी अखिलेश कुमार के साथ डॉग स्क्वायड और फारेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया था और फील्ड यूनिट को मामले के जल्द से जल्द खुलासे के निर्देश भी दिए। गांव से मात्र 500 मीटर की दूरी पर स्थित इस कुंए से लड़की की पांच टुकड़ों में कटी बॉडी बरामद हुई थी। कुएं से बदबू आने पर लोगों ने देखा तो शव दिखाई दिया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने कुएं से शव निकलवाया।

बिना कैंडिडेट उतारे उप चुनाव में मायावती की एंट्री

कहा- मुस्लिम के लिए बीजेपी का ट्रैक रिकॉर्ड किसी से छिपा नहीं

लखनऊ, 16 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी में मैनपुरी लोकसभा, रामपुर और खतौली में विधानसभा सीट पर उपचुनाव हो रहा है। सपा की सीधी टक्कर सत्तारूढ़ पार्टी बीजेपी से है। मगर इस चुनाव में बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बिना कैंडिडेट उतारे ही एंट्री ली है। उन्होंने कहा कि पसमांदा मुस्लिम का राग बीजेपी बेवजह से लगा रही है। मुस्लिमों को लेकर बीजेपी का ट्रैक रिकॉर्ड किसी से छिपा नहीं है। बीजेपी की निगेटिव सोच की वजह से मुस्लिम आज भी पिछड़े हुए हैं।

मायावती ने भले ही उप चुनाव को लेकर बड़ा स्टेटमेंट जारी किया हो, मगर उन्होंने उप चुनाव में अपना कैंडिडेट नहीं उतारा है। अब सवाल यह उठ रहा है कांग्रेस-बसपा के उम्मीदवार नहीं उतारने पर उनके वोटर्स किसके पाले में जाएंगे। किसको फायदा होगा और किसका ये नुकसान करेंगे। मैनपुरी लोकसभा सपा के संरक्षक रहे मुलायम सिंह यादव की पारिवारिक सीट मानी जाती है। इस सीट पर चार लाख के करीब यादव आबादी तो तीन लाख के करीब शाक्य वोटर्स है। इसके बाद ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम वोटर्स आते हैं। फिलहाल डिंपल को प्रत्याशी बनाने से पहले अखिलेश यादव ने पूर्व मंत्री रहे शाक्य जाति से आने वाले को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया। बीजेपी में शामिल हुए रघुराज सिंह शाक्य भी सपा को छोड़कर ही आए हैं। यहां यादव बनाम गैर यादव उम्मीदवार की टक्कर है।

रघुराज के लिए खुद को साबित करने की चुनौती

कभी शिवपाल यादव के करीबी रहे रघुराज सिंह शाक्य को बीजेपी ने डिंपल यादव के सामने उतार दिया है। फिलहाल बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य रघुराज सिंह शाक्य के नामांकन में मैनपुरी मैं मौजूद रहने वाले हैं। ऐसे में भाजपा ने पूरी ताकत के साथ प्रचार करने और सीट जीतने का दावा शुरू कर दिया है। लेकिन कभी सपाई रहे रघुराज

सिंह शाक्य कितने वोट बीजेपी के मूल वोट से अलावा पाते हैं। ये एक बड़ी चुनौती भी है।

बसपा-कांग्रेस के उम्मीदवार का न लड़ना

मैनपुरी लोकसभा सीट बीएसपी भले ही कभी जीती नहीं हो लेकिन उसने यहां अच्छा प्रदर्शन किया है। 1996 से लेकर 2014 तक हुए लोकसभा के सभी चुनाव और उपचुनाव में बीएसपी को 14 से लेकर 31% तक वोट मिला है। बीएसपी का एक सीट पर करीब 15% वोट पक्का है तो लोकसभा के उपचुनाव में कितने वोटों का इधर से उधर होना नतीजों को निश्चित रूप से प्रभावित करेगा। वहीं राजनीतिक जानकार मानते हैं कि कांग्रेस का वोट सपा को जाता है।

लखीमपुर खीरी के उप चुनाव के बाद सपा ने आरोप लगाया था कि बसपा का वोट भाजपा में ट्रांसफर किया जाता है। इस बार मैदान में बीएसपी के न होने का क्या परिणाम होगा, फिलहाल ये कहना मुश्किल है।

जम्मू-कश्मीर में बगहा के मजदूर की गोली मारकर हत्या

बगहा, 16 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में बगहा निवासी एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मौत की सूचना जम्मू-कश्मीर पुलिस के सोशल मीडिया अकाउंट से मिली है। वह गुरुवार को घर के लिए ट्रेन पकड़ने वाला था। मजदूर का शव श्रीनगर में सौरा स्थल पर सड़क किनारे से बरामद हुआ था। इसके बाद श्रीनगर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया था। बुधवार की सुबह डुमवलिया निवासी 35 वर्षीय बलिष्टर चौधरी की मौत की खबर के बाद पत्नी बुधवार को ट्रेन पकड़ कश्मीर जाने के लिए निकल पड़ी है। बलिष्टर चौधरी की शादी 12 साल पहले हुई थी। उसके तीन बच्चे हैं। वह श्रीनगर में मजदूरी कर परिवार चलाता था। गुरुवार को ट्रेन पकड़कर बगहा आने के लिए रिजर्वेशन करा चुका था। पत्नी और परिवार वालों को बेसब्री से इंतजार था। लेकिन ट्रेन पकड़ने के एक दिन पहले ही उसकी मौत की सूचना ने झकझोर कर रख दिया। घटना की सूचना जैसे ही पत्नी को मिली, उसने बिना समय गंवाए जम्मू-कश्मीर के लिए ट्रेन पकड़ लिया। भाई गुड्डू चौधरी ने बताया कि गांव के हीं कुछ लोग वहां पर रह कर कमाते हैं।

रेलवे लाइन पर पड़े मिले युवक-युवती के क्षत-विक्षत शव नहीं हो सकी शवों की पहचान

बाराबंकी, 16 नवंबर (एजेंसियां)। बाराबंकी जिले के मसौली थाना क्षेत्र में बाराबंकी गोंडा रेल मार्ग पर 50 मीटर के अंतराल पर एक युवक और युवती के शव बरामद हुए हैं। पुलिस जीआरपी शवों की शिनाख्त में जुटी है। मसौली के थाना प्रभारी शिव नारायण सिंह ने बताया कि बाराबंकी रफनगर रेलवे स्टेशन से करीब 300 मीटर की दूरी पर नौबस्ता गांव के पास रेल पटरी पर महिला व पुरुष के शव बरामद हुए हैं। ट्रेन से कटकर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो सके शवों की पहचान करना भी मुश्किल है। थानाध्यक्ष ने बताया कि आसपास के ग्रामीणों को बुलाकर शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। इसे लेकर ग्रामीण प्रेमी युगल होने की चर्चा कर रहे हैं। वहीं, पुलिस ट्रेन हादसे के बिंदु पर जांच कर रही है। हादसे के बाद पुलिस आसपास के ग्रामीणों को बुलाकर शवों की पहचान कराने में जुटी है। जीआरपी के प्रभारी निरीक्षक परवेज अली खान ने बताया कि मौके पर ऐसा कोई साक्ष्य नहीं मिला जिससे दोनों की पहचान हो सके।

संपत्ति विवाद में मां और छोटे बेटे ने जहर खाकर दी जान

बड़े बेटे ने धोखे से हड़प लिए थे 69 लाख

गोरखपुर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। गोरखनाथ इलाके के जन प्रिय बिहार कॉलोनी में संपत्ति विवाद में मां और बेटे ने जहर खा लिया। गंभीर हालत में दोनों को जिला अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों ने बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना मंगलवार देर रात 11.30 बजे की है।

जनप्रिय बिहार इलाके के एलआईजी 100 में सरोज देवी (55) अपने बड़े बेटे श्रीश राव और छोटे बेटे मनीष राव (28) के साथ रहती थी। कुछ माह पहले उन्होंने जनप्रिय बिहार के मकान को 69 लाख में बेच दिया। रकम को मां और बड़े बेटे के संयुक्त खाते में रखा गया था।

मोहल्ले वालों के अनुसार, बड़े बेटे ने चुपके से खाते को एकला करवाने के साथ रकम निकाल कर अलग जगह मकान खरीद लिया। इसकी जानकारी होने पर मां नाराज हुई तो वह 10 नंबर को पत्नी के साथ ससुराल में जाकर रहने लगा। इस बीच कई बार मां

ने छोटे बेटे के लिए रुपये की मांग की, लेकिन, बड़े बेटे ने रुपये देने से इनकार कर दिया।

मंगलवार को भी मां बेटे ने श्रीश को फोन कर रुपये मांगे, लेकिन उसने पैसे देने से मना कर दिया। आरोप है की श्रीश के व्यवहार से आहत मां और बेटे ने मंगलवार देर रात जहर खा लिया। जानकारी मिलने के बाद लोगों दोनों को सबसे पहले जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां से रेफर करने के बाद मेडिकल कॉलेज ले जाया गया।

करीब 11:30 बजे के आसपास उन्होंने दम तोड़ दिया और डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद गोरखनाथ पुलिस में शव को कब्जे में ले लिया है।

बेचे गए अपने मकान में ही किराएदार बनकर रह गए थे दोनों

करीब 6 महीने पहले जब सरोज देवी ने अपना मकान बेचा था तो खरीदने वाले ने उन्हें रहने की व्यवस्था ना होने तक उसी घर में रहने की अनुमति दे दी थी। लिहाजा वह पिछले 6 माह से अपने ही मकान में किराएदार बनकर रह रहे थे। वहीं छोटा बेटा मनीष गोडधोइया नाले के पास गाड़ी धोने की दुकान चलाता था।

क्या जहर की वजह से हुई सिंगर ब्रजकिशोर की मौत?

चेहरे से लेकर हाथ-पैर के नाखून का रंग हो चुका था नीला, परिवार ने साधी चुप्पी

पटना, 16 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति से सम्मानित लोक गायक ब्रजकिशोर दुबे की मौत की वजह जहर है। यह मौत हत्या है या आत्महत्या, इस पर सस्पेंस अब भी बरकरार है। सूत्रों की मानें तो जब बॉडी पोस्टमॉर्टम के लिए उनके पास पहुंची तब तक ब्रजकिशोर दुबे का चेहरा पूरी तरह से नीला पड़ चुका था। उनके हाथ-पैर के नाखून भी नीले रंग के हो चुके थे। ऐसे लक्षण सिर्फ 'जहर' वाले केस में ही देखने को मिलता है। दरअसल, लोक गायक की मौत का मामला पूरी तरह से संदेह के घेरे में है। इस कारण पुलिस ने पटना के डीएम डॉ. चंद्रशेखर सिंह के आदेश से सोमवार की रात में ही पीएमसीएच में डेड बॉडी का पोस्टमॉर्टम कराया। पीएमसीएच के सूत्रों के मुताबिक पोस्टमॉर्टम के दौरान ब्रजकिशोर दुबे के शरीर के अंदर लिकोसा कंजेशन मिला है। मतलब पेट के अंदर खून का थक्का जमा हुआ था। ये सिर्फ 'जहर' वाले मामले में होता है। ये तब स्पष्ट हुआ जब पोस्टमॉर्टम करने वाली टीम ने उनके पेट के कंटेंट को देखा।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य बोले- आजमगढ़-रामपुर में खिला, मैनपुरी में भी खिलेगा कमल

एटा, 16 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को एटा में कहा कि आजमगढ़, रामपुर, गोला में कमल खिल चुका है। अब मैनपुरी में भी कमल खिलेगा। कमल खिलने का युग आ गया है, साइकिल को जनता ने पंक्चर कर दिया है। प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव को लेकर बोले कि हम किसी की नाराजगी का फायदा नहीं उठाना चाहते। सेवा करने का अवसर मांग रहे हैं।

मैनपुरी में भाजपा प्रत्याशी रघुराज सिंह शाक्य को लोकसभा उपचुनाव में नामांकन कराने के लिए जाने से पहले वह हेलीकॉप्टर से एटा पुलिस लाइन उतरे। यहां कार से मैनपुरी के लिए रवाना हुए। इस दौरान मैनपुरी लोकसभा सीट अब तक न जीतने के सवाल पर कहा कि नेताजी का हमारी पार्टी और नेतृत्व सम्मान करता था। इसलिए प्रचार नहीं किया जाता था। मैनपुरी में हमारे दो विधायक हैं, सांसद भी जीतेंगे। चुनाव में शिवपाल यादव की भूमिका के सवाल पर कहा कि जो भी सहयोग करना चाहता है, सबका स्वागत है। कमल खिलेगा तो विकास, सुरक्षा, सुशासन मिलेगा। लोग कमल खिलाने के लिए तैयार हैं। डिप्टी सीएम ने कहा कि फिरोजाबाद, बदायूं, आजमगढ़, रामपुर जैसे नेताओं को समाजवादी पार्टी अपना गढ़ समझती थी, वो अब कमल का गढ़ हैं।

साथ आए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि अब कहीं कोई गढ़ नहीं है, प्रदेश और पूरा देश भाजपा का गढ़ है। रामपुर, आजमगढ़ जीते हैं, शत प्रतिशत बड़े अंतर से मैनपुरी भी जीतेंगे।

यूपी कैबिनेट ने इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग पॉलिसी को दी मंजूरी

लखनऊ, 16 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी कैबिनेट ने बुधवार को हुई बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर सहमति की मुहर लगा दी है। बैठक में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग पॉलिसी को मंजूरी दे दी गई है। बैठक में राज्य विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 5 दिसंबर से बुलाए जाने की मंजूरी दे दी गई है। इस सत्र में योगी सरकार अनुपूरक बजट पेश करेगी।

जानकारी कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने दी। बैठक में कई अहम प्रस्तावों को पास किया गया है

राज्य विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 5 दिसम्बर से शुरू होगा। सत्र तीन दिन का होगा।

दो निजी विश्वविद्यालय के आशय पत्र जारी किए गए हैं। हरित विश्वविद्यालय गाजियाबाद और महावीर विश्वविद्यालय मेरठ को आशय पत्र जारी करने की मंजूरी मिली है।

अनुपूरक बजट लाएगी सरकार

संजय गांधी पीजीआई में क्रिटिकल केयर के 12 बेड जोड़े गए हैं। इससे मरीजों को मदद मिलेगी। वर्तमान में क्रिटीकल केयर के 20 बेड हैं।

उच्च न्यायालय में ट्रेनी क्लर्क का कार्यकाल एक से बढ़ाकर दो साल किया गया है।

उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल के लिए वाहनों की व्यवस्था की जाएगी। अनुप्रयोगी वाहन को नीलाम किया जाएगा। 112 का रेस्पॉन्स टाइम 10 मिनट रह गया है। इसे और भी कम करने के लिए गाड़ियों की व्यवस्था की जाएगी।

नई सौर ऊर्जा नीति को कैबिनेट की मंजूरी। 22 हजार मेगावाट सोलर एनर्जी का उत्पादन किया जाएगा।

सोलर पार्क की स्थापना के लिए सार्वजनिक भूमि एक एकड़ की दर से लीज पर देंगे।

उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति 2022 को मंजूरी मिली। पर्यटन की दृष्टि से कमजोर इलाकों को विकसित किया जाएगा। पर्यटन विकास की क्षमता का पूरा उपयोग किया जाएगा।

बजट होटल, स्टाफ होटल, हैरिटेज होटल, कारवां टूरिज्म, वेलनेस सेंटर को बढ़ावा दिया जाएगा।

वाइल्ड लाइफ और इको टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाएगा।

शक्ति पीठ सर्किट बनाया जाएगा।

क्राफ्ट सर्किट बनाया जाएगा। इससे हस्तशिल्प उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

योगी कैबिनेट में 24 प्रस्ताव पास

पुराने महलों को हेरिटेज होटल में बदलेगी सरकार गाजियाबाद, मेरठ में प्राइवेट यूनिवर्सिटी मंजूर

लखनऊ, 16 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी की योगी सरकार की कैबिनेट बैठक बुधवार को हुई। इसमें 24 अहम प्रस्ताव पर मुहर लगी। यूपी की पर्यटन नीति से जुड़े प्रस्ताव भी पास हुआ है। इसमें प्रदेश में पुराने महलों को हेरिटेज होटल में बदलने के लिए सरकार मदद करेगी। वहीं विलेज स्टे के लिए ग्रामीण इलाकों में भी मदद की जाएगी। पुराने घरों को विलेज स्टे योजना के तहत सुधारने की भी योजना है। इससे यूपी में टूरिज्म बढ़ेगा।

कैबिनेट बैठक के बाद वित्त मंत्री सुरेश खन्ना प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि संभल में स्टेडियम बनाने की भी मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि शीत कालीन सत्र 5 दिसंबर से शुरु होगा। उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल की तीन वाहिनी के वाहनों की व्यवस्था की गई है। जिसमें 244 नए वाहन खरीदे जाएंगे। पुराने वाहनों को नीलाम किया जाएगा।

2 निजी विश्वविद्यालय का प्रस्ताव पास किया गया है। इसमें पहला एचआरआईटी गाजियाबाद और दूसरा महावीर विश्वविद्यालय मेरठ है। संजय गांधी स्नातकोत्तर विश्वविद्यालय में क्रिटिकल केयर के 12 अतिरिक्त बेड की व्यवस्था की गई है। अब तक क्रिटिकल केयर के 20 बेड हैं। इसके बाद क्रिटिकल केयर के 32 बेड हो जाएंगे।

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि सरकार से आए हुए प्रावधानों में 79 में से 74 फायर सेफ्टी धाराओं को स्वीकार किया है। रामपुर और सहारनपुर में एटीएस मुख्यालय के लिए जमीन दी गई है। एटीएस के लिए सहारनपुर में सिंचाई विभाग 28 एकड़ की जमीन दे रहा है।

कभी नहीं सोचा था प्रेम संबंधों का ऐसा होगा अंजाम

लखनऊ, 16 नवंबर (एजेंसियां)। दुबग्गा की डूडा कॉलोनी में प्रेमी ने प्रेमिका पर धर्म परिवर्तन कराने का दबाव बनाया। युवती ने विरोध किया तो उसे चार मंजिला छत से फेंक दिया। गंभीर रूप से घायल युवती को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी परिवार सहित भाग निकला।

पीड़िता के परिवारीजन की तहरीर पर हत्या व जबरन धर्म परिवर्तन कराने का मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस की तीन टीमें आरोपी की तलाश में दबिश दे रही हैं। दुबग्गा की डूडा कॉलोनी में 19 साल की निधि गुप्ता परिवार सहित रहती थी। हाईस्कूल पास निधि ब्यूटी पार्लर में काम सीख रही थी। उसके पास के ब्लॉक नंबर 40 में रहने वाले सूफियान से प्रेम संबंध थे। पुलिस के मुताबिक कुछ दिन पहले उसने युवती को मोबाइल फोन दिया था। घरवालों को मंगलवार को इसका पता चला तो वे सूफियान के घर शिकायत करने गए। दोनों परिवारों में काफी कहासुनी हुई। इसी बीच निधि नीचे से भागकर चौथी मंजिल पर चली गई। उसके पीछे सूफियान भी गया। युवती के परिजनों का आरोप है कि सूफियान ने युवती को छत से नीचे फेंक दिया। उसके गिरने की आवाज सुनाई दी तो लोग चौंक पड़े। युवती खून से लथपथ सड़क पर पड़ी थी।

बेहोशी की हालत में परिजन उसे ट्रॉमा सेंटर लेकर गए। पड़ोसियों ने कंट्रोल रूम को सूचना दी तो पुलिस मौके पर पहुंची और पड़ताल शुरू की। पुलिस के मुताबिक युवती की इलाज के दौरान मौत हो गई। उधर, वारदात के बाद सूफियान व उसका परिवार घर पर ताला लगाकर भाग निकला।

निधि के घरवालों के मुताबिक सूफियान उसका धर्म परिवर्तन कराना चाहता था। वह मुस्लिम रीति रिवाज से निकाह करना चाहता था। इसके लिए वह निधि पर लगातार दबाव बना रहा था। इस संबंध में युवती ने घरवालों को भी बताया था।

परिवारीजन के मुताबिक युवती लगातार इसका विरोध कर रही थी। मोबाइल पर भी सूफियान उसे धर्म बदलने के लिए दबाव बनाता था। प्रभारी निरीक्षक दुबग्गा सुखबीर सिंह भदौरिया के मुताबिक युवती के परिवारीजन की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया गया है।

तेजी से बढ़ रही है शहरी जनसंख्या

भारत अपने शहरों पर खर्च करे 68 लाख करोड़ रुपये

विश्व बैंक की रिपोर्ट कहती है कि भारत के शहरों में सुविधाएं देने के मामले में निजी कंपनियों का निवेश काफी कम है. साल 2036 तक देश की कुल जनसंख्या का 40 प्रतिशत लोग शहर में रह रहा होगा.

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। कभी गांवों का देश कहा जाने वाला भारत पिछले कुछ सालों में शहरीकरण की ओर रफ्तार पकड़ रहा है. हाल ही में विश्व बैंक की एक रिपोर्ट सामने आई है जिसके अनुसार भारत में तेजी से बढ़ते शहरी जनसंख्या के कारण आने वाले 15 साल में 840 बिलियन डॉलर यानी करीब 68 लाख करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत होगी. जिसका मतलब है कि देश में बढ़ती शहरी जनसंख्या और शहरों को संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रति वर्ष औसतन 55 बिलियन डॉलर यानी तकरीबन 4.4 लाख करोड़ रुपये निवेश करना होगा. रिपोर्ट के अनुसार उभरते वित्तीय अंतर को पूरा करने के लिए, देश को निजी और वाणिज्यिक निवेश की जरूरत पर जोर देना पड़ेगा. साल 2036 तक भारत के लगभग 60 करोड़ लोग शहर में रह रहे होंगे जो कि भारत के कुल जनसंख्या का 40 प्रतिशत होगा. वर्तमान में, केंद्र और राज्य सरकारें शहर के बुनियादी ढांचे का 75 प्रतिशत से अधिक वित्त पोषण करती हैं, जबकि शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) अपने स्वयं के राजस्व से मुश्किल से 15 प्रतिशत वित्त पोषण करते हैं.

क्यों बुनियादी ढांचे के विस्तार की जरूरत

आसान भाषा में समझिए तो अगर भारत के शहरी क्षेत्रों में लोग बसने लगेंगे और आबादी का दबाव बढ़ेगा तो स्वच्छ पानी, बिजली सप्लाई और सुरक्षित सड़क परिवहन की मांग भी बढ़ेगी. आने-जाने के लिए ट्रांसपोर्टेशन और बिजली के साथ वेस्ट मैनेजमेंट को लेकर चुनौतियां बढ़ेंगी. वर्तमान की बात करें तो मुंबई में आसपास से रहने वाले लोग दफ्तर तक पहुंचने के लिए घंटों का सफर तय करते हैं. ट्रेन, बाइक और कार से वहां पहुंचते हैं. बारिश में बाढ़ के हालात बनने पर मुश्किलें और बढ़ जाती हैं. वहीं शहर में जनसंख्या के बढ़ने से कार्बन का उत्सर्जन और घर बनाने के लिए स्टील और कंक्रीट का प्रोडक्शन भी बढ़ेगा.

हालांकि देश के महानगरों में बढ़ने वाली आबादी का सीधा असर भारत के जल, वायु और ध्वनि प्रदूषण के रूप में दिखाई भी देगा. लेंसेट जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार राजधानी दिल्ली में हर साल 2 करोड़ लोग जहरीली हवा से जूझते हैं. एयर पॉल्यूशन के कारण हर साल 17,500 अकाल मौतें होती हैं. यह आंकड़ा और बढ़ सकता है.

निजी निवेश बहुत कम

विश्व बैंक की रिपोर्ट कहती है कि भारत के शहरों में सुविधाएं देने के मामले में निजी कंपनियों का निवेश काफी कम है. वर्तमान में भारतीय शहरों की आधारभूत संरचना की जरूरतों का सिर्फ 5 प्रतिशत ही निजी स्रोतों के माध्यम से वित्तपोषित हो रहा है. सरकार का वर्तमान (2018) वार्षिक शहरी अवसंरचना निवेश 16 बिलियन डॉलर तक पहुंच रहा है.

नगर पालिका को मजबूत बनाने की जरूरत

विश्व बैंक में भारत के कंट्री डायरेक्टर अगस्टे तानो कौमे ने इस गैप को भरने के लिए सुझाव देते हुए कहा कि, 'देश को शहरों का स्मार्ट, समावेशी और टिकाऊ शहरीकरण के लिए बड़ी मात्रा में वित्त पोषण की जरूरत है. शहरों को सक्षम बनाने के लिए शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाना होगा. यूएलबी को इतना मजबूत बनाना होगा कि वो निजी स्रोतों से ज्यादा उधार ले सकें. इससे ही एक बढ़ती शहरी आबादी के जीवन स्तर में सुधार लाने का स्थायी तरीका खोजा जा सकता है.

शहरी एजेंसियों की क्षमताओं का विस्तार की सिफारिश

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को बड़े पैमाने पर चलाने के लिए शहरी एजेंसियों की क्षमताओं का बढ़ाने की सिफारिश की गई है. वर्तमान की बात करें तो देश के 10 सबसे बड़े यूएलबी पिछले तीन वित्तीय वर्षों में अपने कुल पूंजीगत बजट का केवल दो-तिहाई खर्च कर पाए हैं. इसके अलावा स्थानीय निकायों को लेकर किसी भी तरह के ठोस नियम नहीं है जिसके कारण राजस्व संग्रह करने की उनकी अक्षमता के चलते ही अधिक निजी वित्त पोषण नहीं हो पा रहा है.

साल 2011 से लेकर साल 2018 के बीच, निम्न और मध्यम आय वाले देशों के सकल घरेलू उत्पाद के औसत 0.3-0.6 प्रतिशत की तुलना में शहरी संपत्ति कर सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 0.15 प्रतिशत था. नगरपालिका सेवाओं के लिए कम सेवा शुल्क भी उनकी वित्तीय व्यवहार्यता और निजी निवेश के प्रति आकर्षण को कम करता है. मध्यम अवधि में रिपोर्ट, कराधान नीति और राजकोषीय हस्तांतरण प्रणाली सहित संरचनात्मक सुधारों की एक श्रृंखला का सुझाव देती है. इसके जरिये शहरों को ज्यादा निजी वित्त पोषण का लाभ उठाने की अनुमति दी जा सकेगी.

इस खाई को भरने के उपाय

ग्लोबल लीड, सिटी मैनेजमेंट एंड फाइनेंस, वर्ल्ड बैंक और रिपोर्ट के सह-लेखक रोलैंड व्हाइट ने बताया कि, 'केंद्र सरकार निजी वित्त पोषण तक पहुंचने के लिए, शहरों के सामने आने वाली बाजार से जुड़ी दिक्कतों को हटाने में काफी बड़ी भूमिका निभा सकती है. इसी रिपोर्ट में कई उपायों का प्रस्ताव है जो शहर, राज्य और संघीय एजेंसियों द्वारा भविष्य को ध्यान में रख कर उठाए जा सकते हैं. इसके जरिये निजी वाणिज्यिक वित्त भारत की शहरी निवेश चुनौती के समाधान का एक बड़ा हिस्सा बन जाएगा.

भारत में कितने गांव

हमारे देश में गांव की संख्या 628,221 है. वहीं अन्य राज्यों की तुलना में उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा गांव है. इस राज्य में एक लाख 107,753 गांव हैं. वहीं दूसरी तरफ भारत का छेत्रफल के आधार पर सबसे छोटा राज्य गोवा है जिसमें सिर्फ 411 गांव हैं.

बढ़ रही है भारत की जनसंख्या

वहीं दूसरी तरफ विश्व जनसंख्या पर संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार जनसंख्या वृद्धि के लिहाज से भारत चीन को इस साल पछाड़ कर दुनिया में सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश बन जाएगा. वहीं रिपोर्ट में विश्व की आबादी 2080 के आसपास 1040 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान लगाया गया है. भारत की आबादी बात करें तो यहां की आबादी 1 अरब 32 करोड़ 17 लाख 10 हजार है, जो कि दुनियाभर की लगभग 17 .5 प्रतिशत आबादी है. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की आबादी अभी लगभग 1 अरब 30 करोड़ है. साल 1960 में भारत में जन्म दर 5 .91 थी जो अब घटकर 2 .24 हो गई है. अनुमान के मुताबिक भारत साल 2100 तक चीन को पीछे कर दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन जाएगा. हालांकि लैंसेट के शोधकर्ताओं का कहना है कि भारत की जनसंख्या में कमी आएगी और इस सदी के आखिर तक भारत की जनसंख्या एक अरब 10 करोड़ हो जाएगी. सरकार जनसंख्या नियंत्रण में लोगों को सहायता देने के लिए जागरूक कर रही है और इसपर कानून बनाने पर भी विचार कर रही है.

घाटी में आतंकी संगठनों के निशाने पर मीडिया

कश्मीर फाइट ने जारी की हिट लिस्ट

जम्मू, 16 नवंबर (एजेंसियां)। आतंकी संगठनों की ओर से अब प्रेस को भी निशाना बनाने की साजिश रची गई है। आतंकी संगठन कश्मीर फाइट की ओर से कश्मीर के पत्रकारों की हिट लिस्ट जारी की गई है। इन्हें अंजाम भुगतने की चेतावनी दी गई है। राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस की पूर्व संध्या पर मीडिया संगठनों ने इस प्रकार की साजिश को प्रेस पर हमला और इसे काला दिवस बताया है।

आतंकी संगठन कश्मीर फाइट की ओर से सोशल मीडिया पर मंगलवार को दर्जनभर पत्रकारों की हिट लिस्ट जारी की गई। इसमें पत्रकारों के नाम के आगे यह बताया गया कि उन्हें धमकी क्यों दी जा रही है। बताया जाता है कि आतंकियों की धमकी से डरे सहमे पत्रकारों में से कुछ ने फेसबुक पर अपना इस्तीफा जारी किया है तो कुछ जम्मू चले आए हैं। धमकी के बाद कश्मीर में पत्रकारों के बीच खौफ का माहौल है।

अब वे घर से बाहर निकलने में डर रहे हैं। कई ने तो काम पर जाने से मना कर दिया है। इससे पूरे मीडिया जगत में दहशत है। श्रीनगर की प्रेस कॉलोनी में भी सामान्य दिनों की तुलना में कम ही पत्रकार नजर आए। शाम को भी दफ्तर से घर जाने की उनमें जल्दी रही। जम्मू और श्रीनगर में पत्रकारों की ओर से इस प्रकार की धमकी की निंदा की जा रही है। उनका कहना है कि इस प्रकार की धमकियां तो प्रेस की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है। पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि किसी प्रकार की कोई अनहोनी न हो।

जीडीपी दोगुनी करने के लिए कंसलटेंट की तलाश

चयनित कंपनी को बताना होगा राजस्व बढ़ाने का मंत्र

देहरादून, 16 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को अगले पांच साल में दोगुना करने के लिए राज्य सरकार ने कंसलटेंट की तलाश शुरू कर दी है। राज्य को कंसलटेंसी देने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की चार कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई है। इन चारों कंपनियों के प्रतिनिधियों ने मुख्य सचिव डॉ. एसएस संधु के समक्ष प्रस्तुतिकरण दिया। राज्य सचिवालय में प्रस्तुतिकरण का यह सिलसिला करीब चार घंटे चला। मुख्य सचिव के अलावा सचिव नियोजन आर मीनाक्षी सुंदरम, सचिव पर्यटन सचिन कुर्वे, निदेशक उद्योग रोहित मीणा समेत नियोजन विभाग के कई अधिकारी मौजूद थे।

इन कंपनियों ने दिया प्रस्तुतिकरण

मेकेंजी ग्लोबल, बोस्टन कंसलटेंसी, कंसलटेंसी ईस्ट एंड यंग और डिलाइट कंपनी की ओर से प्रस्तुतिकरण दिए गए। डिलाइट कंपनी का चयन उत्तर प्रदेश सरकार ने कंसलटेंसी के लिए किया है।

राजस्व बढ़ाने का मंत्र बताना है

कंसलटेंसी के लिए जिस कंपनी का चयन होगा, वह सरकार को राजस्व बढ़ोतरी का मंत्र बताएगी। वह राज्य के विकास के रोडमैप को धरातल पर उतारने के बारे में कार्ययोजना सुझाएगी।

तकनीकी और वित्तीय निविदा के बाद होगा चयन

कंपनी चयन की प्रक्रिया के कई चरण हैं। पहले चरण में प्रस्तुतिकरण के बाद अब तकनीकी और वित्तीय निविदाएं होनी है। सचिव नियोजन आर मीनाक्षी सुंदरम के मुताबिक, इस प्रक्रिया में अभी कुछ और समय लगेगा।

भारत में एक बार फिर हिली धरती, अब अरुणाचल प्रदेश में आया भूकंप

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में एक बार फिर धरती डोली है. बीते दिनों दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई इलाकों को सहमा कर रखने वाले भूकंप ने इस बार अरुणाचल प्रदेश में लोगों को झटका दिया है. नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, आज सुबह 9 बजकर 55 मिनट पर अरुणाचल प्रदेश के लेपा राडा जिले में स्थित बसर इलाके में भूकंप के झटके महसूस किए गए. बताया गया कि रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 3.7 रही और इस भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर भीतर की गहराई पर बसर से दक्षिण पूर्व दिशा में था. फिलहाल, इस भूकंप में किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है. हालांकि, लोगों ने इस भूकंप के झटके को अच्छे से महसूस किया और घरों में चीजों को हिलते हुए जरूर देखा. बता दें कि इससे पहले नेपाल में शनिवार को 5.4 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसकी वजह से इसके झटके दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) से लेकर उत्तराखंड तक महसूस किए गये. यह भूकंप उत्तराखंड के पिथौरागढ़ से 101 किलोमीटर पूर्व -दक्षिण-पूर्व में में आया था.

नेपाल के राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं शोध केंद्र के मुताबिक, भूकंप 29.28 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 81.20 डिग्री पूर्वी देशांतर में बझांग जिले के पतादेवल में 10 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था. यह नेपाल में एक सप्ताह में तीसरा भूकंप है और इसका असर बिहार समेत भारत के कई हिस्सों में बार-बार महसूस किया गया.

शिवराज ने लागू किए पेसा नियम

आदिवासियों के लिए बना नया कानून क्यों पसंद नहीं आया कमलनाथ को

भोपाल, 16 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश सरकार ने बिरसा मुंडा की जयंती पर प्रदेश के 89 आदिवासी ब्लॉक्स में पेसा कानून लागू कर दिया है। इस पर सियासत भी तेज हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने राज्य सरकार के पेसा कानून को आदिवासी विरोधी बता दिया है। उन्होंने कानून के तहत बने नए नियमों की विसंगतियां भी गिनाई है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मंगलवार को कहा कि मध्यप्रदेश की शिवराज सिंह चौहान सरकार आदिवासियों के लिए पेसा कानून लागू करने के नाम पर आदिवासीहितैषी होने का ढोंग कर रही है। केंद्र सरकार ने 1996 में पेसा कानून बनाया था, लेकिन भाजपा सरकार की आदिवासी विरोधी मानसिकता के कारण पिछले 26 साल से यह कानून प्रदेश में लागू नहीं हो सका। अब जब प्रदेश सरकार ने यह कानून लागू किया है तो उसके नियम इस तरह से बनाए हैं कि आदिवासियों को कोई फायदा नहीं मिलने वाला।

2003 से क्यों रोके रखे नियम

कमलनाथ ने कहा कि जब 1996 में केंद्र सरकार ने यह कानून बनाया था तब प्रदेश की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने इसे लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी और आवश्यक विधायी कार्य किए जा रहे थे। लेकिन 2003 में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद से पेसा कानून को लागू न करने का षड्यंत्र किया गया। प्रश्न यह है कि किसको समर्थ बनाने के लिए यह कार्य हो रहा है? आदिवासी समुदाय को या नौकरशाही को? आदिवासी हाथ जोड़े खड़ा हो तो क्या यह पेसा कानून की मूल भावना के प्रतिकूल होकर सरकार की नियत को आदिवासी विरोधी प्रमाणित नहीं करता?

नए नियम स्वशासन की स्थापना की मंशा के विपरीत

कमलनाथ ने कहा कि आदिवासी समाज को सशक्त बनाने का प्रावधान ऐसा होना चाहिए था कि वन विभाग का कर्मचारी आदिवासी ग्राम सभा से अनुमति लेता, यदि उसे तेंदूपत्ते का संग्रहण और विपणन करना हो। प्रावधान तो यह होना चाहिये था कि वन विभाग को आदिवासी ग्रामसभा से अनुमति लेनी पड़ेगी, तभी आदिवासी सशक्तिकरण होता। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा लागू किए जा रहे पेसा नियम आदिवासी क्षेत्रों में उनकी सामाजिक, संस्कृति और जीवन शैली के अनुकूल स्वशासन की स्थापना करने की निहित मंशा को समाप्त करते हैं। कमलनाथ ने कहा कि इन नियमों को निर्मित करने के पूर्व आदिवासी समाज से गहन विचार विमर्श, सुझाव लेना, सर्व दलों की बैठक करना था। सरकार को आदिवासी समाज के प्रति सोच और गंभीरता को प्रकट करना है।

अन्य कानूनों में भी करना होगा संशोधन

कमलनाथ ने कहा कि भाजपा सरकार यदि महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज और राजीव गांधी जी की पंचायत राज की मंशा के अनुरूप आदिवासी समाज की भावनाओं के अनुकूल धरातल पर स्थापित करना चाहती तो वन अधिकार कानून, साहूकारी कानून, भू-अर्जन कानून, पंचायत कानून, भूराजस्व संहिता और अन्य सुसंगत कानूनों की समग्रता में समीक्षा और निर्वचन कर संविधान और पेसा कानून के आलोक में नियमों को बनाती। भारतीय जनता पार्टी को आदिवासी समुदाय के साथ छल करने की मानसिकता छोड़ देनी चाहिए और इमानदारी से आदिवासी समुदाय का सम्मान और कल्याण करना चाहिए।

भगवंत मान सरकार का बड़ा फैसला

500 और आम आदमी क्लीनिक खुलेंगे 26 जनवरी को मिलेगी सौगात

चंडीगढ़, 16 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब की भगवंत मान सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। अब प्रदेश में 500 और नए आम आदमी क्लीनिक खुलेंगे। सरकार 26 जनवरी को इन्हें प्रदेश की जनता को समर्पित करेगी। इससे पहले सीएम भगवंत मान ने 15 अगस्त को 100 आम आदमी क्लीनिक की शुरुआत की थी। आम आदमी क्लीनिकों में बीते चार महीनों के दौरान पांच लाख से अधिक लोग पहुंचे हैं। पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने बताया कि राज्य भर में आम आदमी क्लीनिकों को आम लोगों का भरपूर समर्थन मिला है और क्लीनिकों पर रोजाना आने वाले मरीजों की संख्या आठ हजार से पार हो गई है। जौड़ामाजरा ने बताया कि सभी जिले में आम लोग इलाज कराने आम आदमी क्लीनिकों में पहुंच रहे हैं। अब तक 5,35,487 आम लोग क्लीनिकों पर अपना उपचार और 69,870 लोग अलग-अलग टेस्ट करवा चुके हैं। सबसे अधिक मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में मोहाली सबसे आगे है। आंकड़ों के अनुसार 14 नवंबर तक मोहाली में 80,406 मरीजों का इलाज किया जा चुका है और 11,045 टेस्ट किए जा चुके हैं, जबकि जिला लुधियाना 65,861 मरीजों के उपचार और 5,603 क्लीनिकल टेस्टों के साथ दूसरे स्थान पर है। इसी तरह जिला बठिंडा 44,223 मरीजों और 5,922 क्लीनिकल टेस्टों के साथ तीसरे स्थान पर है। जौड़ामाजरा ने बताया कि इन क्लीनिकों में 90 प्रतिशत मरीजों को इलाज की सुविधा मिल रही है। यही वजह है कि सरकारी अस्पतालों में ओपीडी मरीजों की संख्या घट गई है।

दुष्कर्म के आरोपी का शव फंदे पर लटका मिला

सोनीपत (हरियाणा), 16 नवंबर (एजेंसियां)। सोनीपत के एक गांव के एक खेत में युवक का शव फंदे पर लटका मिला है। युवक के खिलाफ रात को ही पुलिस ने दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज किया था। युवक के खिलाफ शहर में अपने पति संग रह रही उनके ही गांव की एक बहू ने दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस महिला के बयान दर्ज कराने के लिए, कागजी कार्रवाई कर रही तभी आरोपी का शव मुरथल थाना क्षेत्र में फंदे पर लटका मिलने की जानकारी मिली। मुरथल थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने एफएसएल की टीम को बुलाकर भी सबूत जुटाए हैं। युवक के पास से मिले सुसाइड नोट में उसने अपनी मर्जी से आत्महत्या करने व दुष्कर्म पीड़िता का मामले में दोष नहीं होने की बात लिखी है।

गुजरात चुनाव में हरियाणा कांग्रेस के नेताओं को झटका

स्टार प्रचारकों में पूर्व सीएम हुड्डा का नाम; सुरजेवाला, शैलजा-किरण चौधरी को जगह नहीं

चंडीगढ़, 16 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा चुनाव में प्रचार के स्टार प्रचारकों की लिस्ट से हरियाणा के दिग्गज कांग्रेस नेताओं को झटका लगा है। कांग्रेस ने सिर्फ पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा को जगह दी है। उनके विरोधी गुट के कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला और किरण चौधरी को इस सूची में जगह नहीं दी गई। इसको लेकर ज्यादा चर्चा इसलिए है क्योंकि सुरजेवाला और सैलजा को हाल ही में कांग्रेस स्टीयरिंग कमेटी का मेंबर बनाया गया था। मल्लिकार्जुन खड़गे के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने के बाद कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की जगह 47 मेंबरों की यह पावरफुल कमेटी बनाई गई है। इस वजह से पार्टी में चर्चाएं तेज हो गई हैं कि हुड्डा एक बार फिर अपने विरोधियों पर भारी पड़े हैं।

वीरेंद्र राठौर का भी नाम

ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) में सचिव और हरियाणा के कांग्रेस नेता वीरेंद्र सिंह राठौर का भी नाम लिस्ट में है। राठौर अभी गुजरात सूबे के सह प्रभारी का दायित्व देख रहे हैं। राठौर करनाल जिले के रहने वाले हैं। यहां से वह विधानसभा चुनाव भी लड़ते रहे हैं, लेकिन दो चुनावों से उन्हें जीत नहीं मिल पाई है।

स्टीयरिंग कमेटी में लग चुका झटका

पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा को कांग्रेस की स्टीयरिंग कमेटी में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे झटका दे चुके हैं। इस कमेटी को पार्टी की सीडब्ल्यूसी कमेटी को भंग कर बनाया गया है। इस कमेटी में हरियाणा से राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला और कुमारी शैलजा को मेंबर बनाया गया है। हालांकि इस पर हुड्डा सफाई दे चुके हैं कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का नाम भी कमेटी में नहीं है।

हरियाणा कांग्रेस में 4 गुट, अभी हुड्डा भारी

हरियाणा कांग्रेस में इस वक्त 4 गुट बने हुए हैं। जिनमें कुमारी सैलजा,, किरण चौधरी, रणदीप सुरजेवाला और भूपेंद्र हुड्डा शामिल हैं। फिलहाल हरियाणा में नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र हुड्डा का दबदबा है। उनकी पसंद से ही उदयभान को हरियाणा कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया है। संगठन से जुड़े सारे फैसले हुड्डा की मर्जी से ही हो रहे हैं।

आदमपुर हार के बाद तेज हुई कलह

आदमपुर उपचुनाव में कांग्रेस की हार के बाद कांग्रेस में घमासान मचा हुआ है। आदमपुर में सिर्फ हुड्डा और उनके सांसद बेटे दीपेंद्र हुड्डा ही प्रचार के लिए पहुंचे। वहीं हार पर कुमारी सैलजा ने कहा कि हुड्डा को तीसरी बार कांग्रेस प्रमोट करने की वजह से चुनाव हारे। वहीं किरण चौधरी ने भी बिना नाम लिए हुड्डा ग्रुप पर जमकर निशाने साधे। रणदीप सुरजेवाला चुनाव को लेकर दूर रहे। वह कुछ दिन पहले रोहतक जरूर आए, लेकिन उन्होंने आदमपुर हार पर ज्यादा प्रतिक्रिया नहीं दी।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 17 नवंबर, 2022

प्रेम कहानी का दर्दनाक अंत

मुंबई में जवान युवक और युवती के बीच डेटिंग एप के जरिए दोस्ती हुई। यह दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। प्यार में पागल युवक और युवती ने मुंबई छोड़ दिया। दिल्ली आए, दोनों के बीच झगड़ा हुआ और फिर अफेयर की कहानी का दर्दननाक अंत भी हो गया। कातिल प्रेमी आफताब अमीन पूनावाला(28) ने लिव-इन पार्टनर श्रद्धा वाकर(26) की बेरहमी से हत्या की, फिर उसकी लाश के टुकड़े करने की सनसीखेज घटना ने सबको झकझोर दिया। आरोपी ने विदेशी क्राइम सीरियल डेक्सटर देखकर लाश के टुकड़े किए और उन्हें रात में ठिकाने भी लगाया। आरोपी ने बाथरूम में टुकड़े करने के बाद उन्हें धोकर पॉलिथीन में पैक किया और फ्रीज में रखा। 22 दिन तक रोजाना वह पिट्ठू बैग में एक टुकड़े को रखता था और जंगल में फेंक कर आता था। महरौली पुलिस ने करीब छह महीने बाद आरोपी युवक को गिरफ्तार कर हत्याकांड का सनसनीखेज खुलासा किया।

आरोपी आफताब को पता था कि शव को घर में रखने से बदबू आएगी। इस कारण वह घर में हमेशा अगरबत्ती जलाकर रखता था। इसके अलावा उसे रूम फ्रेशनर भी इस्तेमाल करता था। इस तरह उसने करीब 22 दिन में काफी रूम फ्रेशनर खाली कर दिए थे। पुलिस को अभी तक उस हथियार को बरामद नहीं कर पाई है जिससे उसने श्रद्धा के शव के टुकड़े किए थे। वहीं, श्रद्धा का मोबाइल फोन भी अभी तक नहीं मिला है। 18 मई को श्रद्धा और आफताब के बीच झगड़ा हुआ। विवाद के दौरान आफताब ने एक हाथ से श्रद्धा का मुंह दबाया। जब श्रद्धा चिल्लाने लगी तो आरोपी ने दूसरे हाथ से उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने शव को बाथरूम में रखा। 19 मई को उसने श्रद्धा के शव के टुकड़े करने शुरू किए। उसने सबसे पहले उसके हाथ व पैर काटे। इसके बाद वह दो दिन तक शव के टुकड़े करता रहा। टुकड़े को धोता और पोछकर बोरिक पाउडर लगाता। इसके बाद वह पॉलिथीन में पैककर फ्रीज में रख देता।

आफताब ने श्रद्धा की हत्या के बाद खून साफ करने का तरीका जानने के लिए गूगल किया था। पुलिस ने दावा किया है कि आफताब ने मानव शरीर की संरचना के बारे में भी वहां से जानकारी जुटाई थी। आफताब ने पुलिस को बताया कि उसने मानव शरीर की रचना के बारे में पढ़ा था ताकि शरीर को काटने में मदद मिल सके। पुलिस ने कहा कि उन्होंने आफताब के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स को जब्त कर लिया है और इसकी पूरी तरह से जांच की जाएगी।

दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने खुलासा किया कि सनसनीखेज श्रद्धा हत्याकांड में आरोपी आफताब अमीन पूनावाला ने कत्ल करने से पहले 'डेक्सटर' सहित कई क्राइम वेब सीरीज और फिल्में देखी थीं। आरोपी आफताब ने श्रद्धा के शव के 35 टुकड़े कर आफताब ने उन्हें अलग-अलग जगह पर जंगल में फेंक दिया।

19 मई को उसने श्रद्धा के शव के टुकड़े करने शुरू किए। उसने सबसे पहले उसके हाथ व पैर काटे। इसके बाद वह दो दिन तक शव के टुकड़े करता रहा। टुकड़े को धोता और पोछकर बोरिक पाउडर लगाता। इसके बाद वह पॉलिथीन में पैककर फ्रीज में रख देता। वह शव के एक टुकड़े की पॉलिथीन को पिट्ठू बैग में रखता और रात दो बजे महरौली के जंगल में फेंक कर आ जाता। वह जंगल में शव के टुकड़ों को अलग-अलग जगहों पर फेंकता था। कई बार लोगों ने रात में जंगल में आने का उससे कारण पूछा तो वह कहता था कि वह शौच करने आया है। इस तरह वह 22 दिनों तक शव के टुकड़ों को जंगल में फेंकता रहा।

आरोपी फ्रिज के साइड वाले गेट पर खाने-पीने का सामान रखता था। जबकि उसके अंदर उसने शव के टुकड़े रखे हुए थे। फ्रिज में कोल्ड ड्रिंक, पानी, बटर, पेप्सी व दूध आदि सामान रखा हुआ था। आरोपी फ्रीज से हर रोज फ्रीज से खाने-पीने का सामान निकालता था। हालांकि वह खाने का सामान ऑनलाइन मंगाता रहा। सूत्रों के अनुसार, आफताब रोज उसी कमरे में सोता था, जहां उसने श्रद्धा की हत्या कर शव को काटा था। फ्रिज में रखने के बाद वह उसका चेहरा देखता था। आफताब ने पुलिस को बताया कि वह रोज फ्रिज खोलकर श्रद्धा के चेहरे को घंटों घूरता रहता था। इतना ही नहीं उसने श्रद्धा की पहचान मिटाने के लिए हाथों की कलाइयां, अंगुलियां समेत कई हिस्सों को ब्लोअर से जला दिया था। इसके लिए वह महरौली बाजार से ब्लोअर खरीद लाया था आफताब ने शरीर के अंगों को ठिकाने लगाने के बाद फ्रिज की सफाई की थी।

दक्षिण जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आफताब ने पूछताछ में खुलासा किया है कि श्रद्धा के बारे में कोई संदेह न हो, इसके लिए वह दस दिन तक उसका इंस्टाग्राम चलाता रहा। अगर मृतका का कोई दोस्त उसे मैसेज भेजता था तो वह उसका जवाब भी देता था। 10 जून के बाद उसने मृतका का इंस्टाग्राम व मोबाइल बंद कर दिया था। इसके बाद श्रद्धा के दोस्तों को उसकी चिंता सताने लगी थी।

आफताब दूसरे समुदाय से ताल्लुक रखता है। इस कारण मृतका के परिजनों ने शादी करने की अनुमति नहीं दी थी। इस कारण दोनों ही मुंबई में सहमति संबंधों में रहने लगे थे। ये भी आरोप है कि आरोपी श्रद्धा के साथ मारपीट करता था।

एक बार विकास वाकर श्रद्धा को लेने दिल्ली आए थे। मगर आरोपी ने माफी मांग ली थी और वह आफताब के पास ही रुक गई थी। मृतका अपने दोस्त लक्ष्मण के संपर्क में थी। वह ही उसके बारे में उसके माता-पिता को जानकारी देता था। श्रद्धा मलाड़, मुंबई में रहती थी और आफताब भी मुंबई का रहने वाला है।

दोनों की बोंबल डेटिंग एप के जरिए दोस्ती हुई थी। जल्द ही दोनों में प्यार हो गया और मुंबई में सहमति संबंधों में रहने लगे। कुछ समय बाद ही इनमें झगड़ा हो गया। ये एक-दूसरे पर संदेह करते थे। इस कारण इनमें झगड़ा होता रहता था।

पुलिस को जांच में पता लगा है कि आफताब के फ्लैट में एक और लड़की आती-जाती थी। दूसरी लड़की ने श्रद्धा की मौत के बाद आफताब के पास आना शुरू किया था। मगर आरोपी ने दूसरी लड़की को श्रद्धा के शव के टुकड़े फ्रिज में रखे होने का पता नहीं लगने दिया था। जब उसने शव के टुकड़े ठिकाने लगा दिए तो फ्लैट बदल लिया था।

आबादी का बढ़ता बोझ

15 नवंबर को धरती की आबादी आठ अरब को पार कर गई। इस लिहाज़ देखा जाए तो यह चिंता की नहीं चिंतन की बात जरूर है बीते कुछ दशकों में जब आबादी बहुत तेजी से बढ़ने लगी तो इस पर चिंता जताई जाने लगी। जनसंख्या नियंत्रण के उपायों पर चर्चा करने में ही दशकों बीत गए। अब जब धरती पर जनसंख्या बढ़ कर आठ अरब के पार पहुंच गई है तो नए आंकड़े पर सोच-विचार की जरूरत महसूस की जाने लगी है। इसके बावजूद गौर करने की बात यह है कि पिछले कुछ दशकों में दुनिया में जन्मदर कम होने की भी खबर है, जो एक शुभ संकेत माना जा सकता है। जनसांख्यिकीय विश्लेषण से पता चला है कि सन 1950 के बाद इस समय जन्मदर अपने सबसे कम स्तर पर है। यानी बीते कुछ दशकों में जनसंख्या नियंत्रण के उपायों के कारगर रहने पर संतोष किया जा सकता है। ऐसे में सवाल लाजिमी है कि फिर उम्मीद से ज्यादा आबादी कैसे बढ़ रही है। इसका जवाब यही है कि दुनियाभर की सरकारों के अच्छे कामों से नागरिकों के जीने की औसत उम्र बढ़ गई है। जनसंख्या बढ़ोतरी का कारण अगर स्वास्थ्य सेवाओं का बढ़ना और जीवन स्तर बेहतर हो जाना है तो फिर किस आधार पर आबादी के नए आंकड़े पर अफसोस जता सकते हैं? इस बात को भी नजरंदाज नहीं कर सकते कि कई देशों की सरकारें अपने नागरिकों की न्यूनतम जरूरतों को पूरा करने में कठिनाई महसूस कर रही हैं। पानी और भोजन की कमी का रोना तो अधिकांश देशों में है। इसके अलावा बढ़ते वाहनों से पैदा होने वाला प्रदूषण भी इस तरह की समस्याओं के लिए सबसे आसान तर्क है। आज जब विश्व में जन्मदर का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है तो अब समस्याओं के समाधान के लिए दूसरा और कौन सा तरीका हो सकता है? आज विकास विशेषज्ञों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वे अपनी न्यूनतम आकार की आबादी की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए विकास का नया माडल तलाश करें। कुछ विद्वानों को लगता है कि जनसंख्या घटोतरी के लिए जन्मदर को और नीचे लाया जाए, लेकिन देखा जा रहा है कि कई देशों में विकास का चक्का घुमाने वाले युवकों की आबादी कम हो रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि एक स्तर से ज्यादा जन्मदर घटाई गई तो अच्छा नहीं होगा। इसका नतीजा यह होगा कि भविष्य में युवा कम पड़ने लगेंगे। तब जररूत के लिए युवा शक्ति कहां से लाएंगे। इसलिए यह इतना आसान नहीं है जितना समझा जा रहा है। जहां तक सिर्फ अपने देश की बात है तो बढ़ती जनसंख्या के रुख में यह भी बताया गया है कि भारत की आबादी दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाले चीन से भी ज्यादा होने वाली है। यह बात चैंकाने वाली इसलिए है कि यह अनुमान नहीं लगाया गया था कि ऐसी स्थिति इतनी जल्द आ जाएगी। हालांकि भारत जन्मदर को काबू करने का दावा कर रहा है। साथ ही जीने की औसत उम्र भी बढ़ने लगी है। बेशक पृथ्वी पर इच्छाओं की पूर्ति के लिए संसाधन कम हैं, लेकिन मानव की बुनियादी जरूरतों के लिए संसाधन की कमी नहीं है। प्रकृति की देन से हमारे पास पर्याप्त जल और वायु है। उचित प्रबंधन से हम उसे उपयोग के लायक बना लेंगे तो किसी भी चीज की कमी नहीं होगी। पर्याप्त अनाज उत्पादन की सामर्थ्य भी है। हम मौजूदा प्रौद्योगिकी के सहारे ही दशकों तक भोजन के लिए निश्चिंत रह सकते हैं। इसलिए वर्तमान का पश्चाताप नहीं तो भविष्य के लिए चिंतित भी नहीं होना चाहिए

हरते हरते हर गए

डॉ. सुरेश कुमार

अपने भविष्य की चिंता में शीशे के बाहर पसरा अंधियारे भरे धुंध के बीच किसी साइकिल सवार को देख भजनखबरी को अपनी साइकिल याद आ गयी। साइकिल से उसका बहुत पुराना याराना है। उसके याराने की निशानी घुटनों और कलाई पर साफ देखी जा सकती है। गाँव के नाले, खड़्ढे और और सड़क के नाम पर शापग्रस्त राक्षस के खुरदरे चेहरे वाले मार्ग पर कइयों बार हाथ-पैर तुड़वाकर उससे बहुत चिढ़ने वाली साइकिल को बड़ी मुश्किल प्रपोज किया था। प्रपोज करने से लेकर उसे पटाने तक कई बार पढ़ाई की बलि चढ़ा दी। कभी पेट का दर्द, कभी सिर का दर्द, कभी इधर का दर्द कभी उधर का दर्द कहकर उस पर सवार होने का हर उपाय आजमा डाला। एक बार जो साइकिल चढ़ जाता तो मानो सारी दुनिया उसे छोटी लगने लगती। ऐसा लगता कि वह साइकिल पर नहीं हवाई जहाज पर सवार हो। गाँव के लोग उसकी ओर ठुड्डी के नीचे हाथ लगाए ऐसा देखता मानो उसने कोई बड़ा काम कर दिया हो। वह अपने लोहे के घोड़े पर सवार होने का कोई मौका नहीं गंवाता। बनिए की दुकान से सामान लाना हो, किसी दोस्त के पास जाना हो, फिर किसी को चिढ़ाना या मारना-पीटना हो, या फिर किसी लड़की को लाइन मारना हो, सबके लिए, एक ही उपाय था -साइकिल, साइकिल, साइकिल। खुद नहाए न नहाए लेकिन साइकिल को जरूर नहलाता था। एक बार नहीं, कई बार। इस चक्कर में लोहा जंग खाकर गलने लगा। बहुत ज्यादा ऑयल-ग्रीस की लीपापोती करने से साइकिल की चैन ऐसे उतरती जैसे बारिश में भीगे हुए की छींक वह इसके दाना-पानी के चक्कर में अपना दाना-पानी ही भूल जाता। उसे अच्छी तरह याद है बचपन में नई चमचमाती अटलस साइकिल को बड़ी हसरत से देखा करता था। तब साइकिल के लिए दिन न इधर के थे न उधर के। । पर समय तो बेवफाओं की तरह हमेशा बदलता रहता है। आज वह भगवान की कृपा से मर्सिडीज पर सवारी कर रहा है। शहरों को तो छोड़िये, कस्बों और गावों तक की सड़कों से साइकिल धूम मचाले बाइकों को देखकर ऐसे गायब हुए जैसे चुनावों के बाद नेता। गावों में भी अब मोटरसाइकिल ज्यादा हैं साइकिल कम। शोर-शराबा ज्यादा शांति कम। बाइकों की अफरा-तफरी चाल के आगे साइकिल मदमस्त चाल आज आई.सी.यू. में पड़ी हुई है। एक जमाना था साइकलि चलाते सेहत बनाते थे और अब दुपहिया-चौपहिया चलाते हैं सिर्फ पेट बढ़ाते हैं। साथ ही हरियाली की बदहाली गाँव-शहर की प्रगति की शोभा हो गई। अब न वो पिता मिलेंगे जो साइकिल पर चढ़ाए बर्फ के लाल-पीले गोले खिलाने बाजार ले जाते थे। अब तो बाइकों पर सवार होकर प्रदूषित आबोहवा में दो पावो के बीच दबे संस्कारहीनता का स्टफ कड़े चाव से खाते हैं। भारत से इंडिया बनने का यह सफर संस्कारहीनता का 'सिफर' है।

महिला अपराध और पुलिस जाँच

रजनीश कपूर

2012 के छावला बलात्कार और हत्या मामले के सभी आरोपियों को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गत 7 नवम्बर को रिहा कर दिया गया। हैरानी की बात है कि इस जघन्य अपराध में कोई दोषी नहीं पाया गया। कोर्ट ने अपने आदेश में जो कहा, उससे यही पता चलता है कि पुलिस की जांच और निचली अदालत की सुनवाई में कई जगह कमियाँ थीं। ज़ाहिर सी बात है कि इस फ़ैसले से न सिर्फ़ पीड़िता का परिवार बल्कि पूरा देश हैरान है। रेप और हत्या की जाँच कर रही पुलिस भी सवालों के घेरे में है। अगर बलात्कार और हत्या हुई है तो कोई न कोई दोषी तो होगा ही? अगर इन तीन आरोपियों को सुबूतों के अभाव में छोड़ दिया गया है तो असली अपराधी कौन है? वो आज भी बेख़ौफ़ क्यों घूम रहा है? यदि ये तीनों बेक़सूर थे तो इतने सालों तक सलाख़ों के पीछे किस आधार पर थे? यदि पुलिस की प्राथमिक जाँच सही नहीं थी तो निचली अदालत ने इन तीन आरोपियों को किस आधार पर फाँसी की सज़ा सुनाई? निचली अदालत ने पुलिस जाँच में हुई ग़लतियों को नज़रअन्दाज़ क्यों किया? निचली अदालत के फ़ैसले पर हाई कोर्ट ने मुहर क्यों लगाई?

दस साल पहले हुए इस अपराध के जाँच अधिकारियों को इस चर्चित मामले में 'मुस्तैदी' से जाँच के आधार पर किसी न किसी तरह का इनाम ज़रूर मिला होगा। उन सभी अधिकारियों में से कुछ सेवानिवृत भी हो चुके होंगे। ऐसे में उनके ख़िलाफ़ क्या कार्यवाही की जाएगी? अभियोजन पक्ष की ओर से अदालतों में पेश हुए वकीलों के प्रति सरकार का क्या रवैया रहेगा? क्या उन 'अनुभवी' वकीलों के ख़िलाफ़ भी कोई कार्यवाही की जाएगी? ये सभी सवाल हमारी मौजूदा जाँच व्यवस्था को शक के दायरे में लाते हैं। मामला दस साल पुराने छावला रेप और हत्या का हो। बिल्किस बानो का हो। प्रियदर्शनी मट्टू का हो। दहेज उत्पीड़न के कारण बेटियों की रहस्यमयिक मृत्यु का हो। महिलाओं के ख़िलाफ़ हुए इन अपराधों में पुलिस की

प्राथमिक जाँच अपराध के जड़ तक पहुँचने की अहम कड़ी होती है। प्राथमिक जाँच ही अपराधी को उसके सही

अंजाम तक पहुँचा सकती है। ज़रा सी कोताही केस को ग़लत दिशा में मोड़ सकती है। ये बात केवल महिला अपराधों पर लागू नहीं होती। परंतु प्रायः ऐसा देखा गया है कि पुलिस अधिकारी किन्ही कारणों से जब संगीन अपरोधों की जाँच को पूरी क्षमता से नहीं कर पाते तो उन्हें अदालत की लताड़ झेलनी पड़ती है। जाँच में कोताही के

कारण ही असल अपराधी छूट जाते हैं।

मेरठ की स्निग्धा मल्होत्रा की गत 23 अक्तूबर को मृत्यु हुई थी। मृत्यु का कारण स्निग्धा द्वारा मरी हुई बच्ची के कारण

हुए इंफ़ेक्शन को बताया जा रहा है। स्निग्धा के परिवार वालों के द्वारा ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है। ससुराल वालों पर आरोप है कि स्निग्धा के गर्भ में पल रही सात महीने की बच्ची का गर्भपात कराया गया। स्निग्धा के मायके वालों की माँग पर मृत शिशु का पोस्टमार्टम करवाया गया।

इस मामले ने तूल तब पकड़ा जब मेरठ निवासियों स्निग्धा को न्याय दिलाने के लिए प्रदर्शन किए। फ़िलहाल पुलिस इस मामले में जाँच कर रही है परंतु आरोपियों के ख़िलाफ़ कोई कार्यवाही नहीं हुई। शायद इस घटना के आरोपी भी रसूख़ वाले हैं। लेकिन कोई कितना भी रसूखदार क्यों न हों कानून के शासन का एक मूल सिद्धांत है, 'कि आप कितने ऊंचे क्यों न हों कानून आपसे ऊपर है।' इस मामले की जाँच कर रहे पुलिस अधिकारियों को इस बात को ध्यान में रखते हुए जाँच को सही दिशा में करना चाहिए।

2018 में थॉमसन-रॉयटर्स फ़ाउंडेशन द्वारा एक सर्वे के मुताबिक़ भारत महिला अपरोधों के मामले में सबसे पहले स्थान पर आता है। सरकारी आँकड़ों के अनुसार साल 2007 और 2016 के बीच महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा व अपराधों के मामलों में 83% की बढ़ोतरी हुई है। दुनिया भर में ऐसे कई देश हैं जहां महिलाओं के ख़िलाफ़ अपराधों के लिये बहुत कड़ी सज़ाएँ हैं। मुस्लिम देशों में हाथ काटने से लेकर सिर कलम करने की सज़ा के प्रावधान भी हैं। भारत के मुक़ाबले और देशों में महिला अपराध पर बहुत जल्द और कड़ी कार्यवाही होती है। हमारे देश के क़ानून कब और कितने सख़्त होंगे ये तो आने वाला समय ही बताएगा। परंतु ऐसे सर्वे में अगर देवियों को पूजने वाला भारत अव्वल नंबर पर आता है तो यह हमारे लिये शर्म की बात है। महिला सुरक्षा और विकास को लेकर सरकार द्वारा 'बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ' जैसे लुभावने नारे तो ज़रूर दिये जाते हैं परंतु ये कितने व्यावहारिक साबित होते हैं इसका पता तब चलता है जब मामले में पीड़ित को न्याय मिलता है या नहीं मिलता। दिल्ली के निर्भया कांड में जिस तरह देश भर में तूफ़ान मचा और फिर कड़े क़ानून बने उससे समाज में कुछ उम्मीद जागी थी। परंतु जिस तरह बिल्किस बानो या छावला रेप के आरोपियों को जाँच की कमियों के चलते छोड़ दिया गया उससे ऐसे नारों पर भी संदेह होता है। सरकार चाहे किसी भी दल की हो नारे केवल चुनाव के दौरान वोट बटोरने के लिए ही होते हैं। नारों को अमल में लाने के लिए सरकारी तंत्र को सही दिशा में चलना होगा और कड़े कदम भी उठाने होंगे।

मरने में मजा नहीं आ रहा साहब

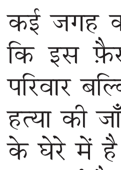

रेखा शाह

मुझे अपने देश से बेहद लगाव है यहां की मिट्टी, पानी, हवा यहां के लोग ,जानवर ,परिंदे यहां तक कि जमीन पर चलते हुए छोटे-छोटे कीड़ों से भी अपनापन का भाव आता है ,आखिर यह भाव क्यों ना हो हम सब इस मिट्टी में सांस लेते हैं जन्म लेते हैं और इसी मिट्टी में मिल कर एक दिन बीता हुआ समय बन जाते हैं, कूनो नेशनल पार्क भी अपना ही लगता है लेकिन साहब द्वारा छोड़े गए चीतो से जरा भी अपनेपन की फीलिंग नहीं आ रही है जब टीवी पर पत्रकार उछल उछल कर और कूद कूद कर बता रहे थे कि आज चीतो ने पहला शिकार किया चीतल का तो मुझे बहुत बुरा लग रहा था , एकदम गैरों के द्वारा लूट गए जैसी फीलिंग आ रही थी लुट जाने और मर जाने का दर्द तो होता है लेकिन गैरों के हाथों लुट जाने और मर जाने पर डबल दर्द हो रहा था दिल को कैसे समझाया जाए, बस यही समझ में नहीं आ रहा है। मुझे चिंता तो उन चीतल की भावनाओं को लेकर भी है आखिर उनसे भी तो पूछा जाना चाहिए था कि आप किसके हाथों मरना पसंद करेंगे, देसी या विदेशी लेकिन उनसे बिना पूछे ही चीतों के आहार के रूप में उनके सामने उन्हें परोस दिया गया अब चीते ठहरे विदेशी उन्हें भला हमारे रिवाजों और रवायतों के बारे में क्या पता होगा कि हम कैसे मरना पसंद करते हैं ..कब और कितना मरना पसंद करते हैं.. किस मौसम में मरना पसंद करते हैं.. धीरे से मरना पसंद करते हैं.. कि झटके से मरना पसंद करते हैं ,मुझे तो डर है कहीं झटके और हलाल की समस्याएं ना खड़ी हो जाए अगर हो गई तो इतने सारे बावालों के बीच एक नया बवेल्ला हो जाएगा।माना चीतल मरने के लिए ही है लेकिन उन्हें मारने के लिए तो कितनी चीजें थी शेर ,बाघ ,लकड़बग्घे, भेड़िए अपनों के हाथों मरने में कुछ और मजा होता है एक संतुष्टि का भाव होता है चलो किसी गैर के हाथों नहीं मर रहे हैं अपनों के हाथों मर रहे हैं ऊपर जाने के दुख के साथ एक खुशी का अनुभव भी रहता है अपने तो अपने होते हैं और अब अपने जब मारने के लिए तैयार हो तो गैरों के हाथों क्या मरना.. मेरे हिसाब से तो चीतलो को अपनी एक कम्युनिटी बनानी चाहिए जिसमें यह सरकार के सामने मांग उठानी चाहिए हमें मरने के लिए कोई अपना दो साहब हम गैरों के हाथ नहीं मरना चाहते हैं।

पर्यावरण को बचाने के लिए पंचामृत मंत्र

डॉ सत्यवान सौरभ

शुद्ध-शून्य उत्सर्जन वातावरण से ग्रीनहाउस गैस अवशोषण द्वारा वातावरण में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को संतुलित करने की विधि है। शून्य कार्बन उत्सर्जन में, देश कार्बन उत्सर्जन को सीमित करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। लेकिन नेट-शून्य कार्बन में देश शुद्ध कार्बन उत्सर्जन को शून्य पर लाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। पार्टियों के 26 वें सम्मेलन में, भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए पांच गुना रणनीति की घोषणा की - जिसे पंचामृत कहा जाता है। इसके तहत भारत 2030 तक अपनी गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता 500 गीगावाट (जीडब्ल्यू) प्राप्त करेगा। भारत 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा से अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 50 प्रतिशत पूरा करेगा। भारत अब से 2030 तक कुल अनुमानित कार्बन उत्सर्जन में एक अरब टन की कमी करेगा। 2030 तक, भारत अपनी अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता को 45 प्रतिशत से भी कम कर देगा, इसलिए वर्ष 2070 तक, भारत नेट शून्य के लक्ष्य को प्राप्त कर लेगा।

भारत ने पिछले नवंबर में ग्लासगो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अर्थव्यवस्था को शक्ति देने और 2070 तक प्रभावी रूप से जीवाश्म ईंधन मुक्त होने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा पर भारत की निर्भरता में तेजी लाने के लिए किए गए वादों की पुष्टि की है। भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) के लिए एक अद्यतन को मंजूरी मिली है, जो संयुक्त राष्ट्र के लिए एक औपचारिक संचार है, जिसमें वैश्विक तापमान को सदी के अंत तक 2 डिग्री सेल्सियस आगे बढ़ने से रोकने के लिए देश द्वारा उठाए जाने वाले कदमों की व्याख्या की गई है।

शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए और शुद्ध-शून्य लक्ष्य को पूरा करने के लिए ऊर्जा कुशल भवनों, प्रकाश व्यवस्था, उपकरणों और औद्योगिक प्रथाओं की आवश्यकता होगी। जैव ईंधन का बढ़ता उपयोग कृषि में हल्के वाणिज्यिक वाहनों, ट्रैक्टरों से उत्सर्जन को कम करने में मदद मिल सकती है। उड्डयन में, उत्सर्जन को कम करने का एकमात्र व्यावहारिक समाधान जैव ईंधन का अधिक उपयोग है, जब तक कि हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी का पैमाना न बढ़ जाए। इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़त से कार्बन उत्सर्जन पर और अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

भारत को उन उत्सर्जन को सोखने के लिए प्राकृतिक और मानव निर्मित कार्बन सिंक पर निर्भर रहना होगा। पेड़ 0.9 अरब टन ग्रहण कर सकते हैं; बाकी को अलग करने के लिए देश को कार्बन कैप्चर प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता होगी। भारत, जो पहले से ही कोयला और पेट्रोलियम ईंधन पर कर लगाता है, को बदलाव लाने के लिए उत्सर्जन पर कर लगाने पर विचार करना चाहिए। निम्न-कार्बन ऊर्जा के चार मुख्य प्रकार हैंः पवन, सौर, पनबिजली या परमाणु ऊर्जा। पहले तीन अक्षय हैं, जिसका अर्थ है कि ये पर्यावरण के लिए अच्छे हैं - क्योंकि बिजली पैदा करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों (जैसे हवा या सूरज) का उपयोग किया जाता है। कम कार्बन ऊर्जा लगाने से भारत के नागरिकों की आर्थिक भलाई में सुधार के साथ-साथ घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों जलवायु चुनौतियों का समाधान करने में मदद मिलेगी।

वर्तमान में भारत के ऊर्जा मिश्रण में कोयले से चलने वाले बिजली उत्पादन स्टेशनों का वर्चस्व है। इस ऊर्जा मिश्रण में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाना समय की मांग है। भारत की ऊर्जा प्रणाली में बड़े पैमाने पर बदलाव को देखते हुए, हम अपने कार्यों का जायजा लेने और निकट अवधि के बदलाव पर ध्यान केंद्रित करने से लाभान्वित होंगे। यह हमें अपने 2030 के लक्ष्य को पूरा करने और यहां तक कि अति-अनुपालन करने की अनुमति देगा, साथ ही एक जीवंत नवीकरणीय उद्योग विकसित करने जैसे सहवर्ती विकासात्मक लाभ भी सुनिश्चित करेगा।हम लंबी अवधि के लिए हमें सही दिशा में ले जाने के लिए आवश्यक नीतियों और संस्थानों को स्थापित करना शुरू कर सकते हैं और नेट-शून्य प्रतिज्ञा करने से पहले नेट-शून्य परिदृश्यों के प्रभावों को मॉडलिंग और अन्य अध्ययनों के माध्यम से बेहतर ढंग से समझ सकते हैं।

घर में चाहिए पैसा ही पैसा तो इन जगहों पर लगाएं मोर पंख

वास्तु शास्त्र की माने तो मोर पंख को घर में रखना चाहिए क्योंकि यह सकारात्मक ऊर्जा लाते हैं। जी हाँ और ये पंख जितने खूबसूरत दिखते है, उतनी ही इनकी महिमा भी अलग मानी जाती है। आपको बता दें कि मोर पंख से घर की कई समस्याएं दूर हो सकती है। अब आज हम आपको बताते हैं मोर पंख को घर में रखने से क्या फायदे होते हैं। साथ ही मोर पंख को किस दिशा में रखना चाहिए?

मोर पंख के फायदे-

* कहा जाता है घर में मोर पंख रखने से धन की देवी लक्ष्मी और ज्ञान की देवी सरस्वती प्रसन्न होती है।

* कहते हैं घर में बांसुरी के साथ मोर पंख रखने से रिश्तों में प्रेम बढ़ता है।

* ऐसा माना जाता है दापंत्य जीवन में तनाव हो तो शयन कक्ष में मोर पंख रखें। इससे पति-पत्नी के जीवन में मधुरता आती है।

* अगर आप ग्रहों के अशुभ प्रभाव को दूर करना चाहते हैं, तो ग्रह मंत्र का 21 बार जाप करें। उसके बाद मोर पंख पर जल छिड़क कर किसी शुभ स्थान पर स्थापित करें। यहाँ से यह सभी को दिखाई देना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से ग्रहों का अशुभ प्रभाव समाप्त हो जाएगा।

* कहा जाता है अगर बच्चे को बुरी नजर से बचाना चाहते हैं तो चांदी के ताबीज में मोर पंख लगाना चाहिए।

आज चंद्र ग्रहण भारत में कब शुरू होगा? जानिए कब होगा समाप्त और क्या बरतनी है सावधानियां

किस दिशा में मोर पंख लगाना चाहिए?- वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर घर की दक्षिण दिशा में तिजोरी में मोर पंख लगा दिया जाए तो धन की कमी नहीं होती। केवल यही नहीं बल्कि इसके अलावा राहु के दोष को दूर करने के लिए मोर पंख को पूर्व और उत्तर-पश्चिम दिशा में लगाएं। इसी के साथ अगर घर की पूर्व और उत्तर-पश्चिम की दीवारों पर मोर पंख लगाए जाते हैं, तो राहु कभी परेशानी का कारण नहीं बनता है।

इस दिशा में सीढ़ियां बनवाने से हर क्षेत्र में मिलेगी अपार सफलता

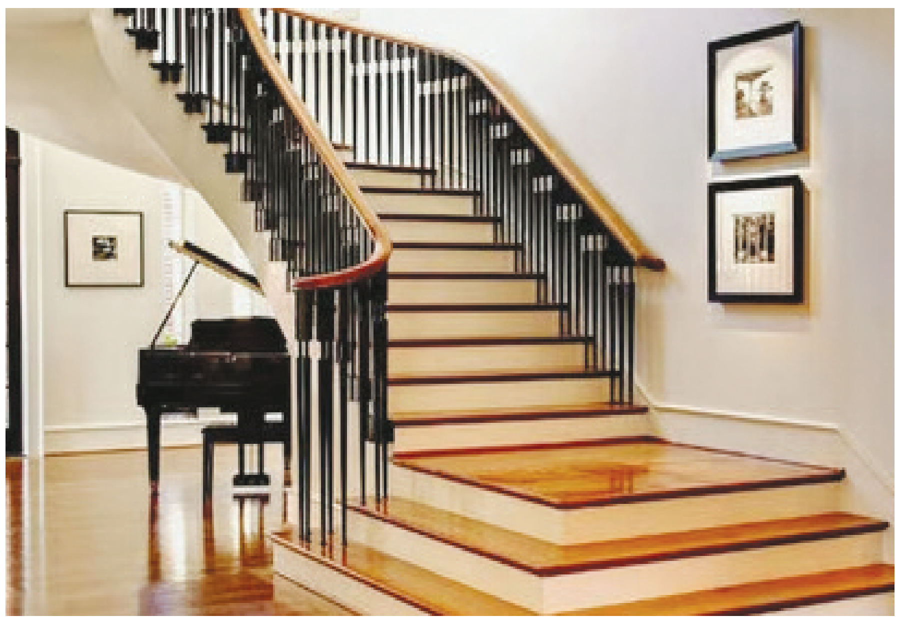

जब भी घर बनता है तो वास्तु का विशेष ध्यान रखा जाता है, इससे हमें लाभ होता है। यदि घर बनाते वक्त वास्तु की सभी बातों का ध्यान रखा जाए तो आप कभी भी किसी भी चीज से परेशान नहीं होंगे। फिर वो आर्थिक स्थिति हो या मन को मिलने वाली शांति सभी चीजें सामान्य चलती हैं। दरअसल, वास्तु शास्त्र में घर की साज-सज्जा को लेकर कई नियम बताए गए हैं अगर इन नियमों का पालन आप करें तो आपको जीवन में आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता है। घर में भी पॉजिटिविटी फैलती है। मशहूर ज्योतिष आचार्य इंदु प्रकाश से जानते हैं वास्तु के अनुसार घर की किस दिशा में सीढ़ियां बनवानी चाहिए।

वास्तु शास्त्र में आज हम बात करेंगे सीढ़ियों के बारे में। हमारी जिंदगी में सीढ़ियों का बहुत महत्व है। आम तौर पर हमें जब भी किसी को तरक्की या सफलता का उदाहरण देना होता है तो सबसे पहले सीढ़ियों का नाम जरूर लिया जाता है, इसका उदाहरण दिया जाता है। सीढ़ियों की तरह हमारी सफलता भी ऊंचाई पर पहुंचती रहे इसलिए वास्तु शास्त्र में सीढ़ियों के सही दिशा में होने व अन्य उपाय बताए गए हैं।

इस दिशा में हों सीढ़ियां

घर या ऑफिस में सीढ़ियां बनवाते समय सबसे पहले जगह का ही चुनाव किया जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर या ऑफिस में सीढ़ियों के लिए दक्षिण, पश्चिम या फिर नैत्रत्य दिशा का चुनाव करें। इन दिशाओं का चुनाव करने से आपके घर में धन-सम्पदा का वास होता है और आर्थिक स्थिति अच्छी रहती है। किस दिशा में सीढ़ियों का निर्माण करना शुभ नहीं रहता,इसके बारे में हम आपको कल बताएंगे।

जो अच्छी बातें हमें सोचने पर मजबूर कर देती हैं, वही बातें हमारा जीवन बदल सकती है।

कर्ज से नहीं मिल रहा छुटकारा लाल किताब के ये उपाय करें

शायद ही कोई व्यक्ति अपने जीवन में कर्ज लेना चाहता होगा। लेकिन समय और परिस्थिति सदैव एक समान नहीं रहते। इसलिए कर्ज लेने की नौबत आ जाती है। कर्ज कई कारणों से लिया जा सकता है। जैसे आय से अधिक खर्च, घर खरीदना या शिक्षा आदि के लिए। कई बार कुंडली में ग्रहों की बदलती स्थिति के कारण व्यक्ति की आर्थिक स्थिति बिगड़ जाती है और उसे कर्ज लेना पड़ जाता है। लेकिन मुश्किल तब और बढ़ जाती है जब सिर से कर्ज का बोझ उतर नहीं पाता है। इससे व्यक्ति मानसिक रूप से तनाव में आ जाता है।

कर्ज से छुटकारा पाने के लिए ज्योतिष और लाल किताब में कई उपायों के बारे में बताया गया है। ये उपाय कर्ज मुक्ति के लिए काफी हद तक कारगर होते हैं। यदि आप भी कर्ज में डूबे हुए हैं और सिर से कर्ज का बोझ नहीं उतर रहा है तो इन विशेष उपायों को जरूर करें।

इन उपायों से कम होगा कर्ज का बोझ

मां लक्ष्मी की करें पूजा

मां लक्ष्मी को धन-वैभव की देवी कहा जाता है। धनलाभ के लिए हर व्यक्ति मां लक्ष्मी की पूजा कर उन्हें प्रसन्न रखना चाहता है। कर्ज से मुक्ति के लिए घर पर प्रतिदिन मां लक्ष्मी की पूजा जरूर करें। साथ ही 'ॐ श्रीं ह्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ॐ महालक्ष्मयै नमः' मंत्र का जाप भी करें और घी का दीपक जलाएं। इस उपाय को करने से मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है और जल्द ही कर्ज से छुटकारा मिलता है।

बुधवार के दिन ले सकते हैं कर्ज

यदि किसी कारण कर्ज लेना पड़ जाए तो बुधवार के दिन कर्ज ले सकते हैं। क्योंकि बुधवार के दिन लिया गया कर्ज आसानी से उतर जाता है। इसलिए इस दिन को कर्ज लेने के लिए ठीक माना गया है। ऐसे में आप किसी भी अन्य दिन कर्ज लेने से बचकर बुधवार को ही किसी व्यक्ति या बैंक से लोन लें।

कर्ज उतारने का सबसे अच्छा दिन

कर्ज लेने के लिए बुधवार और कर्ज उतारने के लिए मंगलवार के दिन को सबसे शुभ माना जाता है। आप अपने कर्ज की पहली किस्त मंगलवार के दिन भरिए। इससे कर्ज जल्दी उतर जाता है। इसके अलावा मंगलवार के दिन किसी हनुमान मंदिर में जाकर नारियल चढ़ाएं। इससे भी फायदा मिलेगा। मंगलवार के दिन लाल मसूर की दाल का दान करने से भी कर्ज का बोझ कम होता है।

आटे और गुड़ का उपाय

सवा किलो आटा और सवा किलो गुड़ को मिलाकर इसकी रोटियां बना लें। गुरुवार के दिन इन रोटियों को गाय को खिला दें। इस प्रकिया को लगातार तीन गुरुवार तक करें। ऐसा करने से भी कर्ज से छुटकारा मिलता है।

काले कुत्ते को खिलाएं रोटी

लाल किताब के अनुसार शनिवार के दिन किसी काले कुत्ते को सरसों तेल में चुपड़ी रोटी खिलाने से राहु, केतु और शनि ग्रह का प्रकोप कम होता है और इससे कर्ज से मुक्ति मिलती है। आपको बता दें कि काले कुत्ते का उपाय काफी कारगर माना जाता है। कई बार शनि की साढ़े साती दशा में भी यह उपाय जातक को राहत देता है।

नींद न आने का मुख्य कारण है बिस्तर कैसा होना चाहिए

आजकल कई लोग रात में नींद न आने की समस्या से परेशान रहते हैं। रात में नींद न आने के कई कारण हो सकते हैं। जैसे दोपहर या शाम में सोना, चिंता, काम का बोझ, अत्यधित थकान आदि। कुछ लोग तो रात में नींद न आने से इतने परेशान हो जाते हैं कि नींद की दवाओं का सेवन करने लगते हैं। इससे स्वास्थ्य और मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इन दवाओं के सेवन से आप इसके आदि भी हो सकते हैं। नींद न आने की समस्या के समाधान के लिए आपको सबसे पहले इसके कारण के बारे में जानना चाहिए। क्या आप जानते हैं कि नींद न आने का एक कारण वास्तु दोष भी होता है। जी हां आपके बेडरूम, पलंग और सोने की गलत दिशा भी अनिद्रा का कारण बनती है। वास्तु शास्त्र में इस परेशानी को दूर करने के उपायों के बारे में बताया गया है। ये उपाय रात में बेहतर नींद के लिए मददगार साबित होते हैं। अगर आप भी रात में नींद न आने से परेशान और बैचेन रहते हैं तो इन उपायों को जरूर अपनाएं।

सोने के लिए नहीं होना चाहिए ऐसा बेड

वास्तु शास्त्र के अनुसार इस बात का ध्यान रखें कभी भी तिकोना शेप वाले बेड का प्रयोग न करें। साथ ही इस बार भी ध्यान रखें कि तिकोन आकार बनने वाले जगह पर भी बेड नहीं लगाना चाहिए। वास्तु में इसे अशुभ माना जाता है। क्योंकि इस तरह के बेड को अग्नि तत्व का प्रतीक माना गया है। इससे नींद में बाधा उत्पन्न होती है।

साफ-सुथरा होना चाहिए बेड

कई लोग बिस्तर में ही खाना पीना खाते हैं और गंदगी फैलाकर उसी में सो जाते हैं। ऐसा बिल्कुल न करें। साथ ही बेडशीट को भी एक-दो दिन में समय-समय बदलते रहें। गंदा बिस्तर अशांति का कारण बन सकता है और इससे रात में बुरे सपने आते हैं, जिससे नींद में बाधा उत्पन्न हो सकती है।

दिशा का रखें ध्यान

वास्तु शास्त्र में दिशा को महत्व दिया गया है। बेहतर नींद के लिए सबसे जरूरी है कि आपका बेड सही दिशा में होना चाहिए। बेडरूम में लगा बिस्तर उत्तर पूर्व दिशा की ओर नहीं होना चाहिए।

बेड के सामने न लगाएं शीशा

बेडरूम में बहुत बड़े आकार का शीशा नहीं होना चाहिए। यह भी अनिद्रा की वजह बनते हैं। साथ ही बेड के ठीक सामने भी आइना नहीं होना चाहिए। इससे पति-पत्नी के रिश्ते में तनाव उत्पन्न होता है।

इन 5 मालाओं से करें नियमित रूप से जाप, पाएं धन

1/ 5 ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मंगल ग्रह की शांति के लिए मूंगे के पत्थर से बनी माला से मंगल देव या हनुमान जी के मंत्रों का जप करना लाभकारी माना जाता है। इससे नकारात्मक शक्ति से भी छुटकारा मिलता है।

2/ 5 मोती, सीप या शंख की माला से भगवान भोलेनाथ की उपासना करना शुभ माना जाता है। इससे जप करने से व्यक्ति को हर तरह के सुख प्राप्त होते हैं। यहां तक की चंद्रमा संबंधी दोष भी दूर हो जाते हैं। मोती, सीप या शंख की माला से भगवान भोलेनाथ की उपासना करना शुभ माना जाता है। इससे जप करने से व्यक्ति को हर तरह के सुख प्राप्त होते हैं। यहां तक की चंद्रमा संबंधी दोष भी दूर हो जाते हैं।

3/ 5 कमल गट्टे की माला से देवी काली, माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की उपासना करने का विधान है। इस माला से जाप करने पर धन संबंधी समस्या से छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है। इस माला से कनकधारा स्त्रोत का जप करना अति उत्तम माना गया है।

कमल गट्टे की माला से देवी काली, माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की उपासना करने का विधान है। इस माला से जाप करने पर धन संबंधी समस्या से छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है। इस माला से कनकधारा स्त्रोत का जप करना अति उत्तम माना गया है।

4/ 5 मान्यताओं के अनुसार, पंचमुखी ब्रह्मा का स्वरूप स्फटिक को माना जाता है। स्फटिक की माला से माता लक्ष्मी और देवी सरस्वती की उपासना करना शुभ माना जाता है। स्फटिक की माला से अन्य मंत्रों का जाप भी किया जा सकता है। इससे मंत्र जल्द ही सिद्ध होता है और घर से दुख-दरिद्रता दूर होती है।

5/ 5 सूर्य देव को प्रसन्न करने और उनकी उपासना करने के लिए माणिक्य की माला से सूर्यदेव के मंत्रों का जाप करना लाभकारी होता है। इससे पितृदोष से मुक्ति मिलती है।

रणवीर सिंह को सता रही दीपिका की याद, अभिनेत्री के लाइव सेशन के दौरान पूछ डाला निजी सवाल

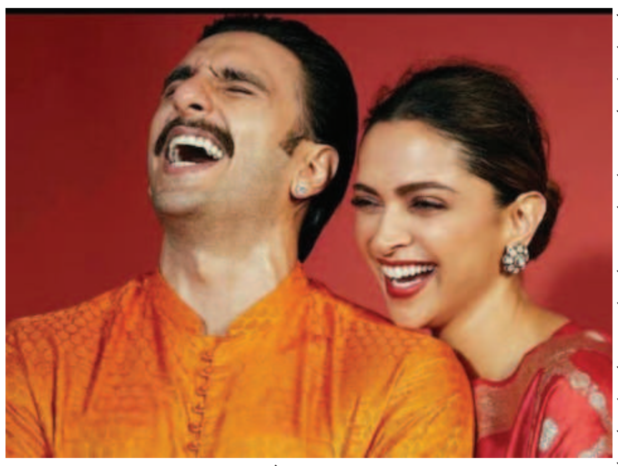

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह की जोड़ी को फैंस खूब पसंद करते हैं। हाल ही में दोनों ने अपनी शादी की पांचवीं सालगिरह मनाई है। दीपिका और रणवीर इंडस्ट्री के पावर कपल हैं। दोनों अपनी-अपनी जिंदगी में काफी बिजी रहते हैं, लेकिन जब वह एकसाथ होते हैं तो उनकी ट्यूनिंग लोगों को पसंद आती है। रणवीर सिंह अक्सर खुलेआम दीपिका की तारीफ करते नहीं थकते हैं। हाल ही में दीपिका एक इंस्टाग्राम लाइव कर रही थीं। इस दौरान रणवीर ने उनसे ऐसा सवाल पूछ लिया जिसे सुनकर आप अपनी हंसी नहीं रोक पाएंगे।

दीपिका पादुकोण ने हाल ही में अपना सेल्फ केयर ब्रांड लॉन्च किया है। इस दौरान उन्होंने अपने प्रोडक्ट्स की झलक भी फैंस के साथ साझा की। वह अपने ब्रांड और उसके बारे में भी कई अन्य चीजें बताती नजर आईं। दीपिका ने अपने प्रोडक्ट्स को दिखाया और उनके होने वाले फायदे के बारे में भी बताया। लाइव सेशन के दौरान उनके पति रणवीर सिंह भी थे। इस दौरान दीपिका की पोस्ट पर जमकर कमेंट्स कर रहे थे। कमेंट्स में वह दीपिका को चीयर करते और उनसे मजेदार सवाल करते हुए भी नजर आ रहे थे।

दीपिका अपने ब्रांड के बारे में बता रही थीं और रणवीर लिख रहे थे- 'वाह वाह एक्साइटमेंट तो देखो'। थोड़ी देर बाद रणवीर ने लिखा- 'हां हर कोई जान लो कि वह कड़ी मेहनत करती है'। इसके थोड़ी देर के बाद रणवीर ने दीपिका के ब्रांड की तारीफ भी कर दी। उन्होंने लिखा- 'ये सभी प्रोडक्ट वर्ल्ड क्लास हैं'। दीपिका से उनके लाइव सेशन के दौरान रणवीर पूछने लगे कि 'तुम घर कब आ रही हो'।

लाइव सेशन खत्म होने के बाद जब दीपिका सभी फैंस का शुक्रिया अदा कर रही थीं, इस दौरान भी रणवीर ने कमेंट कर लिखा कि 'मेरे प्यार और सपोर्ट के लिए भी शुक्रिया अदा करो'। बता दें कि इन दोनों को अक्सर एक-दूसरे की पोस्ट पर कमेंट करते हुए देखा जा सकता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो रणवीर सिंह बहुत जल्द रोहित शेट्टी की 'सर्कस' में नजर आने वाले हैं। वहीं उनके पास 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' भी है। दीपिका पादुकोण की बात करें तो वह शाहरुख खान के साथ 'पठान' में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा वह ऋतिक रोशन की 'फाइटर' और प्रभास के साथ 'प्रोजेक्ट के' में नजर आने वाली हैं।

केआरके के बदले बोल, माफी मांगने के कुछ दिन बाद शाहरुख पर कसा तंज, कहा- पठान फ्लॉप नहीं हुई तो...

भारत छोड़ते ही कमाल आर खान उर्फ केआरके के बोल बदल गए। दरअसल, केआरके ने हाल ही में सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट साझा कर शाहरुख खान से माफी मांगी थी और उनकी आगामी फिल्मों को प्रमोट करने का वादा किया था। अभी इस बात को एक महीने भी नहीं हुआ और उन्होंने एसआरके पर एक बार फिर निशाना साधना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं केआरके ने शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म 'पठान' के फ्लॉप होने तक की बात कह दी है। कमाल आर खान ने ट्विटर पर शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' पर टिप्पणी करते हुए लिखा, ₹शाहरुख ने शारजाह में एक मीडियाकर्मी को जवाब दिया और कहा कि उनकी फिल्म 'पठान' सुपरहिट होगी! अब मैं दुनिया से वादा करता हूं, अगर 'पठान' फ्लॉप नहीं हुई तो मैं फिल्मों की समीक्षा करना बंद कर दूंगा। अगर शाहरुख 'पठान' का नाम बदल देंगे तो मेरा चैलेंज है यह फिल्म इनवैलिड हो जाएगी। इतना ही नहीं केआरके ने इसके बाद एक और ट्वीट किया। उन्होंने लिखा, 'मैं शाहरुख से सहमत हूं कि उनकी फिल्म पठान पाकिस्तान और विदेश में हिट होगी।' बता दें कि केआरके के इस ट्वीट के बाद तहलका मच गया। कई लोगों ने केआरके की पोस्ट पर कमेंट कर कहा कि उन्होंने शाहरुख की फिल्म को बड़ा चैलेंज दिया है। यह शाहरुख की फिल्म के लिए बड़ी चुनौती होगी। वहीं कई यूजर्स ने बॉयकाट शाहरुख और बॉयकाट बॉलीवुड का ट्रेंड चलाया। इतना ही नहीं कुछ लोगों ने शाहरुख को बूढ़ा तक बताते हुए कहा कि अब उन्हें फिल्में करना छोड़ देना चाहिए। इसके अलावा केआरके ने बॉलीवुड इंडस्ट्री नसीहत देते हुए एक और ट्वीट किया जिसमें यह लिखा कि अगर बॉलीवुड चाहता है कि जनता उनकी फिल्में दोबारा देखें तो बॉलीवुड के सभी लोगों को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन करना होगा और फैंस को यह बोलना होगा कि आप हमारे करता धरता हैं और हम आपके सेवक हैं। आप लोगों से ही हमारी पहचान है। वरना हमारा कोई अस्तितव नहीं है।

सनी लियोनी के ख़िलाफ़ दर्ज आपराधिक कार्यवाही पर केरल हाईकोर्ट ने लगाई रोक

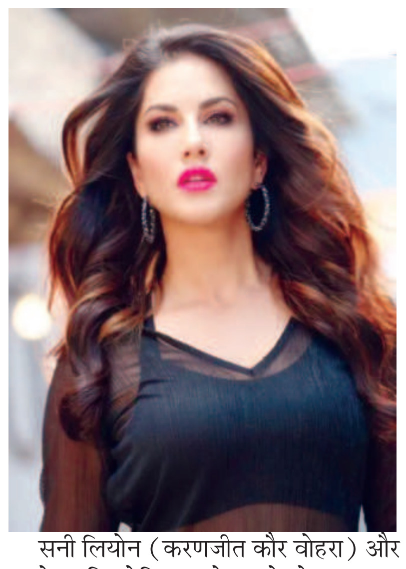

सनी लियोन (करणजीत कौर वोहरा) और उनके पति डेनियल वेबर ने केरल उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है कि उनके खिलाफ दायर धोखाधड़ी का मामला खारिज कर दिया जाए। आज मामले में सुनवाई करते हुए केरल हाईकोर्ट ने सनी लियोनी और उनके पति के ख़िलाफ़ दर्ज आपराधिक कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी।

केरल के एक इवेंट मैनेजर द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद दंपति और एक कर्मचारी पर अपराध का आरोप लगाया गया था। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि लियोनी को कार्यक्रमों में उपस्थित होने और प्रदर्शन करने के लिए लाखों रुपये का भुगतान करने के बावजूद, वह उपस्थित होने में विफल रही। उसके बाद, उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 406, 420, और 34 के तहत दंडनीय अपराध का आरोप लगाते हुए एक अपराध दर्ज किया गया था। वर्तमान दलील में दावा किया गया है कि तीनों आरोपों से पूरी तरह से निर्दोष हैं और यहां तक कि अगर आरोपों को अंकित मूल्य पर लिया जाता है, तो कथित अपराध आकर्षित नहीं होंगे। याचिकाकर्ताओं के परिणामस्वरूप शिकायतकर्ता को कोई नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन यह मामला याचिकाकर्ताओं के जीवन को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहा है, याचिका के अनुसार। याचिका में यह भी कहा गया है कि शिकायतकर्ता ने जुलाई 2022 में इन्हीं आरोपों के साथ दीवानी मुकदमा दायर किया था, जिसे सबूतों के अभाव में मजिस्ट्रेट कोर्ट ने खारिज कर दिया था। नतीजतन, उन्होंने अपने खिलाफ कार्यवाही रोकने की मांग की।

अग्रिम जमानत के लिए उनके आवेदनों पर, एकल-न्यायाधीश न्यायमूर्ति अशोक मेनन ने फरवरी 2021 में तीनों को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान किया। अदालत ने यह भी आदेश दिया कि उन्हें पूछताछ के लिए उपस्थित होने के लिए दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 41ए के तहत नोटिस दिया जाए। इसके अलावा, इसने इस संबंध में शिकायतकर्ता के अनुरोधों के जवाब में उन्हें विदेश यात्रा करने से रोकने से इनकार कर दिया था। न्यायालय ने अंतरिम आदेश को बढ़ा दिया है, सबसे हालिया आदेश के साथ नवंबर 2022 में न्यायमूर्ति के बाबू द्वारा गिरफ्तारी से उनकी सुरक्षा का विस्तार किया जा रहा है।

अधिवक्ता आर संजीत, सीएस सिंधु कृष्णह, सूरज कृष्णन और सीधी के कुट्टी याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इंटीमेट सीन में एक्स हसबैंड ने की थी कीर्ति कुल्हारी की मदद, बोलीं- मैं सहज नहीं थी

अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी ने अपनी काबिलियत के दम पर सिनेमा में एक अलग पहचान बनाई है। इसके अलावा वह उस समय चर्चा में आ गईं थीं, जब उन्होंने अपने पति साहिल सहगल से अलग होने की घोषणा की थी। हालांकि अभिनेत्री और उनके एक्स हसबैंड के बीच अब भी रिश्ते काफी सहज हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में कीर्ति कुल्हारी ने अपनी जिंदगी से जुड़ी कुछ बातें साझा की और साथ ही बताया कि कैसे पूर्व पति साहिल सहगल ने सीरीज 'फॉर मोर शॉट्स प्लीज' में इंटीमेट सीन करने में उनकी मदद की थी।

कीर्ति कुल्हारी की सीरीज 'फॉर मोर शॉट्स' की तीसरा सीजन भी कुछ दिनों पहले रिलीज हुआ था। अब एक्ट्रेस ने इंटरव्यू के दौरान बताया कि वह इस सीरीज में इंटीमेट सीन करते हुए सहज नहीं थीं लेकिन इसमें उनके हसबैंड साहिल सहगल ने काफी मदद की थी।

कीर्ति कुल्हारी कहती हैं कि 'मेरी शादी साल 2016 में हुई थी और मेरे हसबैंड साहिल ने वाकई में मेरा काफी साथ दिया', उन्होंने कहा 'वह ऐसे इंसान नहीं हैं जो कहें कि तुम स्क्रीन पर किस नहीं कर सकती या इंटीमेट सीन नहीं दे सकती, जबकि इंडस्ट्री में ऐसा है जो मुझे भी बहुत रूढ़िवादी लगता है। कीर्ति कुल्हारी आगे कहती हैं कि 'किरदार की जो जरूरत है उसके हिसाब से ढलने में मुझे आत्मविश्वास दिलाया और सपोर्ट किया'।

कीर्ति कुल्हारी कहती हैं कि 'फॉर मोर शॉट्स' में बोल्ड सीन्स को देखने का हर किसी लड़की का अपना नजरिया है। कुछ को इसमें झिझक थी तो कुछ को फर्क नहीं पड़ रहा था। अपने बारे में अभिनेत्री कहती हैं कि मैं सहज स्थिति में थी और सीन में खुली आंखों से घुसती जा रही थी। आज मेरे लिए सेक्स आइडिया नॉर्मल हो गया है लेकिन उस समय ऐसा नहीं था, क्योंकि मैं जिस तरह से बड़ी हुई हूं कि मैं इंटीमेट सीन करने में सहज नहीं थी।

कीर्ति कुल्हारी ने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने खुद को मजबूत बनाया है और इसमें भी उनके पति साहिल का काफी सपोर्ट रहा है। अभिनेत्री कहती हैं कि साहिल ने मुझे बताया कि कैसे दूसरी शादी के सवालों से डील करना है। कीर्ति कुल्हारी कहती हैं कि वह बहुत ही भावुक इंसान थीं और आज भी उन्होंने अपनी संवेदनशीलता बनाए रखी है, हालांकि अपने अंदर से इमोशनल हाइपर सेंसिटिव इमोशनल इंसान को जाने दिया है, भावुक होना समस्या नहीं है, हालांकि अगर आप यह नहीं जानते कि इससे कैसे डील करना है तो यह आपके लिए समस्या हो सकती है'। वर्क फ्रंट की बात करें तो कीर्ति कुल्हारी ने उरी, पिंक और मिशन मंगल जैसी फिल्मों में अपनी शानदार उपस्थिति दर्ज करवाई है।

नसीरुद्दीन शाह के घर की बहू बनेंगी करिश्मा शर्मा? विवान को कर रहीं डेट

अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के घर शहनाई बजने वाली है? जी हां, मीडिया रिपोर्ट्स में तो कुछ यही बात सामने आ रही है। सूत्रों के मुताबिक अक्सर अपने अभिनय और लुक्स को लेकर चर्चा में रहने वाली अभिनेत्री करिश्मा शर्मा इन दिनों नसीरुद्दीन शाह के बेटे विवान शाह को डेट कर रही हैं। खबरों की मानें तो दोनों बीते एक वर्ष से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि, किसी ने भी अपने रिश्ते को ऑफिशियल नहीं किया है। लेकिन, हाल ही में बातों ही बातों में एक्ट्रेस ने यह इशारा जरूर कर दिया है कि विवान का उनकी जिंदगी में एक अलग ओहदा है।

बता दें कि नसीरुद्दीन शाह और रत्ना पाठक के बेटे विवान शाह ने फिल्म '7 खून माफ' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। इसके बाद फिल्म 'हैप्पी न्यू ईयर' में उन्होंने अपने अभिनय से फैंस के दिलों में खास जगह बनाई। विवान खबरों से दूर ही रहते हैं। साथ ही अपनी पर्सनल लाइफ को भी बेहद प्राइवेट रखते हैं। यही वजह है कि अब तक अपने और करिश्मा के अफेयर पर उन्होंने चुप्पी साध रखी है। हाल ही में जब उनसे इस रिलेशनशिप को लेकर बातचीत की गई तो भी उन्होंने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वह अभी कुछ भी कहने को तैयार नहीं हैं।

बता दें कि करिश्मा शर्मा भी मीडिया के सामने पहली बार अपने और विवान के रिश्ते पर बात करती नजर आई हैं। एक हालिया बातचीत के दौरान वह इस बारे में खुलकर बोलीं। हाल ही में करिश्मा से जब विवान के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बताया, 'पिछले साल, जब मेरे पिता का निधन हुआ तो विवान और उनके परिवार ने मुझे खूब सपोर्ट किया। उनका परिवार बिल्कुल मेरे परिवार की तरह है। मेरी जिंदगी में विवान की खास अहमियत है। वह एक अच्छे दोस्त की तरह हैं। वह मेरी जिंदगी में एक आशीर्वाद की तरह हैं। मेरी मां को भी वह बेहद पसंद हैं।'

जब से करिश्मा ने अपने और विवान के अफेयर का जिक्र किया है, तब से फैंस की दिलचस्पी इस बात में बढ़ गई है कि विवान आखिर इस पर कब चुप्पी तोड़ेंगे? करिश्मा शर्मा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह 'रागिनी एमएमएस रिटर्न्स', 'प्यार का पंचनामा 2' 'उजड़ा चमन' जैसी कई बड़ी फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं। एक्ट्रेस ने टीवी शो 'ये हैं मोहेब्बते' से अपने करियर की शुरुआत की। इसके अलावा वह गजेंद्र वर्मा के गाने 'इसमें तेरा घाटा' जैसे कई गानों की एल्बम का भी हिस्सा रह चुकी हैं।

बोल्ड अवतार छोड़ संस्कारी लुक में नजर आईं उर्फी जावेद, नेटिजन्स बोले - देखा हिंदुस्तानी भाऊ का कमाल

अपने बोल्ड अंदाज और अतरंगी ड्रेसिंग सेंस के लिए फेमस सोशल मीडिया सेंसेशन उर्फी जावेद ने एक नया पोस्ट शेयर कर नेटिजन्स को झटका दे दिया है। इस बार उर्फी ने कोई न्यूड फोटोशूट नहीं करवाया है, बल्कि वह एक दुल्हन की तरह तैयार हुई हैं। रिवीलिंग ड्रेस पहनने वाली उर्फी का संस्कारी रूप देख सोशल मीडिया यूजर्स हैरान हो गए हैं। उर्फी की पोस्ट पर कई यूजर्स प्यार बरसा रहे हैं तो वहीं कई लोग ताना देते हुए कमेंट कर रहे हैं।

अलग लुक में नजर आईं उर्फी जावेद

उर्फी जावेद ने गुलाबी सूट पहना है। इसके साथ ही उर्फी ने सिर पर घूंघट लिया हुआ है। बाल खुले हुए हैं और बालों की लटें उनके गालों पर गिर रही हैं। उर्फी की खूबसूरती को इस नए लुक ने और निखार दिया है। अपने सिर पर उर्फी जावेद ने झूमर लगा रखा है, जो उन पर बहुत अच्छा लग रहा है। उर्फी के इस लुक में एक नजाकत है।

यूजर्स ने दिए ऐसे रिएक्शन

उर्फी के नए लुक से नेटिजन्स हैरान हैं तो वहीं उनके फैंस बहुत खुश हैं। उर्फी जावेद के फैंस कमेंट कर उनकी तारीफ कर रहे हैं। वहीं कुछ यूजर्स ने व्यंग्य किया है। एक यूजर ने लिखा, 'देखा हिन्दुस्तानी भाऊ का कमाल।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'तबीयत तो ठीक हैं?' एक ने लिखा, 'ये चमत्कार से कम नहीं।' वहीं एक यूजर ने उर्फी जावेद की तारीफ करते हुए कमेंट किया, 'उर्फी ये आपकी अब तक कि सबसे प्यारी फोटो है।'

पाकिस्तानी एक्ट्रेस के लिए तैयार हुईं उर्फी

दरअसल उर्फी का यह लुक पाकिस्तानी ड्रामा सीरियल 'मेरे हमसफर' की लीड एक्ट्रेस हनिया आमिर के किरदार 'हाला' से इंस्पायर्ड है। उर्फी ने इस बात का जिक्र अपने पोस्ट के कैप्शन में भी किया है। उर्फी ने कैप्शन में लिखा, 'सिर्फ इसलिए क्योंकि मैं हाला और हनिया को बहुत पसंद करती हूं।' इस पर पाकिस्तानी एक्ट्रेस ने भी 'गॉर्जस' कमेंट किया है।

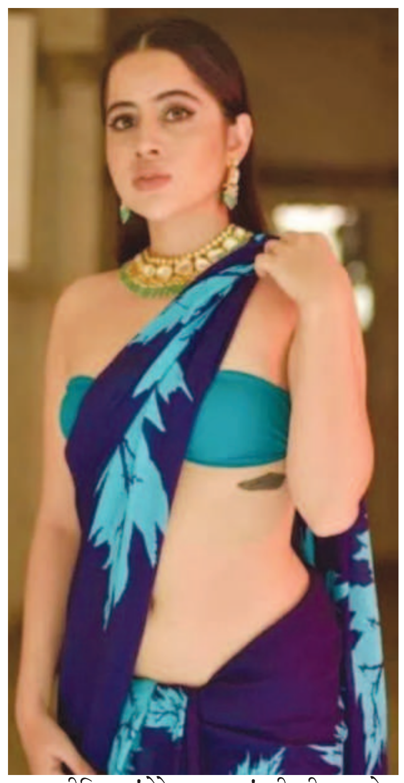

आराध्या और ऐश्वर्या की लिप किस वाली फोटो पर लोगों ने किए भद्दे कमेंट, यूजर्स ने लगाई क्लास

वक्त बीतते पता ही नहीं चलता. ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन की बेटी आराध्या बच्चन आज 11 साल की हो गई हैं. इस अवसर पर मां ऐश्वर्या ने बच्ची पर ढेर सारा प्यार बरसाया है और बेटी को किस करती हुई एक फोटो शेयर की है. इस तस्वीर को कुछ लोग जमकर ट्रोल कर रहे हैं. तो वहीं कुछ लोग इसे प्यारी फोटो कह रहे हैं. हालांकि यहां कई लोग ऐसे भी हैं जिन्होंने उन ट्रोल्स को जवाब दिया है और कहा है कि मां-बेटी के प्यार को अपने नजरिए से आंकने की कोशिश मत कीजिए. तस्वीर में आराध्या बच्चन ने रेड कलर का आउटफिट और बालों पर मैचिंग बो क्लिप पहनी हुई है.

फोटो शेयर करते हुए ऐश्वर्या ने तस्वीर को कैप्शन दिया, "माई लव...माई लाइफ...आई लव यू, माई आराध्या. बता दें, ऐश्वर्या अपनी बेटी की प्रोटेक्शन को लेकर लाइमलाइट में रही हैं.

इस तस्वीर पर लोगों ने कमेंट कर लिखा- "मिनी ऐश को 11वां जन्मदिन मुबारक हो." एक व्यक्ति ने कहा, "एक मां के प्यार की कोई सीमा नहीं होती. मैं प्रार्थना करता हूं कि आपका रिश्ता हमेशा के लिए शानदार रहे." "कितना खूबसूरत पल कैप्चर किया गया. वहीं किसी ने इस फोटो पर शर्मनाक और लेस्बियन तक लिखा.

बता दें, ऐश्वर्या और उनके पति-अभिनेता अभिषेक बच्चन 20 अप्रैल, 2007 को शादी के बंधन में बंधे थे. उनकी शादी मुंबई में अमिताभ के बंगले प्रतीक्षा में एक निजी समारोह में हुई. अपनी शादी के चार साल बाद ये कपल 16 नवंबर, 2011 को एक बेटी आराध्या के माता-पिता बना।

असम में फाइटर की शूटिंग करेंगे ऋतिक

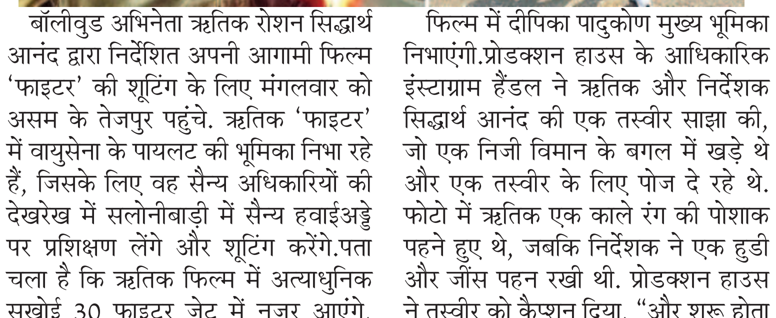

बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित अपनी आगामी फिल्म 'फाइटर' की शूटिंग के लिए मंगलवार को असम के तेजपुर पहुंचे. ऋतिक 'फाइटर' में वायुसेना के पायलट की भूमिका निभा रहे हैं, जिसके लिए वह सैन्य अधिकारियों की देखरेख में सलोनीबाड़ी में सैन्य हवाईअड्डे पर प्रशिक्षण लेंगे और शूटिंग करेंगे.पता चला है कि ऋतिक फिल्म में अत्याधुनिक सुखोई 30 फाइटर जेट में नजर आएंगे, जिसकी शूटिंग 18 नवंबर से शुरू होगी.

फिल्म में दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिका निभाएंगी.प्रोडक्शन हाउस के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल ने ऋतिक और निर्देशक सिद्धार्थ आनंद की एक तस्वीर साझा की, जो एक निजी विमान के बगल में खड़े थे और एक तस्वीर के लिए पोज दे रहे थे. फोटो में ऋतिक एक काले रंग की पोशाक पहने हुए थे, जबकि निर्देशक ने एक हुडी और जींस पहन रखी थी. प्रोडक्शन हाउस ने तस्वीर को कैप्शन दिया, "और शुरू होता है- फाइटर."

करीना कपूर के ब्रालेट ब्लाउज ने दिया धोखा, सेफ्टी पिन ने शर्मिंदा होने से बचाया

बॉलीवुड की बेबो करीना कपूर खान भी अपनी ड्रेसिंग सेंस के लिए मशहूर हैं. कई बार पार्टी में उनकी ड्रेसेज़ चर्चा का विषय बन जाती हैं. हालांकि बोल्ड और सेक्सी आउटफिट कैरी करने में कई बार वे ऊप्स मोमेंट का भी शिकार हो जाती हैं.

एक इवेंट में उनके साथ एक ऐसी घटना घट चुकी है जब साड़ी के साथ कैरी किए गए ब्लाउज ने उन्हें धोखा दे दिया. दरअसल, करीना कपूर कुछ साल पहले एक इवेंट में शामिल हुई थीं. ये इवेंट उनके कजिन भाई अरमान जैन की फिल्म के म्यूजिक लॉन्च के लिए था.

इसमें करीना ही नहीं बल्कि करिश्मा कपूर से लेकर लगभग पूरा कपूर परिवार ही पहुंचा था. जब बेबो वहां अपना सपोर्ट शो करने पहुंचीं तो कैमरा उनकी तरफ घूम गया. उस खास दिन के लिए करीना ने सफेद साड़ी चुनी थी. खबरों की मानें तो यह साड़ी सैफ ने करीना को गिफ्ट की थी.

बता दें, आमतौर पर किसी भी इवेंट में एक्ट्रेस के साथ-साथ उनकी टीम भी मौजूद रहती है जो कैमरे के सामने जाने से पहले उन्हें एक परफेक्ट लुक देती है. लेकिन इस में ये सब मिस हो गया. आगे से करीना का लुक अच्छा लग रहा था, लेकिन पीछे देखते ही उनके ब्लाउज से झांकती सेफ्टी पिन ने लुक खराब कर दिया।

शादी करने से पहले जान लें आपके पार्टनर में तो नहीं ये बुरी आदतें

प्यार एक खूबसूरत एहसास है। जब भी हम किसी के साथ प्यार के रिश्ते में होते हैं तो कई बड़े सपने देखते हैं। गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड के रिश्ते से हुई शुरुआत शादी तक जाती है। लोग अपने पार्टनर को पहले अच्छे से समझते हैं, और फिर उसके बाद जाकर शादी का फैसला लेते हैं। पार्टनर्स एक-दूसरे से वादा करते हैं कि वो हर मुसीबत में एक-दूजे का साथ देंगे, एक-दूजे की जरूरतों को समझेंगे आदि। लेकिन कई बार पार्टनर्स में कई ऐसी बुरी आदतें होती हैं, जिनकी वजह से शादी के बाद पार्टनर को पछताना पड़ता है। ऐसे में पार्टनर को डेट करते समय अच्छे से जान लेना बेहतर रहता है, समझ लेना चाहिए कि उसके अंदर कौन सी ऐसी आदतें हैं जो शादी के बाद उनके रिश्ते में दरार लाने का काम कर सकती हैं, क्या ऐसी स्थिति में आप अपने शादी के रिश्ते को जिंदगी भर निभाएंगे आदि। इन सब सवालों के जवाब सोचकर ही आपको फैसला लेना चाहिए। तो चलिए जानते हैं उन आदतों के बारे में जो आपकी शादीशुदा जिंदगी को खराब करने का काम कर सकती हैं।

आपके पैसे पर हो नजर

इस दुनिया में जितने ईमानदार लोग हैं, उससे कहीं ज्यादा बुरे लोग हैं। अक्सर हम ऐसे मामलों के बारे में सुनते हैं, जिनमें लोग सिर्फ पैसों के लिए किसी को अपने प्यार के जाल में फंसाते हैं और उसके बाद पैसे लेकर रफू-चक्कर हो जाते हैं। ऐसे में अगर आपका पार्टनर आपसे बार-बार पैसे मांगता है, और आपको वो पैसे वापस नहीं करता है तो भी आपको सावधान रहने की जरूरत है।

शक करना

शक ऐसी बीमारी है, जिसका कोई इलाज नहीं है। शक की वजह से अच्छे-अच्छे रिश्ते तक टूट जाते हैं। इसलिए अगर आपका पार्टनर आप पर शक करता है, तो ये आपकी शादीशुदा जिंदगी के लिए अच्छा नहीं है। आपके मोबाइल को चोरी-छुपे देखना, आपके मैसेज पढ़ना, आपके सोशल मीडिया अकाउंट्स पर नजर बनाए रखना, आपका पीछा करना, आपके दोस्तों को लेकर शक करना आदि। ये सभी आदतें रिश्ते को खराब करने के लिए काफी होती हैं। इसलिए ऐसे व्यक्ति से शादी करने से पहले अपने दिमाग से काम लेना बेहतर विकल्प है।

बेवजह गुस्सा करना

ये बात तो सभी जानते हैं कि जहां प्यार होता है, वहां गुस्सा भी होता है क्योंकि लोग जिसे सबसे ज्यादा प्यार करते हैं उस पर ही ज्यादा गुस्सा भी करते हैं। लेकिन कई लोगों की आदत होती है कि वो बेवजह गुस्सा करते हैं या फिर छोटी-छोटी बातों को लेकर बैठ जाते हैं और फिर हमेशा उनको लेकर अपने पार्टनर पर गुस्सा करते रहते हैं। ऐसे पार्टनर के साथ भला कोई कैसे जिंदगी बिता सकता है।

झूठ बोलना

कहा जाता है कि जहां प्यार होता है, वहां झूठ के लिए कोई जगह नहीं होती। अगर आपका पार्टनर हर बात पर झूठ बोलता है, आपसे चीजें छुपाता है, मिलने अपने दोस्तों से गया था और बताता कहीं और है, अपने काम को लेकर झूठ बोलता है आदि। ऐसी स्थिति में आपको अपने पार्टनर से खुलकर बात करनी चाहिए, और जब आपको लगे तभी शादी का कदम उठाना चाहिए।

हर साल शादी के इंतज़ामों में नए-नए प्रयोग होते हैं, आप अपनी शादी में क्या-क्या कर सकते हैं

हमारे देश में शादी बड़े धूम-धाम से होती है। कई रस्म और रिवाज़ निभाए जाते हैं। यहां कोशिश होती है हर पल को जीने और यादगार बनाने की। रस्मों के बीच छोटी-छोटी हंसी-ठिठोलियां भी यादों में बस जाती हैं। कुछ पल ऐसे भी यादों में क़ैद किए जा सकते हैं जो न सिर्फ़ आपके लिए ख़ास होंगे, बल्कि परिवार के लिए भी अहमियत रखते होंगे। ऐसे ही कई ख़ास पलों को आप भी अपने विवाह में शामिल करके उसे सच्चे अर्थों में शुभ विवाह बना सकते हैं।

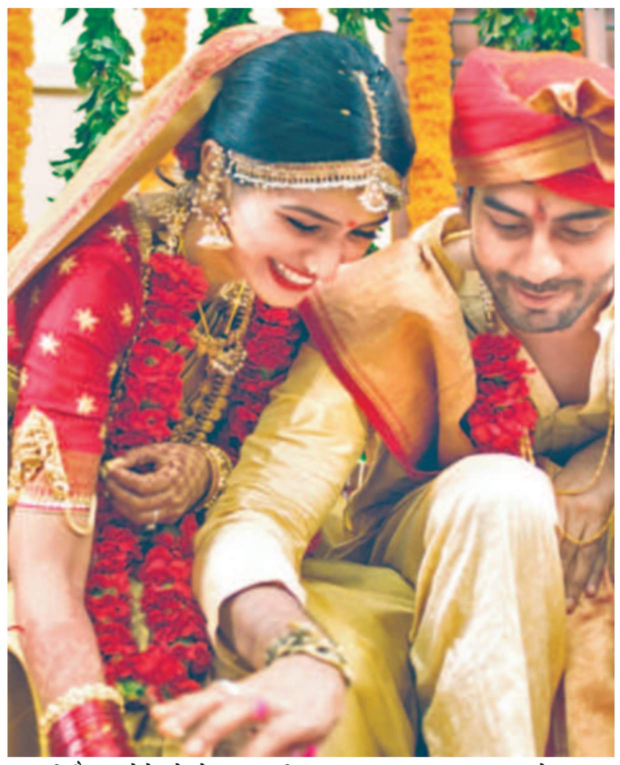

समझदारी की शादी

शादी में दूल्हे का महंगी कार से आना, स्टेज की भारी सजावट, सज्जा में अधिक से अधिक फूलों का प्रयोग या बग्घी में दुल्हन की एंट्री, ये सब देखने में बहुत ख़ूबसूरत और असाधारण लगता है। पर अनावश्यक सजावट और इच्छाओं पर अधिक धन ख़र्च करना भी समझदारी नहीं है। इंतज़ाम ऐसे होने चाहिए जिनमें आकर्षण हो और जेब पर भी भारी न पड़ें। शादी की सजावट हल्की और सुंदर रखें। इसे मिनिमल डेकोरेशन कहते हैं। रही बात दूल्हा और दुल्हन की एंट्री की तो यह जितनी शालीनता से होगी उतनी ही अच्छी लगेगी।

मां की तरह शृंगार

दुल्हन नया लहंगा पहनने के बजाय अपनी मां का लहंगा या साड़ी पहन सकती है जिसे उन्होंने अपनी शादी में पहना था। बिल्कुल उनकी तरह तैयार हो सकती है। उन्होंने जो ज़ेवर अपनी शादी में पहने थे उससे अपना शृंगार पूरा कर सकती है। इसी तरह अगर दूल्हे की क़द-काठी पिता के समान है तो वह उनकी शादी की शेरवानी या सूट पहन सकता है। इससे न केवल शादी ख़ास बनेगी बल्कि माता-पिता को भी अतिरिक्त ख़ुशी मिलेगी।

विरासत में ज़ेवरों से सजें

बचपन में दादी-नानी के ज़ेवरों से सबको लगाव होता है। आप भी पुरानी डिज़ाइन वाले भारी आभूषण यूं ही खेल-खेल में पहनकर देखती होंगी। इन पैतृक आभूषणों को अपनी ज़िंदगी के इस ख़ास अवसर पर पहनें। अगर सिर्फ़ चेन या पायल भी है तो उसे अन्य आभूषणों के साथ ज़रूर पहनें। इससे परिवार को एक अलग ही ख़ुशी मिलेगी। साथ ही यह हमारे द्वारा पूर्वजों को आदर और सम्मान देने का प्रतीक भी होगा।

सुंदर और सादा स्वरूप

कहा जाता है कि सादगी ही सौंदर्य है इसलिए शादी में भारी मेकअप करने के बजाय बहुत हल्का मेकअप करें। आंखों में काजल और हल्के रंग की लिपस्टिक से सादगी के साथ-साथ आकर्षक रूप मिलेगा। साथ में खुली ज़ुल्फ़ें सादगी को और निखारने में मदद करेंगी। अपने रूप के साथ-साथ हाथों की मेहंदी में भी सादगी बनाए रखें।

तस्वीरों में प्रयोग न करें

शादी की रस्मों से लेकर मंडप तक की तस्वीरें पेशेवर फोटोग्राफर लेता है। तरह-तरह के पोज़ बनाकर तस्वीरें लेने के बजाय कैंडिड तस्वीरें लें। इन तस्वीरों की स्वाभाविकता ही इनकी सुंदरता होती है। इसके अलावा अगर आपने विरासत वाले ज़ेवर पहने हैं तो उसकी जो सुंदरता है या जो सुंदर कारीगरी है उसकी तस्वीरें ले सकते हैं। मां की शादी के लहंगे की ख़ूबसूरती भी कैमरे में क़ैद की जा सकती है। ऐसे ही छोटे-छोटे लेकिन ख़ास पलों को विशिष्ट रूप से तस्वीरों में संजो सकते हैं।

घर की शादी का ट्रेंड

घर यादों का संग्रह होता है जहां हम अपनी सारी ज़िंदगी गुज़ारते हैं। इसलिए जब शादी अपने ही घर से होती है तो उन पलों का अहसास और भावनाएं भी अलग ही होती हैं। घर में शादी करने का चलन फिर से लौटा है जिसे इंटिमेट होम वेडिंग कहा जाता है। इस विवाह का आयोजन भव्य तो नहीं होता लेकिन कुछ ख़ास और यादगार इंतज़ाम इसे ख़ास बना देते हैं। इसमें केवल क़रीबी दोस्त और परिजन शामिल होते हैं। अगर आप चाहें तो इंटिमेट होम वेडिंग कर सकते हैं। अन्य दोस्तों और परिजनों को अलग से एक रिसेप्शन दे दें, ताकि वे भी आपकी ख़ुशियों में शामिल हो सकें।

बालों की हर प्रॉब्लम से पाएं छुटकारा, घर पर बनाएं ये हेयर ऑयल्स

सर्दी आते ही ठंड के अलावा हम बालों की समस्या से परेशान हो जाते हैं। कभी बालों का झड़ना, डैंड्रफ या फिर स्कैल्प की दिक्कत, ठंड के मौसम में बनी रहती है। ऐसे में आज भास्कर वुमन लेकर आया है, दो आयुर्वेदिक डॉक्टर्स की एक्सपर्ट एडवाइस, जिससे ठंड में बालों को डैमेज से बचाया जा सकेगा। आयुर्वेदिक डॉ. श्रीललिथा अविनाश और डॉ. सुरभि सक्सेना के बताए टिप्स से इस सर्दी में संवारें अपने बालों की हेल्थ।

तुलसी-ऑलिव ऑयल - तुलसी के पत्ते के औषधीय गुणों ने सदियों से हमें राहत पहुंचाई है। इसके गुणकारी पत्तों की बात करें, तो इनका इस्तेमाल डैंड्रफ दूर करने में होता है। सर्दियों के मौसम में स्कैल्प की समस्या आम हो जाती है। ऐसे में अगर आप तुलसी के पत्तों को पीसकर ऑलिव ऑयल में 15 मिनट तक उबालकर छान लें और हफ्ते में दो से तीन बार इसका इस्तेमाल करें, तो डैंड्रफ की परेशानी से बचा जा सकता है।

अजवाइन-करीपत्ता का तेल - करी पत्ता सेहत के साथ-साथ बालों के लिए भी जबर्दस्त होम रेमेडी है। इसका तेल बनाने के लिए 350 एमएल कोल्ड प्रेस्ड कोकोनट ऑयल को तेज आंच पर गर्म कर लें। जब तेल अच्छी तरह गर्म हो जाए, तब इसमें 50 ग्राम पिसा हुआ करी पत्ता डालें। जब इससे खुशबू आने लगे, तब अजवाइन डालकर धीमी आंच पर पांच से सात मिनट तक पकने दें। अब इसे छननी से छानकर साफ शीशी में रख दें। बेहतर रिजल्ट्स के लिए इसे धूप से बचाकर रखें।

कलौंजी-मेथी तेल - कलौंजी बालों का असमय सफेद होना, झड़ना जैसी समस्याओं से तेजी से लड़ता है। इस ऑयल को बनाने के लिए 3 टेबल स्पून कलौंजी और 3 टेबल स्पून मेथी को पीसकर नारियल तेल में मिला लें। इसे छानकर एयर टाइट डिब्बे में रख लें और सात से आठ दिनों तक इसे धूप दिखाएं और इस्तेमाल करें।

नीम-नारियल का तेल - नीम के पत्ते कई तरह की शारीरिक परेशानियों में राहत पहुंचाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं ये तेल बालों को लंबा और घना बनाए रखने के लिए भी कारगार साबित होता है। 2 कटोरी नीम के पत्तों को 3 दिनों तक धूप में अच्छी तरह सुखा लें। इसका पाउडर बनाकर नारियल तेल में 20 मिनट तक उबाल लें। इस तेल से नीम को छानकर अलग कर दें और शीशी में भरकर इसे 2 दिनों तक अच्छी तरह धूप दिखा लें और इस्तेमाल करें।

लहसुन-सरसों का तेल - सर्दियों के मौसम में लहसुन शरीर में गर्मी बनाए रखने के लिए असरदार साबित होता है। इसके अलावा बालों को लंबा और मजबूत बनाए रखने में भी ये तेल फायदेमंद है। इसके लिए 200 मि.ली. सरसों तेल गर्म करें, उसमें 7 से 8 लहसुन की कलियां और 1 टेबल स्पून मेथी दाना डालकर लाल होने तक पका लें। तेल को ठंडा करके बालों में लगाएं, फायदा मिलेगा।

यहां सर्दियों में -50 डिग्री तापमान को भी सामान्य माना जाता है, इतनी भीषण ठंड में भी बच्चे जाते हैं पढ़ने

ओम्याकोन 500 लोगों की आबादी वाला एक छोटा गांव है। साल 1930 से पूर्व इस स्थान पर कोई नहीं रहता था। इसी वर्ष रूस की सेना की टुकड़ी को यहां तैनात किया गया था। बाद में रूस ने ये जगह ख़ानाबदोशों को दे दी और वे लोग यहां अपना घर बनाकर रहने लगे। सर्दियों में सामान्यतः ओम्याकोन का तापमान आमतौर पर माइनस 50 डिग्री सेल्सियस होता है। यहां शीत ऋतु ठंडी तो होती ही है, लम्बी भी होती है। जून-जुलाई माह में यहां ग्रीष्म ऋतु होती है, तब तापमान में बढ़ोतरी होती है। कठोर जलवायु के बावजूद लोग यहां पूरे सालभर रहते हैं। बच्चों को भी तापमान के अनुरूप प्रशिक्षित किया जाता है। -50 डिग्री सेल्सियस तापमान में भी बच्चे विद्यालय जाते हैं, लेकिन उसमें और गिरावट आने पर विद्यालयों में ताले लग जाते हैं। यहां इस क़दर बर्फ़बारी होती है कि बाहर निकलने वाले लोगों की पलकों तक पर बर्फ़ जम जाती है। इस स्थान पर अब तक का न्यूनतम तापमान -71.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। अत्यधिक ठंड होने के कारण यहां कोई फ़सल नहीं उगाई जाती है। रहवासी भोजन के लिए अधिकांश समय मांसाहार पर निर्भर रहते हैं। तापमान में गिरावट आते ही यहां गाड़ियों के इंजन को पूरे समय चलाया जाता है, यानी गाड़ी बंद नहीं की जाती है। यहां ज़मीन स्थायी रूप से जमी हुई ही रहती है। भयंकर ठंड के प्रकोप से बचने में कोयला व लकड़ियां लोगों के काम आती हैं। कहा जाता है कि गांव में यदि किसी की मृत्यु हो जाए तो मृत व्यक्ति को दफ़नाने में ही दो से तीन दिन का समय लग जाता है। कोयले को जलाकर बर्फ़ पिघलाने व क़ब्र खोदने में ख़ूब समय लगता है। बेहद सर्द होने के कारण दूर-दूर से पर्यटक यहां ठंड को महसूस करने आते हैं, जिससे स्थानीय निवासियों की कमाई होती है।

उत्तर-पूर्वी रूस में स्थित ओम्याकोन पृथ्वी पर स्थित सबसे सर्द गांवों में से एक

परिवार के साथ रहने से सर्वाधिक खुशी मिलती है

यदि आप अपने परिवार के सदस्यों के काफी करीब हैं और सब साथ में बैठकर हंसी-मजाक के बीच चाय की चुस्कियां लेते या साथ में खाना खाते हैं, तो आप सबसे ज्यादा खुशी महसूस करेंगे। परिवार या दोस्तों का साथ ही आपकी खुशी का सबसे बड़ा राज है। एक सर्वे में यह बात सामने आई है।

करीब दो हजार लोगों पर यह सर्वे ऑस्ट्रेलिया स्थित कंपनी बुपा केयर होम्स ने किया है। ऑस्ट्रेलिया के अलावा यह कंपनी यूके, स्पेन और न्यूजीलैंड में भी काम कर रही है। बुपा केयर होम्स के सर्वे में शामिल 80 फीसदी लोगों ने स्वीकार किया कि अपने परिवार के लोगों और दोस्तों के साथ अच्छी रिलेशनशिप उनकी खुशी का सबसे बड़ा कारण है।

हालांकि 10 में से 6 लोगों ने माना कि उन्हें अपने परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताने के लिए कुछ स्ट्रगल करना पड़ता है। एक चौथाई लोगों ने माना कि उन्हें अपने परिवार के साथ समय बिताने की खुशी पाने के लिए 6 महीने में एक बार ही मौका मिल पाता है। सर्वे कंपनी बुपा केयर होम्स के मैनेजिंग डायरेक्टर जॉन इलियट कहते हैं कि हमने लोगों से यह जानने की कोशिश की कि उन्हें किस बात से सबसे ज्यादा खुशी मिलती है। उनमें से ज्यादातर का यही कहना था कि परिवार, मित्र और समाज के लोगों से मेल-मिलाप, ये सभी खुशी पाने में बड़ी भूमिका निभाते हैं।

हड्डियों से आवाज आती है तो हो जाएं सावधान

ऑस्टियोपोरोसिस, कार्टिलेज की बीमारी का खतरा, बढ़ता वजन, बढ़ती उम्र है वजह

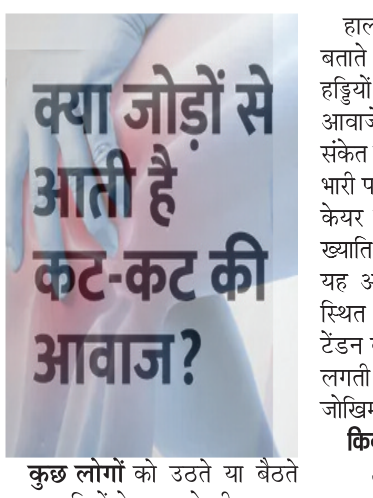

कुछ लोगों को उठते या बैठते समय हड्डियों के चटकने की आवाज आती है। यह हड्डियों की कमजोरी की निशानी है। अक्सर लोगों के उठते या बैठते समय घुटने, एड़ी या फिर अन्य जोड़ों से चटकने की आवाज सुनाई देती है। हड्डियों के चटकने की इस स्थिति को मेडिकल की भाषा में क्रेपिटस कहा जाता है।

हालांकि अभी तक हुए शोध यह बताते हैं कि कई बार घुटनों या हड्डियों के रोग से पीड़ित लोगों में ये आवाजें समस्या की शुरुआत का संकेत हैं इसलिए इसे अनदेखा करना भारी पड़ सकता है। प्रत्यक्ष मेडिकल केयर दिल्ली की फिजियो थेरेपिस्ट ख्याति शर्मा के मुताबिक, कई बार यह आवाज हमारे जोड़ों के बाहर स्थित मसल्स के लिगामेंट्स या टेंडन की रगड़ की वजह से भी होने लगती है। इसे नजर अंदाज करना जोखिम भरा हो सकता है।

किन लोगों को होती है घुटनों से आवाज आने की समस्या

घुटनों या जोड़ों से कट-कट आवाज आने की परेशानी ज्यादातर उम्र दराज लोगों को होती है। इस प्रॉब्लम का कारण घुटने का सरफेस चिकना होने की जगह खुरदुरा हो जाता है। इस समस्या को कार्टिलेज की बीमारी कहा जाता है। कार्टिलेज के किसी भी वजह से खुरदुरा होने पर घुटनों से इस प्रकार की आवाज आनी शुरू होती है। हड्डियों के बीच की चिकनाई खत्म होने की वजह से आवाज सुनाई देती है। घुटनों और जोड़ों के बीच की चिकनाई खत्म हो जाने की वजह से ही गठिया जैसे रोग जन्म लेते हैं। घुटनों, जोड़ों या हड्डियों के चटकने की आवाज आने पर ऑस्टियोपोरोसिस की भी समस्या हो सकती है। यह बीमारी गठिया से ही जुड़ी हुई मानी जाती है। इस स्थिति को नजरअंदाज करने से जोड़ या घुटने क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। इस बीमारी के ज्यादा समय तक बने रहने से चलने फिरने में भी तकलीफ शुरू होती है। घुटनों से जुड़ी बीमारियों का जन्म यहीं से होता है और इस स्थिति को नजरअंदाज करने से घुटने की सर्जरी भी करनी पड़ सकती है।

हड्डियों या घुटनों के चटकने का कारण

ज्यादातर लोगों में तो यह बीमारी अधिक उम्र के बाद ही देखने को मिलती है, लेकिन कभी-कभी कम उम्र के लोगों को भी इस बीमारी से जूझना पड़ सकता है। इस प्रॉब्लम की सबसे कॉमन वजह बढ़ती उम्र और वजन का अधिक होना है। कम उम्र के लोगों में यह समस्या अधिक वजन होने की वजह से भी होती है। वजन बढ़ने के साथ-साथ शरीर में कैल्शियम की कमी से भी हड्डियों में कमजोरी और घुटनों तथा जोड़ों के चटकने की आवाज आती है। जोड़ों की चिकनाई खत्म होने और वजन बेकाबू होने से यह समस्या कम उम्र के लोगों में भी देखने को मिलती है। इस समस्या को नजरअंदाज करने से ऑस्टियोआर्थराइटिस जैसी गंभीर समस्या जन्म ले सकती है।

इस समस्या के कैसे बचें

इस समस्या से बचने के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है हमारे वजन का बीएमआई के अनुपात में होना। बीएमआई का सही अनुपात होने पर इस समस्या के होने का खतरा कम हो जाता है। रोजाना एक्सरसाइज, संतुलित खानपान और वजन को संतुलित रखने से इस समस्या से नहीं जूझना पड़ता। इसके अलावा अपनी रोजाना की डाइट में कुछ कैल्शियम युक्त फूड आइटम शामिल कर हड्डियों को मजबूत बना सकते हैं, जिसके बाद इस समस्या के होने का खतरा कम हो जाता है। घुटने और जोड़ों में होने वाली चटकने की आवाज को अनदेखा करना गठिया जैसी बीमारी को जन्म दे सकता है। इस प्रकार की समस्या होने पर चिकित्सक से परामर्श जरूर करें। हड्डियों को मजबूत करने के लिए डेली डाइट में कैल्शियम रिच डाइट जैसे मिल्क प्रोडक्ट्स जरूर शामिल करें।

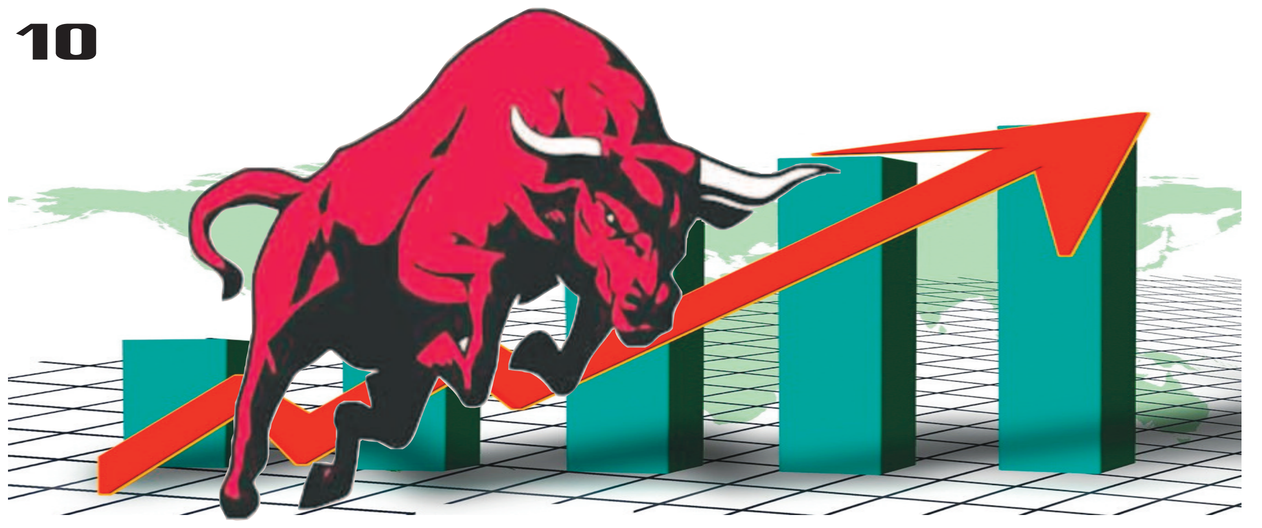

29 नवंबर को दोबारा लॉन्च होगा ट्विटर ब्लू

सैन फ्रांसिस्को, 16 नवंबर (एजेंसियां)। ट्विटर की ब्लू सब्सक्रिप्शन सर्विस 29 नवंबर को दोबारा लॉन्च होगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के नए बॉस एलन मस्क ने इसका ऐलान किया। मस्क ने कहा, यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह रॉक सॉलिड है, 29 नवंबर को ब्लू वेरिफाइड को रिलॉन्च किया जा रहा है। इससे पहले एलन मस्क ने कहा था कि इस हफ्ते के आखिर तक इस सर्विस को रीलॉन्च किया जाएगा। ब्लू चेक मार्क पहले राजनेताओं, प्रसिद्ध हस्तियों, पत्रकारों और अन्य सार्वजनिक हस्तियों के वेरिफाइड अकाउंट के लिए रिजर्व था। अब इसे ब्लू सब्सक्रिप्शन सर्विस में जोड़ा गया है। कोई भी व्यक्ति पेमेंट कर इस ब्लू चेक मार्क को ले सकेगा।

हाल ही में इस सर्विस को कुछ देशों में 8 डॉलर प्रति महीने की कॉस्ट पर लॉन्च किया गया था, लेकिन फेक अकाउंट के बढ़ने के चलते इसे होल्ड कर दिया गया।

पेड वेरिफिकेशन फीचर के रोल आउट होते ही ट्विटर पर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसी मशहूर हस्तियों के कई फर्जी अकाउंट सामने आ गए। कई कंपनियों के भी फेक अकाउंट बनाए गए जिसका असर उस कंपनी के शेयर पर पड़ा। कुछ ने गेमिंग कैरेक्टर 'सुपर मारियो' और बास्केटबॉल खिलाड़ी लेब्रोन जेम्स के भी फर्जी अकाउंट बनाए थे। भारत में कुछ ट्विटर यूजर्स को 10 नवंबर की रात ब्लू सब्सक्रिप्शन के लिए एपल ऐप स्टोर पर पॉप-अप मिला। इसमें ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन की मासिक कीमत 719 रुपए बताई गई।

जॉनसन को पाउडर बनाने की इजाजत, बिक्री की नहीं

बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा-मुलुंड प्लांट में प्रोडक्शन कर सकते हैं; लेकिन अपने रिस्क पर

बेबी पाउडर के सैंपल की फिर से जांच के आदेश

मुंबई, 16 नवंबर (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को जॉनसन एंड जॉनसन को खुद के रिस्क पर महाराष्ट्र के मुलुंड प्लांट में अपना बेबी पाउडर बनाने की परमिशन दी। हालांकि, कंपनी फिलहाल इसका डिस्ट्रीब्यूशन और सेल नहीं कर सकेगी। स्टेट फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने इस पर रोक लगा रखी है। जस्टिस एस वी गंगापुरवाला और जस्टिस एस जी डिगे की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है।

हाईकोर्ट ने जॉनसन एंड जॉनसन के बेबी पाउडर के सैंपल की फिर से जांच करने का भी आदेश दिया, जिसे दो हफ्ते के भीतर पूरा किया जाना है। एफडीए को ये सैंपल लेकर री-टेस्टिंग के लिए दो सरकारी लेबोरेटरी और एक प्राइवेट लेबोरेटरी में देना होगा। कोर्ट अभी कंपनी की उस याचिका पर सुनवाई कर रही है जिसमें उसके बेबी पाउडर मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस को कैंसिल करने के सरकारी आदेश को चुनौती दी गई है।

कंपनी को रोजाना 2.5 करोड़ का नुकसान

कंपनी ने अपनी याचिका में कहा था कि फरवरी, मार्च और सितंबर 2022 के 14 रैंडम बैचों का एक इंडिपेंडेंट टेस्टिंग लेबोरेटरी ने टेस्ट किया था और वे सभी निर्धारित पीएच मान के भीतर ठीक पाए गए। कंपनी ने कहा कि वह पिछले 57 वर्षों से अपने मुलुंड प्लांट में बेबी पाउडर बना रही है और इसका लाइसेंस जनवरी 2020 में रिन्यू किया गया था। दावा किया कि लाइसेंस रद्द होने के कारण उसे रोजाना 2.5 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है।

सरकार ने किया था लाइसेंस कैंसिल

सरकार ने एफडीए की एक रिपोर्ट के बाद 'सार्वजनिक हित' का हवाला देते हुए कंपनी का लाइसेंस कैंसिल कर दिया था। रिपोर्ट में पाया गया था कि कंपनी के मुलुंड प्लांट में बने बेबी पाउडर का सैंपल 'स्टैंडर्ड क्वालिटी का नहीं' था। एफडीए ने कंपनी का लाइसेंस 15 सितंबर को कैंसिल कर दिया था और बाद में कंपनी को उस प्रोडक्ट के स्टॉक को बाजार से वापस मंगाने का भी निर्देश दिया था।

2018 में क्वालिटी चेक के लिए लिए थे सैंपल

दिसंबर 2018 में, एक औचक निरीक्षण के दौरान, एफडीए ने क्वालिटी चेक के लिए पुणे और नासिक से जेएण्डजे के टैल्क-आधारित बेबी पाउडर के नमूने लिए थे। मुलुंड प्लांट में निर्मित नमूने को 'स्टैंडर्ड क्वालिटी का नहीं' घोषित किया गया था। 2019 में आए टेस्ट के रिजल्ट में कहा गया था कि 'सैंपल आईएस 5339: 2004 (सेकेंड रिविजन अमेंडमेंट नंबर 3) टेस्ट pH में शिशुओं के लिए त्वचा पाउडर के स्पेसिफिकेशन का अनुपालन नहीं करता है।' बाद में, कंपनी को ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के तहत कारण बताओ नोटिस दिया गया था। लेकिन कंपनी ने रिजल्ट को चुनौती दी और फिर से टेस्ट की मांग की, जिसे तब सेंट्रल ड्रग टेस्टिंग लेबोरेटरी (सीडीटीएल), कोलकाता को भेजा गया था। महाराष्ट्र सरकार ने अपने जवाब में हाईकोर्ट को बताया था कि उपभोक्ता का स्वास्थ्य और कल्याण सबसे महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार ने दावा किया था कि अगर वह ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट और लोगों के स्वास्थ्य के लिए सुरक्षा उपायों को निर्धारित करने वाले नियमों के प्रावधानों को लागू करने में विफल रहती है तो यह उसकी ओर से एक बड़ी विफलता होगी।

बेबी टैल्कम पाउडर बेचना बंद करेगी जेएण्डजे

बीते दिनों जॉनसन एंड जॉनसन ने कहा था कि 2023 तक पूरी दुनिया में अपने बेबी टैल्कम पाउडर को बेचना बंद कर देगी। जेएण्डजे का टैल्कम पाउडर अमेरिका और कनाडा में 2020 में ही बंद हो चुका है। अब कंपनी टैल्क बेस्ड पाउडर की जगह कॉर्न स्टार्च बेस्ड पाउडर बेचेगी। दरअसल, दुनियाभर में दावे किए जाते रहे हैं कि इस बेबी पाउडर के इस्तेमाल से कैंसर होने का खतरा रहता है। कैंसर की आशंका वाली रिपोर्ट सामने आने के बाद प्रोडक्ट की बिक्री में भी भारी गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि कंपनी ने हमेशा इस पाउडर को सेफ बताया।

जेएण्डजे ने कहा था 'उसने अपने पोर्टफोलियो का असेसमेंट करने के बाद अपने सभी बेबी पाउडर प्रोडक्ट को टैल्कम पाउडर के बजाय कॉर्नस्टार्च का इस्तेमाल करके बनाने का कॉमर्शियल डिसीजन लिया है।' फर्म ने कहा था कि कॉर्नस्टार्च आधारित बेबी पाउडर पहले से ही दुनिया के कई देशों में बेचा जा रहा है।

जॉनसन एंड जॉनसन 60 से ज्यादा देशों में अपने प्रोडक्ट तैयार करती है जबकि इसकी करीब 250 सब्सिडियरी हैं। इसके प्रोडक्ट 175 से ज्यादा देशों में बेचे जाते हैं। भारत में इसका कॉम्पिटिशन डाबर, हिन्दुस्तान यूनिलीवर और हिमालय जैसे ब्रांड से है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

शनि १०, सूर्य, बुध ८, शुक्र, केतु ७, ६, ११, ५, गुरु १२, राहु १, मंगल २, ३, ४

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	वृश्चिक	में
चंद्र-	सिंह	में
मंगल	वृष	में
बुध-	वृश्चिक	में
गुरु-	मीन	में
शुक्र-	वृश्चिक	में
शनि-	मकर	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारंभ समय		
वृश्चिक.	04-13	बजे
धनु---	06-23	बजे
मकर-	08-36	बजे
कुंभ -	10-42	बजे
मीन...	12-33	बजे
मेष--	14-11	बजे
वृष--	15-47	बजे
मिथुन..	17-32	बजे
कर्क...	19-33	बजे
सिंह...	21-44	बजे
कन्या..	23-57	बजे
तुला	02-07	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत- 2079
शक संवत् -1944, कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426878
कलियुग संवत -5123 वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् -1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885123
महावीर निर्वाण संवत -2549, हिजरी सन् -1443
ऋतु हेमन्त दिशाशूल- दक्षिण -...
तिथि- अष्टमी - 07-57 तक उपरान्त नवमी
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष, गुरुवार Nov 17
नक्षत्र - मघा - 21 - 20 - तक उपरान्त पूर्वफाल्गुनी
योग - ऐन्द्र - 25 - 23 - तक उपरान्त
करण - कौलव-07 - 57 - तक उप- तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार - मूसल योग

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:25 से 14:50 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06:23 - 07:48	शुभ	अमृत	17:39 - 19:14	शुभ
रोग.	07:48 - 09:12	अशुभ	चंचल	19:14 - 20:50	शुभ
उत्पात	09:12 - 10:36	अशुभ	रोग	20:50 - 22:26	अशुभ
चंचल	10:36 - 12:01	शुभ	काल	22:26 - 00:01	अशुभ
लाभ	12:01 - 13:25	शुभ	लाभ.	00:01 - 01:37	शुभ
अमृत	13:25 - 14:50	शुभ	उत्पात	01:37 - 03:12	अशुभ
काल	14:50 - 16:14	अशुभ	शुभ	03:12 - 04:48	शुभ
शुभ	16:14 - 17:36	शुभ	अमृत	04:48 - 06:26	शुभ

आपका राशिफल

मेष आज के दिन कोई शुभ समाचार मिल सकता है दैनिक लाभ में बढ़ोतरी होने के संकेत हैं। घर-परिवार के माहौल में आज असहमति रह सकती है फिर भी आप लोगों का सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। आज मीठा ज्यादा खाने को मिल सकता है। खान-पान पर थोड़ी सावधानी बरतें।

वृष परिवार में आज किसी खास व्यक्ति के आगमन से खुशी का माहौल बन जायेगा। व्यवसायिक लोगों के लिये दिन उत्तम रहेगा तथा व्यावसायिक यात्रा से लाभ के संकेत हैं। दोपहर बाद कोई नई आशा का संचार आप मन में महसूस करेंगे। जो कि आपके कार्य प्रणाली में मदद कर सकती है।

मिथुन आज दिन सामान्य व्यतीत होने वाला है। काम-काज का दबाव आप पर बना रहेगा। आज सोच विचार करके ही किसी बड़े कार्य में हाथ डाले, चाहे आप व्यवसायिक हो या नौकरी पेशा हो, अन्यथा किसी कानूनी विवाद में आप उलझ सकते हैं। वैवाहिक जीवन में किसी बात को लेकर कड़वाहट बढ़ सकती है।

कर्क नाते-रिश्तेदारों का पूर्ण सहयोग आज आपको प्राप्त होने की संभावना है। घर-परिवार में शांति बढ़ेगी तथा आपके दिये गये योगदान को प्रसन्नता बढ़ेगी, कुटुम्ब में आपकी राय मानी जायेगी। घर में साज-सज्जा के सामान खरीद सकते हैं। यदि नौकरी पेशा हैं तो कार्य क्षेत्र में प्रसन्नता तथा मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

सिंह आज प्रातः से ही मन प्रसन्न रहेगा। आज अविवाहितों के लिये विवाह के प्रस्ताव आ सकते हैं यदि आप मार्केटिंग में हैं तो आज की गई यात्राएं आपको लाभकारी सिद्ध होंगी। खेलकूद के क्षेत्र में जो लोग हैं उनके लिये भी आज दिन उत्तम है। यदि आपकी उम्र कम है तो वजन बढ़ने की समस्या आपको सता सकती है।

कन्या संतान संबंधी कई सारे निर्णयों को लेकर आज दिन की शुरुआत होगी, जिसे आप पूर्ण करने में जुट जायेंगे। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता आज बनी रहेगी तथा किसी नये चिकित्सक से सलाह लेने की आवश्यकता पड़ सकती है। आज धैर्य से काम लेवें अन्यथा कोई गलत निर्णय होने के संकेत हैं।

तुला आज का दिन आपकी प्रतिभा के प्रदर्शन के लिए उत्तम है। जो लोग अपने खास हुनर में माहिर हैं आज उनके हुनर की ख्याति के बढ़ने के संकेत हैं। जो व्यवसायी यदि कार्यक्षेत्र में हैं तो उनके लिये दिन आज लाभ का रहेगा। जमीन-जायदाद संबंधी क्रय-विक्रय के बारे में भी विचार कर सकते हैं।

वृश्चिक यदि आप अपने पुश्तैनी कामकाज से जुड़े हैं तो उसके लिये समय लाभदायक है तथा कामकाज को आगे बढ़ाने के लिये आप कूटनीति भी अपना सकते हैं। आज का दिन यात्रा के लिये शुभ नहीं है। खर्च की अधिकता आज बनी रह सकती है। संतान के लिये दिन आज मिला-जुला रहेगा।

धनु आज का दिन बहुत शुभ है। यदि आप प्रेम संबंध में हैं तो दिन भर आज आप मौजमस्ती के मूड में रहेंगे। कोई नया संबंध आज आपके जीवन में दस्तक दे सकता है। यदि आप नौकरी पेशा हैं तो आज अचानक बहुत सारे नये कार्य का दबाव बन सकता है। जिसे धीरे-धीरे पूर्ण करने में आप जुट जायेंगे।

मकर आज समय सुधार पर है। आज किसी पुराने रोग में सुधार दिखाई देगा। जिससे मन प्रसन्न रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य आज दोपहर से पहले पूर्ण कर लें, दोपहर बाद चंद्रमा अनुकूल नहीं रहेंगे। आज के दिन किसी बहस-बाजी में ना पड़ें अन्यथा रिश्तों में दरार आ सकती है।

कुंभ कई कार्य आपको दूसरों की खुशी के लिये करने पड़ सकते हैं जिसमें आपकी सहमति नहीं होगी। किसी बात का खुलासा आज के दिन हो सकता है जिस पर यकीन करना मुश्किल होगा। संतान के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी रह सकती है। जो लोग ठेकेदारी के व्यवसाय में हैं उनके लिये व्यवसाय में लाभ की स्थिति बन रही है।

मीन आज दिन मिला-जुला रहेगा। ऋण भुगतान की चिंता आज हावी रहेगी। बहुत प्रयास करने पर भी धन की व्यवस्था नहीं हो पायेगी। कोई नियम विरुद्ध कार्य न करें नहीं तो बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। कुछ निजी रिश्तों में भी आज के दिन अनबन बनी रह सकती है।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

सात महीने के ऊंचे स्तर पर सोना

मुंबई, 16 नवंबर (एजेंसियां)। सोने में एक बार फिर तेजी देखी जा रही है। यह 7 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। मंगलवार को 24 कैरेट सोने की कीमत 52,877 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। इससे पहले इसी साल 20 अप्रैल को सोना 52,752 रुपए पर था। एनालिस्ट के मुताबिक देश में लाखों की तादाद में शादियां और डॉलर कमजोर होने से सोने में तेजी देखी जा रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के आंकड़ों के मुताबिक, 3 नवंबर को सोने की कीमत घटकर 50,114 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गई थी। इस हिसाब से बीते सात दिन में सोना 2,763 रुपए महंगा हो गया। 5,6 और 8 नवंबर को सर्राफा बाजार बंद था। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया ने कहा कि मौजूदा हालात सोने के पक्ष में है। अगले साल जनवरी तक यह तेजी जारी रह सकती है।

108 साल पुराने हिंदुजा ग्रुप का बंटवारा इसी महीने

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन के सबसे अमीर कारोबारी घरानों में एक हिदुजा परिवार की राहें अब जुदा होने वाली है। दरअसल, 108 वर्ष पुराने हिंदुजा ग्रुप के बंटवारे की डेडलाइन तय हो गई है। ग्रुप का कुल नेट वर्थ 14 अरब डॉलर है। हिंदुआ भाइयों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। हिंदुजा बंधुओं में सबसे बड़े 86 वर्षीय श्रीचंद हिंदुजा के वकीलों हाल ही लंदन की एक अदालत को बताया है कि परिवार 2014 के एक आपसी करार को समाप्त करने के लिए सहमत हो गया है। इस बाबत परिवार के बीच समझौता बीते 30 जून 2022 को हुआ था। सूत्रों के अनुसार इसी आधार पर इसी महीने यानी नवंबर में ही पारिवारिक बिजनेस के बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। अगर नवंबर महीने में बंटवारा फाइनल नहीं किया गया तो एक बार फिर यह मामला अदालत तक पहुंच सकता है। हिंदुजा ग्रुप के पास दर्जनों कंपनियों का स्वामित्व है, जिनमें से छह लिस्टेड कंपनियां हैं। भारत में बैंकिंग कारोबार से जुड़े इंडसइंड बैंक का स्वामित्व भी हिंदुजा ग्रुप के पास है। इसके अलावे कमर्शियल वाहनों के बड़े निर्माता अशोक लिलैंड नाम की कंपनी का स्वामित्व भी हिंदुजा ग्रुप के ही पास है।

हिंदुजा परिवार के बीच जारी विवाद का कारण 2014 में हुआ एक पारिवारिक समझौता है। समझौते में कहा गया था कि परिवार का सबकुछ प्रत्येक व्यक्ति से संबंधित है और कुछ भी किसी से भी संबंधित नहीं है। इस समझौते पर परिवार के चारों भाइयों ने हस्ताक्षर किया था। हालांकि, समझौते के कुछ वर्षों बाद ही सबसे बड़े भाई श्रीचंद हिंदुजा की बेटियों शानू और वीनू ने इसे चुनौती दे दी। उसके बाद श्रीचंद हिंदुजा अपने भाइयों जीपी हिंदुजा, पीपी हिंदुजा और एपी हिंदुजा के खिलाफ कोर्ट पहुंच गए। यह मामला समझौते की वैधता से संबंधित था।

वहीं दूसरी ओर, तीन छोटे

एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती धारावी की बदलेगी किस्मत

20 हजार करोड़ में कायाकल्प के लिए 3 कंपनियों ने लगाई बोली

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई में स्थित एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती धारावी की किस्मत बदलने वाली है. धारावी का कायाकल्प करने के लिए स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी ने कदम उठाने शुरू कर दिए हैं. एसआरए का कहना है कि धारावी के पुनर्विकास के लिए तीन कंपनियों ने रुचि दिखाई है और इसके विकास के लिए 20,000 करोड़ रुपये से अधिक लागत की बोलियां मिली हैं।

महाराष्ट्र स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी ने धारावी के रिडेवलपमेंट के लिए निविदाएं 1 अक्टूबर, 2022 को आमंत्रित की थी. टेंडर भरने की अंतिम तारीख पहले 31 अक्टूबर थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 15 नवंबर कर दिया गया था. धारावी रिडवलपमेंट प्रोजेक्ट के सीईओ एसवीआर श्रीनिवास का कहना है कि अभी तक हमें धारावी रिहेबिलिटेशन प्रोजेक्ट के लिए 3 बोलियां मिली हैं।

16 नवंबर को खुलेगा टेंडर

मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट के अनुसार, 16 नवंबर को टेंडर खुलने की उम्मीद है. टेंडर खुलने के बाद बाद तकनीकी और वित्तीय योग्यता के आधार पर इनकी जांच की जाएगी. भारत, संयुक्त अरब अमीरात और दक्षिण कोरिया की आठ कंपनियों ने 11 अक्टूबर को आयोजित बोली-पूर्व बैठक में धारावी के पुनर्विकास में रुचि दिखाई है. इससे पहले, दो कंपनियों ने परियोजना में रुचि दिखाई थी. लेकिन अक्टूबर 2020 में पिछली राज्य सरकार ने तकनीकी आधार पर निविदा को रद्द कर दिया था।

56 हजार परिवारों का करना है पुनर्वास

महाराष्ट्र सरकार का लक्ष्य धारावी पुनर्निमाण परियोजना की बोली प्रक्रिया को इस साल के अंत तक पूरा करने का है. धारावी में रहने वाले 56 हजार परिवारों का पुनर्वास होगा. जिस भी कंपनी को यह टेंडर मिलेगा, उसे यह काम सात साल की अवधि में करना होगा. झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले प्रत्येक परिवार को घर 405 वर्ग फुट कारपेट एरिया के साथ मिलेगा. इस परियोजना के तहत चार मंजिला बिल्डिंग बनाई जाएगी। 1 नवंबर को मनीकंट्रोल के साथ एक विशेष साक्षात्कार में सीईओ श्रीनिवास ने कहा था कि धारावी में पुनर्विकास के बाद अगला बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स बनने की क्षमता है. धारावी में अगले 17 वर्षों में एक करोड़ वर्ग फुट से अधिक जगह निर्माण होने की संभावना है. इसमें से 70-80 लाख वर्ग फुट का निर्माण पुनर्वास के लिए किया जाएगा. बाकी बचा हिस्सा बेचा जाएगा।धारावी असंगठित और लघु उद्योगों का केंद्र है. यहां दवा, चमड़ा, जूते और कपड़े बनाने की सैकड़ों इकाइयों काम करती हैं. यहां की आबादी करीब 10 लाख है और यह दुनिया की सबसे घनी आबादी वाली झुग्गी बस्तियों में से एक है।

कारों के लिए 22 महीने तक की वेटिंग

पेट्रोल-डीजल कारों का उत्पादन बढ़ाने के लिए 21,000 करोड़ खर्च करेंगी ऑटो कंपनियां

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। इलेक्ट्रिक कारें भविष्य का ट्रांसपोर्ट हो सकती हैं, लेकिन पेट्रोल-डीजल कारों की डिमांड कम नहीं हुई है। बड़ी घरेलू कंपनियां पारंपरिक कारों का उत्पादन बढ़ाने पर 21,000 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च करने वाली हैं। मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, किआ मोटर्स, ह्युंडई, टोयोटा जैसी कंपनियां पेट्रोल-डीजल कारों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने में जुटी हैं।

पेट्रोल-डीजल कारों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर 20 हजार करोड़ खर्च करेंगी कंपनियां

ऐसी कारों की डिमांड का हाल ये है कि इनके लिए 20-22 महीने की वेटिंग चल रही है। 8 लाख से ज्यादा कारों की डिलीवरी पेंडिंग है। इसमें 99% पेट्रोल-डीजल कारें हैं। इसीलिए मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर्स के मुताबिक, ये कंपनियां पेट्रोल-डीजल कारों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर करीब 20 हजार करोड़ खर्च करेंगी। महिंद्रा एंड महिंद्राः अगले एक-डेढ़ साल में एसयूवी मैन्युफैक्चरिंग क्षमता बढ़ाकर सालाना 6 लाख करेगी। अभी कंपनी हर साल 3-3.5 लाख एसयूवी बनाती है। उत्पादन बढ़ाने के लिए कंपनी 3 साल में 8,000 करोड़ रुपए खर्च करेगी।

अप्रैल-सितंबर के बीच देश में 18,142 ईवी बिकीं। दूसरी तरफ इसी दौरान 19,36,740 कारें बिकीं। नई कारों की बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी सिर्फ 0.93% रही।

62, 000 के नीचे निपटा सेंसेक्स, निफ्टी फ्लैट बंद, मेटल सेक्टर को सबसे ज्यादा नुकसान

मुंबई , 16 नवंबर (एजेंसियां)। दिनभर जारी उतार-चढ़ाव के बीच सेंसेक्स फ्लैट-टू-पॉजिटिव क्षेत्र में बंद हुआ. सेंसेक्स ने दिन के कारोबार के दौरान 62,000 अंक के स्तर को पार कर लिया, लेकिन उस निशान के ठीक नीचे बंद हुआ, सेंसेक्स के लिए एक नया लेवल हो सकता था. सेंसेक्स 107 अंक बढ़कर 62,000 से 20 अंक नीचे 61,980 पर बंद हुआ. निफ्टी महज 6 अंक की बढ़त के साथ 18,409 पर बंद हुआ. मेटल, मीडिया और रियल्टी में सबसे अधिक गिरावट के साथ अधिकांश सेक्टोरल इंडेक्स बुधवार को लाल रंग में समाप्त हुए, जबकि बैंक और आईटी इंडेक्स मजबूत रहे. अपोलो हॉस्पिटल्स, अडानी पोर्ट्स, हिंडाल्को और बजाज फाइनेंस में सबसे ज्यादा गिरावट आई. कोटक बैंक ने 2.5%, जबकि कोल इंडिया ने 1% से थोड़ा अधिक जोड़ा. एचडीएफसी और एचयूएल को भी अच्छा लाभ हुआ. इस बीच, बीकाजी फूड्स और ग्लोबल हेल्थ (मेदांता) ने एक्सचेंजों पर जोरदार शुरुआत की. यूक्रेन-रूस युद्ध की स्थिति पर निवेशकों ने पैनी नजर रखी, पोलैंड कथित तौर पर रूसी मिसाइलों द्वारा मारा जा रहा था।

बैंक के अगले सीईओ नहीं होंगे उदय कोटक के बेटे जय

छह महीने में होगा नए मुखिया का चुनाव

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई स्थित कोटक महिंद्रा बैंक ने अपने नए सीईओ की तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल उदय कोटक बैंक के सीईओ का कार्यभार संभाल रहे हैं। पर आरबीआई के नियमों के तहत उन्हें अपना पद जल्द छोड़ना है। इस बीच यह भी साफ हो गया है कि अगले सीईओ उदय कोटक के बेटे जय कोटक नहीं होंगे और यह जिम्मेदारी कोई दूसरा शख्स संभालेगा। बैंक के एक शीर्ष अधिकारी की ओर से यह साफ कर दिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कोटक महिंद्रा बैंक में नए सीईओ की नियुक्ति के लिए छह महीने का समय तय किया गया है। इसका मतलब साफ है कि अगले छह महीनों के दौरान नया सीईओ उदय कोटक की जगह बैंक की कमान संभाल लेगा। हालांकि उदय कोटक के बेटे जय कोटक नए सीईओ नहीं हो यह साफ कर दिया गया है। कोटक महिंद्र बैंक के पूर्णकालिक निदेशक केवीएस मणियन ने कहा है कि बैंक के संस्थापक जय कोटक का नाम सीईओ के रेस में नहीं है। उन्होंने कहा है कि जय कोटक अभी युवावस्था में और उन्हें मेरिट के आधार पर काम करते हुए खुद को साबित करना होगा।

भानुप्रतापपुर उपचुनाव

कांग्रेस से सावित्री मंडावी उम्मीदवार, पति के निधन से खाली सीट पर पत्नी मांगेगी वोट

रायपुर/कांकेर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में कांकेर के भानुप्रतापपुर उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने बुधवार को अपने उम्मीदवार के नाम का ऐलान कर दिया है। जैसा कि पहले से ही कयास लगाए जा रहे थे, कांग्रेस ने दिवंगत विधायक मनोज मंडावी की पत्नी सावित्री मंडावी पर भरोसा जताया है। सावित्री मंडावी का नाम पहले से चर्चा में था। अब पार्टी हाईकमान ने भी उनके ही नाम पर मुहर लगाई है।

आज नामांकन भरेंगी सावित्री मंडावी

भानुप्रतापपुर उपचुनाव के लिए नामांकन की अंतिम तारीख 17 नवंबर है। ऐसे में कांग्रेस उम्मीदवार सावित्री मंडावी अंतिम दिन ही बुधवार सुबह करीब 11 बजे नामांकन भरेंगी। इस दौरान उनके साथ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम सहित अन्य मंत्री और विधायक भी मौजूद रहेंगे। सीएम बघेल ने ही सावित्री मंडावी का नाम आगे किया था।

शिक्षिका की नौकरी छोड़ राजनीति के मैदान में उतरीं

भानुप्रतापपुर से कांग्रेस विधायक और विधानसभा के उपाध्यक्ष रहे दिवंगत मनोज मंडावी की पत्नी सावित्री मंडावी एक शिक्षिका रही हैं। वह रायपुर के कटोरा तालाब स्थित एक सरकारी स्कूल में व्याख्याता थीं। चुनाव की घोषणा होने के बाद उन्होंने शिक्षिका के पद से इस्तीफा दे दिया था। तभी से कयास लगाए जा रहे थे कि कांग्रेस उन्हें पति की सीट पर उम्मीदवार बनाएगी।

भाजपा से पूर्व विधायक ब्रह्मानंद नेताम हैं उम्मीदवार

वहीं एक दिन पहले ही भाजपा ने भी प्रत्याशी के नाम की घोषणा की है। पार्टी ने वहां से पूर्व विधायक ब्रह्मानंद नेताम को उम्मीदवार बनाया है। नेताम साल 2008 में भी भानुप्रतापपुर से विधायक रह चुके हैं। उन्होंने दिवंगत नेता मनोज मंडावी को ही चुनाव हराया था। ब्रम्हानंद नेताम की आदिवासियों में अच्छी पकड़ मानी जाती है।

5 दिसंबर को होना है मतदान

भानुप्रतापपुर से कांग्रेस विधायक और विधानसभा उपाध्यक्ष रहे मनोज मंडावी का 16 अक्तूबर की सुबह दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। इसके बाद भानुप्रतापपुर विधानसभा उप चुनाव के लिए अधिसूचना 10 नवंबर को जारी कर दी गई। इसी के साथ नामांकन भी शुरू हो गया। 17 नवंबर अंतिम तिथि होगी। पांच दिसंबर को मतगणना होगी और आठ दिसंबर को परिणाम घोषित किए जाएंगे।

सिर्फ 11 साल में 100 करोड़ लोग बढ़े

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया में इंसानों की आबादी 8 अरब पार कर गई है। हैरानी होती है कि इंसान को शुरुआती 1 अरब होने में 1 लाख 99 हजार 800 साल लग गए थे। लेकिन इसके बाद इतनी तेज रफ्तार से बढ़े कि सिर्फ 222 साल में 1 अरब से 8 अरब हो गए। आखिरी 100 करोड़ लोग तो महज 11 साल में बढ़ गए हैं।

करीब एक लाख साल पहले होमो सेपियन्स अफ्रीका से निकलकर यूरोप और एशिया के कुछ हिस्सों में पहुंचे। करीब 35 से 65 हजार साल पहले ऑस्ट्रेलिया की तरफ रुख किया। अब आप सोच रहे होंगे कि ये होमो सेपियन्स सभी महाद्वीपों में पहुंचे कैसे? दरअसल, करीब 25 लाख साल पहले प्लेइस्टोसिन यानी आइस एज की शुरुआत हुई थी। इस दौरान पृथ्वी का लगभग 205 लाख स्क्वॉयर किमी हिस्सा बर्फ से ढका था। इस दौरान प्राकृतिक रूप से पुल तैयार हुए जो एशिया को अमेरिका (अलास्का) से जोड़ते थे। वैज्ञानिकों के मुताबिक होमोसेपियंस इसी के सहारे एक जगह से दूसरी जगह गए होंगे। आइस एज करीब 11 हजार साल पहले समाप्त हुआ। तब तक इस बर्फ का बहुत बढ़ा हिस्सा पिघल गया, जिसके चलते पृथ्वी कई द्वीपों में बंट गई।

समय के साथ जैसे-जैसे इंसान की सोच विकसित हुई, उसने खेती शुरू की। अपनी जरूरतों के आधार पर नए अविष्कार किए। खानाबदोश ये इंसान अब अपने-अपने इलाके विकसित करने लगे थे। इसके साथ वो परिवार भी बसाने लगे थे। आबादी में बूम आया साल 1800 के बाद, जब इंसानों की लाइफ एक्सपेक्टेंसी यानी जीवन जीने की औसत उम्र में बढ़ोत्तरी होने लगी। आज से 252 साल पहले तक आदमी की औसत उम्र सिर्फ 28 साल थी। 1955 में लाइफ एक्सपेक्टेंसी रेट 40 साल थी, जो आज बढ़कर 73 साल हो गई है।

भारत में चीन से दोगुने बच्चे पैदा हो रहे

यूनाइटेड नेशंस की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में रोज करीब 4 लाख बच्चे पैदा होते हैं। इनमें से भारत में रोज 86,000 बच्चे जन्म ले रहे हैं और चीन में करीब 49,400 बच्चे। यानी भारत में रोजाना चीन से दोगुने बच्चे पैदा हो रहे हैं। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के अनुमान के मुताबिक 2024 में चीन को पीछे छोड़कर भारत दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बन जाएगा।

पाक को संयुक्त राष्ट्र ने दिखाया आईना

आपदा पीड़ितों को अब तक मरहम नहीं

इस्लामाबाद, 16 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में विनाशकारी बाढ़ आने के बाद 100 दिन गुजर चुके हैं। लेकिन बाढ़ पीड़ितों की मुसीबत का अभी भी अंत नहीं हुआ है।

देश में अभी तकरीबन 80 लाख ऐसे बाढ़ पीड़ित हैं, जिन्हें तुरंत मेडिकल सहायता की जरूरत है। बाढ़ पीड़ित इलाकों में पिछले तीन महीनों से संक्रामक बीमारियों का प्रकोप जारी रहा है। पाकिस्तान के बाढ़ पीड़ितों की ये पीड़ा संयुक्त राष्ट्र की मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट से जाहिर हुई है। संयुक्त राष्ट्र की मानवीय सहायता का समन्वय करने वाले कार्यालय ने ये रिपोर्ट प्राकृतिक आपदा के 100 दिन पूरे होने पार जारी की है।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि मेडिकल इमरजेंसी के अलावा भी कई मुसीबतें हैं, जिनसे पाकिस्तान की बाढ़ पीड़ित आबादी अभी तक परेशान हैं। लगभग 35 लाख बच्चों की पढ़ाई-लिखाई अभी भी ठहरी हुई है। एक करोड़ 35 लाख लोगों को अभी भी संरक्षण संबंधी सेवाओं की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है- 'आपदा इतनी बड़ी थी और उससे इतना अधिक विनाश हुआ कि पीड़ितों को आने वाले कई महीनों तक सहायता पहुंचाने की जरूरत बनी रहेगी।' संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि बाढ से प्रभावित लोगों के बीच कुल मिला कर दो करोड़ से अधिक ऐसे लोग हैं, जिन्हें किसी ना किसी प्रकार की मदद की जरूरत बनी हुई है।

नेपाल में राजनीतिक स्थिरता बना मुख्य चुनावी मुद्दा

20 नवंबर को होगा मतदान

काठमांडो, 16 नवंबर (एजेंसियां)। नेपाल में आम चुनाव की तारीख नजदीक आ गई है। राजशाही को त्यागकर लोकशाही को अपनाने वाले पड़ोसी देश में इस बार राजनीतिक स्थिरता मुख्य चुनावी मुद्दा बना है। नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन ने लोगों को स्थिर सरकार देने का भरोसा दिया है। परंतु, लोगों को उसके वादे पर यकीन नहीं हो रहा। इसका कारण नेपाली कांग्रेस नहीं, बल्कि गठबंधन में शामिल प्रमुख वाममंथी पार्टी सीपीएन (माओइस्ट सेंटर) है।

सीपीएन (एमसी) के प्रमुख पूर्व प्रधानमंत्री पुष्क कमल दहल उर्फ प्रचंड हैं, जो खुलेआम दावा करते हैं कि उन्होंने सरकार बनाने और गिराने में अहम भूमिका निभाई है। हालांकि, इस बार सीपीएन-एमसी ने भी राजनीतिक स्थिरता को प्राथमिकता देने का वादा किया है। नेपाली संसद के निचले सदन 275 सदस्यीय प्रतिनिधिसभा के लिए 20 नवंबर को मतदान होगा। वैसे तो चुनाव में मैदान में छोटे बड़े कई दल हैं, लेकिन मुख्य मुकाबला नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन और पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी सीपीएन-यूएमएल के बीच ही होने का अनुमान है। नेपाली कांग्रेस और वामपंथी नेता ओली को ही मौजूदा राजनीतिक स्थिरता के लिए जिम्मेदार ठहराते हैं जिन्होंने अल्पमत में आने के बाद सदन को भंग कर दिया था। बाद में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर संसद बहाल हुई थी।

स्थिर सरकार के वादे के साथ सत्ता में आए थे वामदल

10 साल के उग्रवाद के बाद वामपंथी दल स्थिर सरकार देने के वादे के साथ सत्ता में आए थे। 2008 के पहले चुनाव में वामदलों को बहुमत मिला था और प्रचंड पीएम बने थे, लेकिन वे ठीक से सरकार नहीं चला पाए। उसके बाद से नेपाल ने कई राजनीतिक गठजोड़ और राजनीतिक विलय और अलगाव देखे हैं।

प्रचंड तीसरी बड़ी पार्टी बनाने का कर चुके हैं दावा

राजनीति विश्लेषक राजेश गौतम का कहना है कि इस बार भी प्रचंड सरकार को स्थिर रहने देंगे इसकी उम्मीद कम ही है। वह कहते हैं कि प्रचंड का यह दावा कि चुनाव में उनकी पार्टी तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आएगी, राजनीतिक अस्थिरता जारी रहने का संकेत है। किसी भी पार्टी को बहुमत मिलने की संभावना कम है। बता दें कि 275 में 165 सदस्यों का चुनाव प्रत्यक्ष और 110 सदस्यों का चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली से होता है।

त्रिशंकु संसद की तरफ ले जाती है नेपाली चुनावी प्रणाली : यादव

नेपाल के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त अयोधी प्रसाद यादव भी गौतम से सहमति जताते हैं। वह कहते हैं, हम जिस तरह की चुनाव प्रणाली में है वह हमें त्रिशंकु संसद की तरफ ले जाती है।

वामदलों पर त्वरित लाभ की राजनीतिक करने का आरोप

2006 के राजनीतिक बदलाव के बाद से ही प्रचंड और वामपंथी दलों पर त्वरित लाभ की राजनीति करने के आरोप लगते रहे हैं। इसलिए राजनीतिक विश्लेषक भी मानते हैं प्रचंड के साथ रहते हुए सत्तारूढ़ गठबंधन का राजनीतिक स्थिरता का वादा संदेहपूर्ण है।

हमास व हिजबुल्ला ने जुटाए एक लाख से ज्यादा रॉकेट, बढ़ते खतरे से इस्राइल चिंतित

फलस्तीनी आतंकी गुटों के हमलों से इस्राइल में मौतें भले न हों, लेकिन ये नागरिकों को खौफजदां करते रहते हैं। इस्राइली शहरों में जब भी ये आतंकी संगठन रॉकेट दागते हैं तो सायरन गूंजने लगते हैं तो नागरिक घबराकर बमों से बचाव के लिए बनाए गए सुरक्षित ठिकानों व आश्रयगृहों की ओर भागने लगते हैं।

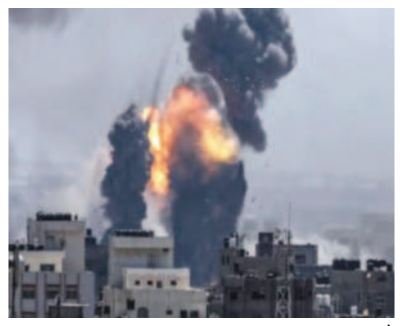

तेल अवीव, 16 नवंबर (एजेंसियां)। इस्राइल के लिए फलस्तीनी आतंकी संगठन हमास और हिजबुल्ला का खतरा बढ़ गया है। इन्होंने एक लाख से ज्यादा रॉकेट एकत्रित कर लिए हैं। लेकिन, चौतरफा हमलों की स्थिति से निपटने की उसकी तैयारी नहीं है, इसलिए इस्रायली सेना चिंतित है। हालांकि, इस्राइल ने इन्हें विफल करने की नई तकनीक ईजाद कर ली है। फलस्तीनी आतंकी गुटों के हमलों से इस्राइल में मौतें भले न हों, लेकिन ये नागरिकों को खौफजदां करते रहते हैं। इस्रायली शहरों में जब भी ये आतंकी संगठन रॉकेट दागते हैं तो सायरन गूंजने लगते हैं तो नागरिक घबराकर बमों से बचाव के लिए बनाए गए सुरक्षित ठिकानों व आश्रयगृहों की ओर भागने लगते हैं।

रॉकेट, मिसाइल व ड्रोन को मार गिराती है आयरन डोम बैटरी

दरअसल, इस्राइल ने अपने देश को रॉकेटों, मिसाइलों, ड्रोन व यूएवी हमलों से बचाने और इन्हें नीचे गिराने के लिए आयरन डोम बैटरी विकसित की है। आयरन डोम बैटरी का विकास इस्राइल ने अमेरिकी मदद से किया है। इस तकनीक की सफलता दर 90 फीसदी है। इस तकनीक से कम, मध्यम और लंबी दूरी के रॉकेट, बैलिस्टिक मिसाइल, ड्रोन, यूएवी और यहां तक कि विमानों को भी मार गिराया जा सकता है।

इस्रायली सेना अभी भी रॉकेट हमलों से चिंतित

हालांकि, इस्राइली सेना अभी भी रॉकेट हमलों से चिंतित है। एक अनुमान के अनुसार गाजा पट्टी में हमास के पास 30,000 और लेबनान में हिजबुल्ला के पास 1,30,000 से अधिक रॉकेट हैं। इस्राइल का आरोप है कि ये ईरान ने मुहैया कराए हैं। इस्रायली सेना को इस बात का डर है कि चौतरफा युद्ध की स्थिति में हमास और हिजबुल्ला दोनों एक दिन में 4,000 रॉकेट हमले कर सकते हैं। इस्राइली सेना ऐसे हमलों से निपटने के लिए तैयार नहीं है।

मां ने पांच हजार रुपये नहीं दिए तो बेटे ने पिया मूव

हालत बिगड़ने पर जिला अस्पताल में भर्ती

छतरपुर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। छतरपुर शहर के सिटी कोतवाली क्षेत्र के अमानगंज में एक नाबालिग युवक ने मां से पैसे न मिलने पर मूव लिक्विड पीकर जान देने की कोशिश की। जब मूव पीने की वजह से उसकी हालत बिगड़ी तो परिजन उसे आनन फानन में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। फिलहाल नाबालिग युवक की हालत गंभीर है। जानकारी के अनुसार अरविंद अहिरवार ने अपनी मां गीता से दिल्ली जाने के लिए पांच हजार रुपये मांगे थे, लेकिन मां गीता ने रुपये देने से इंकार कर दिया और अरविंद को डांट दिया। जिससे अरविंद ने घर में रखी दर्द निवारक दवा पी ली। कुछ समय बाद उसको उल्टियां होने लगी और तबियत खराब होने लगी। भाभी शकुंतला ने बताया कि अरविंद दीपावली के त्योहार पर घर आया था और अब वह दिल्ली में अपने भाईयों के पास वापस जाना चाहता था, लेकिन उसके पास बस का किराया नहीं था, जिसके चलते अपनी मां से पैसे की मांग की थी।

घाटी में हाड़ कंपा देने वाली ठंड, माइनस में पहुंचा तापमान

श्रीनगर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के मौसम में सुधार के साथ घाटी शीत लहर की चपेट में है। कश्मीर के अधिकांश हिस्सों में हाड़ कंपा देने वाली ठंड है। पहलगाम, गुलमर्ग, लेह और कारगिल में रात का पारा शून्य से नीचे चल रहा है। प्रदेश के अधिकतर क्षेत्रों में दिन का तापमान सामान्य से 4 से 8 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के अनुसार बुधवार को जम्मू कश्मीर में मौसम साफ रहेगा। प्रदेश में मंगलवार को मौसम साफ रहा, लेकिन ठंड का भी भरपूर एहसास हुआ। खासतौर पर कश्मीर में सर्दी ने जोर पकड़ा है। राजधानी श्रीनगर में दिन का तापमान सामान्य से 4 डिग्री गिरकर 12.4 और सोमवार रात का न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, विश्व विख्यात पर्यटन स्थल पहलगाम में सोमवार रात का न्यूनतम तापमान माइनस 3.4, गुलमर्ग में माइनस 4.6, लेह में माइनस 7.5 और कारगिल में माइनस 4.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जम्मू में दिनभर मौसम साफ रहा और यहां दिन का तापमान 25.8 और सोमवार रात का न्यूनतम तापमान 12.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बनिहाल में सोमवार की रात का न्यूनतम तापमान 2.2, बटोत में 13.3, कटड़ा में 11.4 और भद्रवाह में 1.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

रेप पीड़िता पहुंची हाईकोर्ट

21 हफ्ते का गर्भ गिराने की मंजूरी मांगी, बोली-मैं 17 साल की, भविष्य बर्बाद हो जाएगा

चंडीगढ़, 16 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा की 17 साल की गर्भवती लड़की गर्भपात के लिए पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट पहुंची है। उसने 21 हफ्ते का गर्भ गिराने की मंजूरी मांगी है। लड़की ने दलील दी कि उसकी उम्र कम है। अगर उसने गर्भ न गिराया तो उसका भविष्य बर्बाद हो जाएगा। इस याचिका पर हाईकोर्ट ने नूंह (मेवात) मेडिकल कॉलेज को जांच कर रिपोर्ट मांगी है।

रेप के बाद हुई गर्भवती

हाईकोर्ट में दायर याचिका में लड़की ने बताया कि वह रेप की वजह से गर्भवती हुई। उसने 21 अक्टूबर को इस मामले की FIR भी दर्ज कराई है। वह अभी नाबालिग है। अगर गर्भ गिराने की मंजूरी न मिली तो उसके भविष्य पर इसका बुरा असर पड़ेगा। उसका गर्भ 21 हफ्ते से ज्यादा का है, ऐसे में हाईकोर्ट की मंजूरी के बगैर गर्भपात नहीं कराया जा सकता।

मेडिकल बोर्ड गठित करने के आदेश

हाईकोर्ट ने लड़की पक्ष की पूरी दलीलें सुनी। इसके बाद नूंह के शहीद हसन खान मेडिकल कॉलेज को मेडिकल बोर्ड गठित करने के लिए कहा है। यह मेडिकल बोर्ड पीड़िता के गर्भ की जांच करेगा। हाईकोर्ट ने नूंह के मेडिकल कॉलेज के डाक्टरों की टीम से जवाब मांगा कि वह जांच कर रिपोर्ट दें कि क्या रेप पीड़िता का गर्भपात करवाना सुरक्षित होगा?। मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट में दी गई राय के बाद ही हाईकोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनाने की बात कही।

नाबालिग का खौफनाक कदमः मां और बहन की पिटाई करता था बाप

बेटे ने ऐसे छीनी जिंदगी, प्लान से पुलिस भी चौंकी

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के सुभाष प्लेस इलाके में मां और बहन की लगातार पिटाई करने वाले पिता की हत्या करवा दी। शराब पीने के आदी पिता की हरकत से नाबालिग काफी परेशान था। उसने अपने मकान मालिक से मिलकर वारदात की साजिश रची। मकान मालिक ने दो हमलावरों को मृतक के घर भेजा, जिसने नाबालिग के पिता की बेसबाल के बैट से पिटाई कर दी। जिससे उनकी मौत हो गई। जांच के दौरान सीसीटीवी कैमरे से मिले सुराग के बाद पुलिस ने नाबालिग से कड़ाई से पूछताछ की। उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया। पुलिस ने नाबालिग को हिरासत में ले लिया, वहीं उसके मकान मालिक और हमला करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी मकान मालिक की पहचान शकूरपुर निवासी जितेश गुप्ता और दो हमलावरों की पहचान आदित्य और नितिन के रूप में हुई है। जबकि नाबालिग की उम्र 17 साल है। सोमवार सुबह 11.55 बजे पुलिस सुभाष प्लेस इलाके में एक व्यक्ति की हत्या किए जाने

की जानकारी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन के दौरान पाया कि उसकी पीट-पीट कर हत्या की गई है। 50 साल के मृतक मूलतः चमौली उत्तराखंड के रहने वाले थे और सेना के सेवानिवृत जवान थे। मौके पर मौजूद जवान की पत्नी ने बताया कि मृतक शराब पीने के आदी थे। तीन दिन पहले घरेलू कलह व मारपीट करने पर वह अपने बच्चों के साथ पति को छोड़कर देवर के घर चली गई थी।

सुबह दस बजे वापस घर पहुंचने पर पति को मृत अवस्था में पाया। पुलिस ने आस पास के लोगों से पूछताछ की, जिसमें लोगों ने बताया कि तीन दिन से मृतक अपने घर में अकेले रह रहे थे। सुभाष प्लेस थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया।

जिले की स्पेशल स्टाफ के निरीक्षक अमित कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने आस पास के सीसीटीवी कैमरे की छानबीन की। घर के बाहर निकलने वाले गेट के कुछ दूरी पर लगे सीसीटीवी कैमरे में रविवार रात साढ़े 11 बजे दो संदिग्धों को मृतक के घर से बाहर निकलते देखा गया।

साथ ही एक युवक को सड़क पर देखा गया। संदिग्धों की पहचान के लिए मृतक के परिजनों से पूछताछ की गई। मृतक के नाबालिग बेटे की संदिग्ध गतिविधि पर पुलिस को शक हुआ। उसकी कद काठी फुटेज में दिख रहे एक संदिग्ध से मिलती-जुलती पाई गई। पूछताछ में वह लगातार बयान बदल रहा था।

पुलिस से कड़ाई से पूछताछ की तो उसने अपराध कबूल कर लिया। उसने बताया कि उसके पिता शराब पीने के आदी थे। उसकी मां और बहन घरेलू सहायिका बनकर घर का खर्चा चला रही थी। पिता शराब खरीदने के लिए पैसे के लिए उन्हें परेशान करते थे। मना करने पर उनकी पिटाई कर देते थे। तीन चार दिन पहले रात के समय पिता ने उनकी पिटाई कर दी थी। अगले दिन सुबह वह उसकी मां और बहन पिता को अकेले छोड़कर अपने चाचा के घर चले गए थे।

पिता की हत्या नहीं बल्कि पिटाई कर समझाना था मकसद

नाबालिग ने पूछताछ में बताया कि उनका मकसद पिता की हत्या करना नहीं था, बल्कि पिटाई कर उन्हें समझाना था। उसने कहा कि 13 नवंबर की शाम वह अपने मकान मालिक जितेश गुप्ता के पास गया और अपने पिता की हरकत के बारे में बताया। उसने अपने मकान मालिक से पिता के उत्पीड़न से बचाव का तरीका सोचने के लिए कहा।

जितेश ने नितिन और आदित्य को बुलाया और नाबालिग की मदद करने के लिए कहा। मकान मालिक ने उन्हें बेसबाल का बैट और एक डंडा दिया और नाबालिग के पिता की पिटाई कर उसे समझाने के लिए कहा। उसने बताया कि रात करीब 11.30 बजे वह आदित्य और नितिन के साथ अपने घर गया।

जहां वह बाहर खड़ा रहा। जबकि दोनों घर के अंदर गए। नाबालिग के पिता नशे की हालत में चारपाई पर पड़े थे। उन्होंने बेसबॉल बैट और डंडे से उनकी पिटाई करनी शुरू की तो वे दोनों से भिड़ गए। इस दौरान उनके सिर और नाक पर चोट लगी और खून निकलने लगा। वह बिस्तर से नीचे गिर गए।

बचपन में ईसाई बन गए थे बिरसा मुंडा

सच्चाई जानी तो उठा लिया तीर-कमान, 25 की उम्र में अंग्रेजों ने स्लो पॉइजन देकर मारा

एक्सक्लूसिव डेस्क, 16 नवंबर। 15 नवंबर 1875 को उलिहातू गांव में एक बच्चे का जन्म हुआ। मुंडा जनजातियों वाला यह उलिहातू गांव आज के झारखंड के खूंटी जिले में पड़ता है। इस बच्चे ने अपनी शुरुआती शिक्षा सालगा गांव के शिक्षक जयपाल नाग से ली। बाद में जयपाल की सिफारिश पर उसने जर्मन मिशनरी स्कूल ज्वॉइन कर लिया। ईसाई धर्म भी अपना लिया और नया नाम रखा- बिरसा डेविड।

ईसाई धर्म के प्रचारक अपने प्रवचनों में मुंडा जनजाति के पुराने रीति-रिवाजों की आलोचना करते थे। यही बात उस बच्चे को अखर गई और उसने उसी वक्त अंग्रेजों को जवाब देने की ठान ली। उन्होंने आगे चलकर न सिर्फ अंग्रेजों से लोहा लिया, बल्कि महज 25 साल की जिंदगी में आदिवासियों के भगवान भी बन गए।

बिरसा मुंडा की 147वीं जयंती पर उनकी जिंदगी के कुछ रोचक किस्से

बिरसा मुंडा से बिरसा डेविड बनते हैं

बिरसा मुंडा के पिता का नाम सुगना मुंडा और माता का नाम करमी हातू था। बिरसा का बचपन एक गांव से दूसरे गांव की यात्रा में बीता था। जर्मन स्कूल में दाखिला लेने की वजह से उन्होंने अपना नाम बदलकर बिरसा डेविड कर लिया था।

पढ़ाई के दौरान ही बिरसा मुंडा आदिवासियों की जमीन और वन संबंधी अधिकारों की मांग को लेकर सरदार आंदोलन में शामिल होते हैं। उस वक्त ईसाई धर्म के प्रचारक आदिवासियों से कहते थे कि यदि उनके उपदेशों का पालन किया तो महाजनों ने जो जमीन छीनी है वो वापस मिल जाएगी। उन दिनों जर्मन लूथरन और रोमन कैथोलिक ईसाई किसानों का भूमि आंदोलन चल रहा था। इन ईसाई किसानों को सरदार कहा जाता था।

दरअसल, झारखंड में आने के बाद अंग्रेजी हुकूमत यहां के विद्रोह करने वाले आदिवासियों की जमीन छीन लेती थी। प्रवचनों में इन्हीं छीनी गई जमीनों को वापस दिलाने के वादे से आकर्षित होकर काफी संख्या में लोग ईसाई बन गए, लेकिन जब बिरसा को लगा कि ये लोग कहते कुछ हैं और करते कुछ है तो वह ईसाई धर्म से दूर होने लगे।

15 साल की उम्र में बिरसा ने तंज कसते हुए कहा था कि 'साहेब साहेब एक टोपी है'। यानी ईसाई मिशनरी जो धर्मांतरण में लगी है और अंग्रेज जो जमींदारों के साथ मिलकर उनके जमीन और जंगल को छीन रहे हैं, वे दोनों एक ही हैं। दोनों का लक्ष्य दमन के जरिए धर्मिक पहचान को छीनना है। इसके बाद ही वह ईसाई धर्म को त्याग देते हैं और फिर बिरसा मुंडा बन जाते हैं।

मिशनरीज के धर्म परिवर्तन को चुनौती दी

बिरसा को लगने लगा कि ईसाई मिशनरी दिखावा कर रही हैं। ऐसे में मुंडा के मन में एक अलग धर्म का विचार आया। इसे मानने वालों को आज बिरसाइत कहा जाता है। इसके बाद बिरसा ने जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ लोगों को जागरूक करने लगे। बिरसा मुंडा ने अपने धर्म के प्रचार के लिए 12 शिष्यों को नियुक्त किया। जलमई (चाईबासा) के रहनेवाले सोमा मुंडा को प्रमुख शिष्य घोषित किया। उन्हें धर्म-पुस्तक सौंपी। इससे मिशनरीज के धर्म परिवर्तन को चुनौती मिलने लगी, जिससे अंग्रेज बौखला गए।

भगवान का दर्जा मिला

इसी बीच बिरसा मुंडा की मुलाकात स्वामी आनंद पांडे से होती है। स्वामी उन्हें हिंदू धर्म तथा महाभारत के बारे में बताते हैं। कहा जाता है कि 1895 में कुछ ऐसी घटना घटी जिसकी वजह से लोग बिरसा को भगवान का अवतार मानने लगे। लोगों में इस बात का भी विश्वास होने लगा कि बिरसा को छूते ही उनके सभी रोग दूर हो जाएंगे। मुंडा आदिवासी हैजा, चेचक, सांप के काटने, बाघ के खाए जाने को ईश्वर की मर्जी मानते, बिरसा उन्हें सिखाते कि चेचक-हैजा से कैसे लड़ा जाता है। बिरसा अब 'धरती आबा' यानी 'धरती पिता' हो गए थे। इस बीच आदिवासियों में मुंडा की पॉपुलैरिटी बढ़ती जा रही थी। 1894 में की बात है। छोटा नागपुर भयंकर अकाल और महामारी से जूझ रहा था। बिरसा मुंडा ने अपने समुदाय के लोगों को एकत्रित करते हैं और अंग्रेजों से लगान माफी की मांग करते हैं। इसको लेकर बिरसा मुंडा ने एक बड़ा आंदोलन खड़ा कर दिया। बिरसा ने अंग्रेजों द्वारा लागू की गई जमींदारी और राजस्व-व्यवस्था के खिलाफ लड़ाई छेड़ी। बिरसा ने सूदखोर महाजनों के खिलाफ भी बगावत की। ये महाजन कर्ज के

बदले आदिवासियों की जमीन पर कब्जा कर लेते थे।

औपनिवेशिक शक्तियों की संसाधनों से भरपूर जंगलों पर हमेशा से नजर थी और आदिवासी जंगलों को अपनी जननी मानते हैं। इसी वजह से जब ब्रिटिशर्स ने इन जंगलों को हथियाने की कोशिशें शुरू कीं तो आदिवासियों में असंतोष पनपने लगा। ब्रिटिश लोगों ने आदिवासी कबीलों के सरदारों को महाजन का दर्जा दिया और लगान के नए नियम लागू किए।

नतीजा ये हुआ कि धीरे-धीरे आदिवासी कर्ज के जाल में फंसने लगे। उनकी जमीन भी उनके हाथों से जाने लगी। दूसरी ओर, अंग्रेजों ने इंडियन फॉरेस्ट एक्ट पास कर जंगलों पर कब्जा कर लिया। खेती करने के तरीकों पर बंदिशें लगाई जाने लगीं। यहीं से बिरसा मुंडा आदिवासियों के रहनुमा बनकर उभरते हैं।

'अबुआ दिशुम अबुआ राज' यानी 'हमारा देश, हमारा राज'

इसी बीच अंग्रेजों ने 'इंडियन फॉरेस्ट एक्ट' 1882 लागू कर दिया। जो जंगल के दावेदार थे, उनको ही जंगलों से बेदखल कर दिया गया। इसने आग में घी का काम किया। यह देख बिरसा ने 20 साल की उम्र में हथियार उठा लिए। साथ ही मुंडा राज की घोषणा हो गई। नारा दिया गया- 'अबुआ दिशुम अबुआ राज' यानि 'हमारा देश, हमारा राज'। साथ ही कहा जाता कि महारानी राज टुडू जाना मतलब अंग्रेज महारानी का राज खत्म हो गया है। मुंडा रैयतों यानी किराये के किसानों को लगान न देने का आदेश देते हैं।

उस वक्त के रोमन कैथोलिक मिशन, सर्वदा, के फादर हाफमैन लिखते हैं- 'यह एक सच्चाई थी कि न सिर्फ मुंडा, बल्कि उरांव समुदाय के लोग बड़ी संख्या में बिरसाइत बन रहे थे। अचानक उस धर्मगुरु और उसके शिष्यों ने यह घोषणा की कि आकाश से जल्द ही आग बरसेगी और जो बिरसा के अनुयायी बन चुके हैं, उन्हें छोड़कर सभी जलकर राख हो जाएंगे। इसके बाद झारखंड के चलकद और उसके आसपास के पहाड़ विशाल छावनी में बदलने शुरू हो गए। लोग चावल और खाने के बाकी सामानों को पहाड़ों पर ले जाने लगे।'

अंग्रेज अफसरों को लगा कि यह तो खुद भगवान बनता जा रहा है। ऐसे में उस वक्त के रांची के एसपी मि. पियर्स पुलिस के दस्ते के साथ चलकद पहुंचे और 24 अगस्त 1895 की रात बिरसा को गिरफ्तार कर लिया। बिरसा को उनके 15 शिष्यों के साथ रांची ले जाया गया, वो भी पैदल। इस दौरान उन्हें जंजीरों से जकड़ रखा गया था।

2 साल जेल की सजा

रांची में मुंडा पर आईपीसी की धारा 505 के तहत मुकदमा चलाया जाता है और उन्हें 2 साल की जेल होती है। इससे कुछ वक्त के लिए इलाके में खामोशी छा जाती है, लेकिन यह खामोशी आने वाले तूफान की खामोशी साबित होती है। अगस्त 1897 में बिरसा ने अपने साथ करीब 400 आदिवासियों को लेकर एक थाने पर हमला बोल दिया। 28 जनवरी 1898 में रांची के निकट चुटिया के हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ होती है। इस सिलसिले में कुछ मुंडा नेताओं को गिरफ्तार किया जाता है। गिरफ्तार किए लोग दावा करते हैं कि उन्होंने बिरसा भगवान के कहने पर ऐसा किया है। ब्रिटिश पुलिस फिर से बिरसा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करती है, लेकिन पुलिस उन्हें पकड़ नहीं पाती है। 25 दिसंबर 1899 का दिन था। 7 हजार के करीब पुरुष और महिलाएं जुटते हैं। बिरसा मुंडा इस दौरान 'उलगुलान' क्रांति का ऐलान करते हैं। उलगुलान का अर्थ है भारी कोलाहल एवं उथल-पुथल यानी जल, जंगल, जमीन पर हक की लड़ाई। ये जल्द ही खूंटी, तामार, बसिया और रांची में फैल जाती है। मुर्हू में एंग्लिकन मिशन और सरवाड़ा में रोमन कैथोलिक मिशन इसके मुख्य टारगेट थे। इस दौरान घोषणा होती है कि हमारे असली दुश्मन ब्रिटिश हैं, न कि ईसाई बने मुंडा। साथ ही अंग्रेजों के खिलाफ निर्णायक जंग का ऐलान होता है। दो साल तक अंग्रेजों से जुड़े महत्वपूर्ण स्थानों पर हमले किए जाते हैं।

5 जनवरी 1900 को बिरसा के समर्थक एटकेडीह में दो पुलिस कांस्टेबलों की हत्या कर देते हैं। 7 जनवरी को खूंटी पुलिस स्टेशन पर हमला कर एक कांस्टेबल की हत्या कर देते हैं और स्थानीय दुकानदारों के घरों में तोड़फोड़ करते हैं। 1897 से 1900 के बीच आदिवासियों और अंग्रेजों के बीच कई लड़ाइयां हुईं। पर हर बार अंग्रेजी सरकार ने मुंह की खाई।

जनवरी 1900 में मुंडा और अंग्रेजों के बीच आखिरी लड़ाई

9 जनवरी 1900 के दिन हजारों मुंडा तीर-धनुष और परंपरागत हथियारों के साथ डोंबरी बुरू पहाड़ी पर इकट्ठा होते हैं। वह इन आदिवासियों को क्रांति के लिए तैयार होने को कह रहे थे। अंग्रेजों को इसका पता चल जाता है। इसके बाद स्थानीय कमिश्नर, ए फोब्स, और डिप्टी कमिश्नर एच सी स्टेटफील्ड क्षेत्र में बढ़ते विद्रोह को दबाने के लिए 150 सुरक्षा बलों के साथ डोंबरी बुरू पहाड़ी को घेर लेते हैं। दोनों पक्षों में भयंकर युद्ध होता है। अंग्रेज बंदूकें और तोप चला रहे थे और बिरसा मुंडा और उनके समर्थक तीर बरसा रहे थे। लेकिन तोप और बंदूकों के सामने तीर-कमान जवाब देने लगे। 25 जनवरी 1900 में स्टेट्समैन अखबार की खबर के मुताबिक, इस लड़ाई में 400 लोग मारे गए थे। कहते हैं कि इस नरसंहार से डोंबारी पहाड़ी खून से रंग गई थी। लाशें बिछ गई थीं और शहीदों के खून से डोंबारी पहाड़ी के पास स्थित तजना नदी का पानी लाल हो गया था। इस युद्ध में अंग्रेज जीत तो गए, लेकिन बिरसा मुंडा उनके हाथ नहीं आए थे। बिरसा पर अंग्रेजों ने 500 रुपए का इनाम रखा था। उस समय के हिसाब से ये रकम काफी ज्यादा थी। कहा जाता है कि बिरसा की ही पहचान के लोगों ने 500 रुपए के लालच में उनके छिपे होने की सूचना पुलिस को दे दी। आखिरकार बिरसा 3 फरवरी 1900 को चक्रधरपुर से गिरफ्तार कर लिए गए। अंग्रेजों ने उन्हें रांची की जेल में कैद कर दिया। कहा जाता है कि यहां उनको स्लो पॉइजन दिया गया। इसके चलते 9 जून 1900 को वो शहीद हो गए।

'सीधे खड़ी होओ और जय हिंद कहो'

आईएनए की लेफ्टिनेंट को नेताजी ने लगाई थी यह फटकार

पटना, 16 नवंबर (एजेंसियां)। देश की आजादी की लड़ाई के अनेक गुमनाम नायकों में से एक हैं आशा सेन। वह नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा गठित आजाद हिंद फौज या इंडियन नेशनल आर्मी (आईएनए) में लेफ्टिनेंट भारती 'आशा' चौधरी के रूप में भी जानी जाती हैं। उन्हें नेताजी ने फटकार लगाते हुए कहा था, 'सीधे खड़ी होओ और जय हिंद कहो'। नेताजी की यह फटकार अब आशा सेन की आत्मकथा पढ़ने वालों के कानों में गूंजेगी।

1928 में जापान में जन्मीं आशा सेन अब 94 साल की हैं और पटना में अपने बेटे के साथ रहती हैं। स्वतंत्रता सेनानी आशा सेन की यह मूल आत्मकथा 'आशा सेन की सुभाष डायरी' शीर्षक से हिंदी में लिखी गई थी और 1992 में पारिजात प्रकाशन ने छापी थी। अब इसका अंग्रेजी संस्करण हार्पर कॉलिंस ने प्रकाशित किया है।

हार्पर कॉलिंस प्रकाशन ने 'द वॉर डायरी आफ आशा-सेन : फ्रॉम टोक्यो टू नेताजीज इंडियन नेशनल आर्मी' शीर्षक से प्रकाशित की गई है। इसमें जापान में जन्मीं भारतीय स्वतंत्रता सेनानी के जीवन की कई यादगार बातों का वर्णन है। 250 पृष्ठों की इस पुस्तक में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की इंडियन नेशनल आर्मी की झांसी रेजिमेंट में एक युवा सैनिक से लेकर लेफ्टिनेंट बनने तक के आशा सेन के सफर का जिक्र है।

इस आत्मकथा के माध्यम से आशा सहाय चौधरी पाठकों को आजाद हिंद फौज की टोक्यो और थाईलैंड के जंगलों की यात्रा का ब्योरा देती हैं। वह बताती हैं कि कैसे उन्होंने राइफल पकड़ना सीखा और अंग्रेजों के राज के खिलाफ जंग के अपने मिशन को अंजाम दिया। तन्वी श्रीवास्तव ने आशा सेन की इस आत्मकथा का अंग्रेजी में अनुवाद किया है। समाचार एजेंसी एएनआई से चर्चा में आशा सेन ने आजाद हिंद फौज से जुड़े कई किस्सों का जीवंत वर्णन किया।

बैंकॉक से रंगून तक पैदल मार्च किया

आशा सेन ने बातचीत में 1943 में आईएनए में अपने चार महीने के प्रशिक्षण और बैंकॉक से रंगून तक लंबे पैदल मार्च का स्मरण किया। यह अक्सर खतरों से भरा रहता था। उन्होंने बताया कि मुझे बचपन से ही रोज डायरी लिखने का शौक था। स्कूल और कॉलेज के दौरान भी मैं हर दिन अपनी डायरी लिखती थी। आशा सेन ने कहा, 'मैं सिर्फ 16 साल की थी जब मैं आईएनए में शामिल हुई थी। एक साल बाद ही मैं लेफ्टिनेंट पद तक पहुंच गई थी। हमने प्रशिक्षण के दौरान बंदूकें, पिस्तौल और विमान भेदी मिसाइल चलाना सीखा।'

झांसी रेजिमेंट में इसलिए भर्ती हुईं

स्वतंत्रता सेनानी ने बताया कि जब भी बी-29 अमेरिकी विमान हमारे क्षेत्र में बमबारी के लिए आते तो हम उन पर गोलियां चलाते थे। यह पूछे जाने पर कि वह आजाद हिंद फौज की 'झांसी की रानी रेजिमेंट' में ही क्यों शामिल हुईं? उन्होंने कहा, 'हम बलिदान की भावना से ओत-प्रोत होकर ही बड़े हुए हैं। हम देश की आजादी के लिए अपनी जान कुर्बान करने के लिए तैयार और इच्छुक थे। जब झांसी की रानी रेजिमेंट की बैंकॉक में रखा गया था, तब मैंने अपने पिता से कहा कि वह इस रेजिमेंट में शामिल होना चाहती हैं। नेताजी के जर्मनी से लौटने के बाद उन्होंने मुझे सेना में शामिल होने की अनुमति दी।'

पैर छूने पर नेताजी ने उन्हें फटकारा था

वयोवृद्ध स्वतंत्रता सेनानी आशा सेन ने एक किस्सा साझा करते हुए कहा कि नेताजी ने उन्हें और उनके साथियों को उनके पैर छूने और झुकने के लिए फटकार लगाई थी।

सेन ने कहा कि जैसे ही हम नेताजी के पैर छूने के लिए झुके तो उन्होंने गुस्से में कहा, 'हमने लंबे समय तक गुलामी झेली है और फिर भी आप, सीधे खड़े हो जाओ और जय हिंद कहो'

नक्सलियों ने उपसरपंच को गला रेतकर मार डाला

गांव में फेंका शव, देर रात अगवा कर ले गए थे

कांकेर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर में एक बार फिर नक्सलियों ने एक युवक की हत्या कर दी। इस बार नक्सलियों ने उप सरपंच को निशाना बनाया है। नक्सली मंगलवार देर रात उसे घर से अगवा कर ले गए थे। इसके बाद धारदार हथियार से गला रेतकर उसे मार डाला। फिर गांव में शव फेंककर भाग निकले। युवक का भाई भी सरपंच है। वारदात की पुष्टि एसपी शलभ सिन्हा ने की है। मामला आमाबेड़ा थाना क्षेत्र का है।

घर में घुसकर किया था अपहरण

जानकारी के मुताबिक, गांव हुर्रापिंजोड़ी निवासी मनकेर हुर्रा

(35) उप सरपंच था। उसका भाई भी गांव का सरपंच है। बताया जा रहा है कि मंगलवार देर रात 5-6 नक्सली उसके घर में घुस गए। इसके बाद मनकेर को अगवा कर अपने साथ ले गए और जंगल में धारदार हथियार से उसका गला रेत दिया। हत्या के बाद नक्सलियों ने शव गांव में ही फेंक दिया।

अगले दिन सुबह ग्रामीणों ने शव देखा तो पुलिस को सूचना दी।

जवानों की टीम मौके पर पहुंची, सर्चिंग जारी

आमाबेड़ा थाने से जवानों की एक टीम गांव पहुंची। उन्होंने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि गांव नक्सल प्रभावित है। उप सरपंच की हत्या नक्सलियों ने क्यों की है, इसका कारण अभी पता नहीं चल सका है। हालांकि पुलिस मुखबिरी के संदेह में हत्या की आशंका जताई जा रही है। जवानों ने जंगल में भी सर्च ऑपरेशन चला दिया है। जवानों के लौटने का इंतजार किया जा रहा है।

युवक पर एसिड अटैक

खरीदी गई जमीन का था विवाद मिट्टी भराई करते वक्त हुआ हमला

सुपौल, 16 नवंबर (एजेंसियां)। सुपौल जिले के पिपरा थाना इलाके के रतौली वार्ड नंबर 8 में बुधवार की सुबह जमीन विवाद में एक 27 वर्षीय एक युवक पर एसिड से अटैक कर दिया गया। एसिड के हमले से जख्मी युवक को आनन-फानन सुपौल सदर अस्पताल इलाज के लिए लाया गया। जहां जख्मी युवक का इलाज किया जा रहा है। जख्मी 27 वर्षीय सुमित कुमार सिंह उर्फ सोनू सिंह पिता शशि भूषण सिंह रतौली वार्ड नंबर 8 के निवासी हैं।

घटना के संदर्भ में बताया जा रहा है कि विवादित जमीन पर मिट्टी भराई का कार्य मंगलवार की सुबह युवक द्वारा करवाया जा रहा था। इसी बीच दूसरे पक्ष के राजकुमार साह मौके पर पहुंचे। जहां चल रहे मिट्टी भराई कार्य को रोक दिया। इसी बात को लेकर राजकुमार साह एवं पीड़ित के बीच के बहस शुरू हो गयी। इसी क्रम में अचानक उस पर एसिड से हमला कर दिया गया।

घटना के संदर्भ में पीड़ित ने बताया कि गांव के ही राजकुमार साह के भाई रामकुमार साह से 5 बीघा 2 धुर जमीन खरीद किया था और इसका दाखिल खारिज बीते आठ माह पूर्व भी करा लिया। लेकिन राजकुमार साह उक्त जमीन को अपना बता कर विरोध करने लगे। जबकि उन्होंने कहा कि जमीन उसने उसके भाई राम कुमार

साह से जमीन रजिस्ट्री करवाया था। अब इस जमीन पर उनका मालिकाना हक है। इतने में राज कुमार साह आग बबूला हो गए और अचानक उस पर एसिड से हमला कर दिया।

वही पीड़ित द्वारा अपने बचाव करने के कारण एसिड पीठ पर और कमर के निचे पड़ा। जिससे वो झुलस गया।घटना की सूचना पर पिपरा पुलिस भी पहुंची। जिन्होंने पहले इलाज करने की बात कह कर अनुसन्धान में जुट गयी। सदर अस्पताल में ऑन ड्यूटी चिकित्सक डॉ अजय कुमार झा ने बताया की युवक के शरीर पर जलनशील द्रव से जले का जख्म पाया गया।जिसका उपचार किया जा रहा है। इधर पिपरा थाने की पुलिस आरोपी राजकुमार शाह को हिरासत में लेकर कानूनी कार्रवाई में जुट गई है। सुपौल सदर एसडीपीओ कुमार इंद्र प्रकाश ने जानकारी देते हुए बताया कि जमीन विवाद को लेकर ज्वलनशील पदार्थ से अटैक करने का मामला संज्ञान में आया है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बिहार के हर जिले में खुलेंगे 'भूकंप क्लीनिक'

पटना, 16 नवंबर (एजेंसियां)। इन दिनों एक के बाद एक भूकंप के झटके आ रहे हैं। आज ही अरुणाचल प्रदेश में ये झटके महसूस किए गए। इससे पहले नेपाल में भूकंप आया था। जिसके झटके दिल्ली एनसीआर तक महसूस किए गए थे। कई बार भूकंप के कारण जान-माल का काफी नुकसान भी होता है। झटके महसूस करते ही लोगों में भूकंप आने के बाद लोगों में अफरा-तफरी मच जाती है। अपनी जान बचाने के लिए, लोग इधर-उधर भागने लगते हैं। भूकंप से होने वाले नुकसान से बचने के लिए कई तरह की पहल सरकारें करती हैं। जैसे लोगों में सुरक्षा उपायों को लेकर जागरूकता फैलाना आदि। इसी क्रम में बिहार सरकार ने भी एक पहल शुरू की है। दरअसल, बिहार में नीतीश सरकार ने भूकंप से बचाव के क्रम में राज्य के हर जिले में 'भूकंप क्लीनिक' खोलने का फैसला किया है। इस पहल के तहत राज्य की राजधानी पटना, मुजफ्फरपुर और भागलपुर में इस ये क्लीनिक खुल भी चुके हैं। भूकंप एक ऐसी आपदा है, जो कहीं भी कभी आ सकती है। धरती कब अचानक डोलने लगेगी, इसका पता लगाना थोड़ा मुश्किल है। इन सेसमिक जोन्स में बिहार को सेसमिक जोन-4 के तहत रखा गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि सेसमिक जोन 4 को देखते हुए अगर बिहार में .5 की तीव्रता का भूकंप आए तो इससे बड़े पैमाने पर नुकसान की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

रिश्वतखोर कर्मचारी सस्पेंड

चिटफंड निवेशकों से दस्तावेज की आड़ में वसूल रहा था पैसा, कलेक्टर ने की कार्रवाई

बालोद, 16 नवंबर (एजेंसियां)। बालोद जिले में चिटफंड कंपनी के निवेशकों से राशि लिए जाने की शिकायत मिलने पर तहसील कार्यालय गुरुर के सहायक ग्रेड 02 को कलेक्टर ने निलंबित कर दिया है। निवेशकों से राशि लिए जाने के मामले को कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने तत्काल संज्ञान में लिया और सहायक ग्रेड 2 कर्मचारी किशोर कुमार भारती पर कार्रवाई की।

आरोपी कर्मचारी किशोर कुमार चिटफंड कंपनी के निवेशकों से पैसा वापस दिलाने के लिए मूल दस्तावेज के साथ राशि वसूल रहा था। कलेक्टर ने जारी आदेश में कहा कि किशोर कुमार भारती सहायक ग्रेड-2 तहसील कार्यालय गुरूर जिला बालोद का ये काम छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के विपरीत होने के कारण उन्हें सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 9 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। इस कार्रवाई से अन्य कर्मचारियों में भी हड़कंप मच गया है।

कुलदीप शर्मा

छत्तीसगढ़ सरकार ने चिटफंड निवेशकों का पैसा वापस कराने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाई है। इसके लिए दस्तावेज भी जमा कराए जा रहे हैं। कई जगहों पर पैसे वापसी की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। लेकिन गरीबों को अपना पैसा वापस पाने के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इसी बीच गुरुर में चिटफंड दस्तावेज के आड़ में कर्मचारी किशोर कुमार भारती द्वारा पैसे लेने का मामला सामने आया था।

अवैध खनन घोटाले में सीएम सोरेन से ईडी की पूछताछ से पहले विधायकों ने बुलाई बैठक, तय होगी रणनीति

रांची, 16 नवंबर (एजेंसियां)। अवैध खनन घोटाले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर प्रवर्तन निदेशालय का शिकंजा कसता जा रहा है। उन्हें पूछताछ के लिए गुरुवार (कल) ईडी अधिकारियों के सामने पेश होना है। हालांकि, सोरेन भी पीछे हटने का नाम नहीं ले रहे हैं। अब खबर है कि पूछताछ से पहले यूपीए के विधायकों ने आज एक बैठक बुलाई है। इसमें आगे की रणनीति पर चर्चा होनी है।

बता दें, हेमंत सोरन ने ईडी अधिकारियों से 17 नवंबर के बजाय 16 नवंबर को पूछताछ करने की मांग की थी। हालांकि,

ईडी ने इस मांग को खारिज कर दिया था। इससे पहले तीन नवंबर को जांच एजेंसी द्वारा उन्हें तलब किया गया था, जिसमें सोरेन नहीं पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने समन भेजने के बजाय ईडी को गिरफ्तार करने की चुनौती दी थी।

सोरेन ने की थी तीन सप्ताह के लिए समन टालने की मांग

इससे पहले हेमंत सोरेन ने ईडी से तीन सप्ताह के लिए पूछताछ टालने की मांग की थी। हालांकि, ईडी ने उनकी मांग को ठुकरा दिया। उन पर साहेबगंज जिले में एक अवैध खनन मामले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच लंबित है।

सोरेन ने केंद्र पर साधा निशाना

इससे पहले सोरेन केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, चुनाव में चार बार हार का सामना करने के बाद केंद्र सरकार, जांच एजेंसियों का गलत तरीके से इस्तेमाल कर रही है। यह उनकी हताशा है। झारखंड का हर एक मतदाता विपक्ष को जवाब देगा।

छत्तीसगढ़ के 10 बड़े एनएसयूआई नेता सस्पेंड

भिलाई, 16 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन छत्तीसगढ़ ने प्रदेश के 10 पदाधिकारियों को सस्पेंड करने की कार्रवाई की है। इस कार्रवाई से पूरे यूथ कांग्रेस में हड़कंप मच गया है। सस्पेंड किए गए पदाधिकारियों में भिलाई से सक्रिय पदाधिकारी आकाश कनौजिया का नाम भी शामिल है।

प्रदेश सचिवालय राजीव भवन शंकर नगर रायपुर से प्रभारी महामंत्री (संगठन) हेमंत पाल ने 15 नवंबर को यह आदेश जारी किया है। इस आदेश में लिखा गया है कि प्रदेश अध्यक्ष नीरज पाण्डेय ने सभी पदाधिकारियों संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का निर्देश दिया है। इसके बाद भी प्रदेश में कई ऐसे पदाधिकारी हैं, जिन्होंने इन निर्देशों का पालन न करने का काम किया है।

माकन ने राजस्थान प्रभारी का काम करने से मना किया

सियासी बवाल के जिम्मेदार नेताओं पर एक्शन नहीं होने पर लिखी चिट्ठी

जयपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। अजय माकन ने राजस्थान प्रभारी का पद छोड़ दिया है। माकन ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को 8 नवंबर को चिट्ठी लिखकर अब राजस्थान प्रभारी के तौर पर काम करने से मना कर दिया है। साथ ही, दूसरा प्रभारी ढूंढने की अपील की है। इस चिट्ठी के बाद अब माना जा रहा है कि माकन राजस्थान प्रभारी के तौर पर काम नहीं करेंगे।

अजय माकन ने चिट्ठी में 25 सितंबर को गहलोत गुट के विधायकों की बगावत और उस पर एक्शन नहीं होने का मुद्दा उठाया है। माकन ने लिखा कि दिसंबर के पहले सप्ताह में भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान आ रही है। 4 दिसंबर को उपचुनाव हो रहे हैं। ऐसे में राजस्थान का नया प्रभारी नियुक्त किया जाना जरूरी है। भारत जोड़ो यात्रा और उपचुनाव से पहले प्रदेश प्रभारी का पद छोड़ना कांग्रेस की खींचतान में नया चैप्टर माना जा रहा है।

गहलोत गुट के तीन नेताओं के खिलाफ एक्शन पेंडिंग माना जा रहा वजह

25 सितंबर को विधायक दल की बैठक में मौजूदा अध्यक्ष खड़गे के साथ अजय माकन पर्यवेक्षक बनकर जयपुर आए थे। गहलोत गुट के विधायकों ने विधायक दल की बैठक का बहिष्कार किया था। इसके बाद खड़गे और माकन ने दिल्ली जाकर सोनिया गांधी को रिपोर्ट दी थी। इस रिपोर्ट के आधार पर ही मंत्री शांति धारीवाल, महेश जोशी और आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ को नोटिस जारी किए गए थे। तीनों नेताओं ने जवाब भी दे दिया, लेकिन अब मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। तीनों नेताओं को विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करके धारीवाल के घर बैठक बुलाने के लिए जिम्मेदार माना गया था। अजय माकन की चिट्ठी में 25 सितंबर के सियासी बवाल का जिक्र करते हुए अब तक कार्रवाई नहीं होने की तरफ इशारा किया गया है।

माकन की चिट्ठी से गहलोत गुट की बगावत का मामला फिर गर्माएगा

अजय माकन की 8 नवंबर को लिखी चिट्ठी का मामला अब सामने आने से एक बार फिर कांग्रेस की सियासत गर्मा गई है। इस चिट्ठी के बाद विधायक दल की बैठक के बहिष्कार के मुद्दे पर फिर से चर्चा शुरू हो गई है। माकन के चिट्ठी में 25 सितंबर की घटना का जिक्र करने और एक्शन नहीं होने की तरफ इशारा करने से अब गेंद खड़गे के पाले में है। पूरा

घटनाक्रम खड़गे के सामने ही हुआ था। इसलिए अब नए सिरे एक्शन को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

नए प्रभारी की तलाश, 4 नामों पर चर्चा

माकन के इस्तीफे के बाद अब राजस्थान के प्रभारी महासचिव को लेकर सबसे ज्यादा उत्सुकता है। नए प्रभारी के तौर पर शैलजा, अंबिका सोनी, संजय निरुपम और दीपेंद्र सिंह हुड्डा के नामों की चर्चा है। शैलजा पहले भी राजस्थान में चुनावों के समय जिम्मेदारी संभाल चुकी हैं। अंबिका सोनी पहले प्रभारी रह चुकी हैं। उन्हें गहलोत का नजदीकी माना जाता है। संजय निरुपम संगठन चुनावों में राजस्थान के प्रदेश रिटर्निंग ऑफिसर रह चुके हैं। उन्हें भी न्यूट्रल माना जाता है। दीपेंद्र हुड्डा युवा हैं। उन्हें प्रियंका गांधी का नजदीकी माना जाता है। सचिन पायलट के भी नजदीकी हैं।

गहलोत-पायलट की खींचतान में दो प्रभारी बदले

अजय माकन को अगस्त 2020 में अविनाश पांडे की जगह राजस्थान का प्रभारी महासचिव नियुक्त किया गया था। अविनाश पांडे को सचिन पायलट खेमे की शिकायत के बाद हटाया गया था। पांडे पर अशोक गहलोत खेमे का पक्ष लेने के आरोप लगते थे। सचिन पायलट खेमे की बगावत के बाद हुई सुलह में यह मुद्दा उठा था। पायलट खेमे से सुलह के सप्ताह भर बाद ही अविनाश पांडे को प्रभारी पद से हटाकर अजय माकन को राजस्थान का प्रभारी बनाया गया था। अशोक गहलोत और सचिन पायलट की खींचतान में सवा दो साल में दो प्रभारी बदल चुके हैं।

गहलोत गुट ने माकन पर लगाए थे पक्षपात करने के आरोप

25 सितंबर को गहलोत गुट के विधायकों के विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करने पर खूब सियासी बवाल हुआ। माकन पर अशोक गहलोत खेमे ने सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनवाने के लिए विधायकों को साधने का आरोप लगाए थे। यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके अजय माकन पर पक्षपात करने के खुलेआम आरोप लगाए थे। धारीवाल ने कहा था- अजय माकन ने विधायकों को पायलट का नाम सीएम के लिए लेने के लिए कहा था। इस बात के उनके पास सबूत हैं।

धारीवाल, जोशी और राठौड़ के खिलाफ अब एक्शन का दबाव बढ़ा

अजय माकन की चिट्ठी के बाद अब सियासी बवाल के जिम्मेदार तीनों नेताओं के खिलाफ एक्शन लेने का दबाव बढ़ गया है। राजनीतिक जानकार इसे राहुल गांधी की यात्रा से पहले शांति धारीवाल, महेश जोशी और धर्मेंद्र राठौड़ के खिलाफ दबाव से जोड़कर देख रहे हैं। अजय माकन की चिट्ठी के बाद अब कांग्रेस में दिल्ली से लेकर जयपुर तक फिर खींचतान को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

नोटिस वाले नेता राहुल की यात्रा की प्लानिंग में, माकन ने इस पर नाराजगी जताई

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की राजस्थान में तैयारियों की प्लानिंग में नोटिस वाले नेता भी शामिल हैं। अनुशासनहीनता का नोटिस मिलने वाले धर्मेंद्र राठौड़ पिछले कई दिनों से राहुल गांधी की यात्रा के रूट वाले जिलों का दौरा कर रहे हैं। बताया जाता है कि अजय माकन तीनों नेताओं के खिलाफ एक्शन नहीं लेने के अलावा उन्हें राहुल गांधी की यात्रा की तैयारियों में आगे करने से भी नाराज हैं। इस चिट्ठी में इसकी तरफ भी इशारा किया गया है।

प्रमोद कृष्णम का गहलोत कैंप पर निशाना

अजय माकन के इस्तीफे पर अब कांग्रेस में बयानबाजी का दौर तेज हो गया है। प्रियंका गांधी के नजदीकी कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने माकन के इस्तीफे के बाद इशारों में गहलोत खेमे पर निशाना साधा है। आचार्य प्रमोद ने लिखा- राजस्थान के प्रभारी कांग्रेस महासचिव अजय माकन का इस्तीफ़ा उन सभी नेताओं के लिये एक बड़ा सबक़ है जो अपनी कुर्सी बचाने के लिये पार्टी हाई कमान को ब्लैकमेल और बेज़्ज़त करते हैं।

आरयू के स्टूडेंट्स का 6 साल लंबा इंतजार हुआ खत्म

सीएम गहलोत ने डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन किया, 30 हजार स्टूडेंट्स को मिलेगा फायदा

जयपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान यूनिवर्सिटी के हजारों स्टूडेंट्स का इंतजार खत्म हो गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राजस्थान यूनिवर्सिटी में बनी हाइटेक डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन कर दिया है। इसका फायदा यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले 30000 से ज्यादा स्टूडेंट्स को मिलेगा।

इस दौरान उच्च शिक्षा मंत्री राजेंद्र यादव, मंत्री भजन लाल जाटव के साथ यूनिवर्सिटी अध्यक्ष निर्मल चौधरी भी मौजूद रहे।

4 शिक्षा मंत्री और 5 कुलपति बदले

राजस्थान यूनिवर्सिटी में बनकर तैयार हुई लाइब्रेरी का 7 जुलाई 2016 को भाजपा सरकार में तत्कालीन उच्च शिक्षा मंत्री कालीचरण सराफ और कुलपति जेपी सिंघल ने शिलान्यास किया था। लाइब्रेरी भवन का काम शुरू होने के बाद कालीचरण सराफ, किरण माहेश्वरी, भंवर सिंह भाटी के बाद अब राजेंद्र यादव चौथे उच्च शिक्षा मंत्री के रूप में काम कर रहे हैं।

वहीं, यूनिवर्सिटी में जेपी सिंघल, राजेश्वर सिंह, प्रो. आरके कोठारी, प्रो. जेपी यादव के बाद प्रो. राजीव जैन पांचवें कुलपति के रूप में काम कर रहे हैं। ऐसे में 6 साल के लम्बे इंतजार के बाद स्टूडेंट्स जयपुर की सबसे अत्याधुनिक लाइब्रेरी में बैठ पढ़ाई करेंगे।

सरदारशहर में अनिल शर्मा बनाम अशोक पिंचा में मुकाबला

कांग्रेस से भंवरलाल शर्मा के बेटे को सिम्पैथी टिकट, बीजपी के पिंचा ने भरा नामांकन

जयपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी ने सरदारशहर विधानसभा उपचुनाव के लिए स्वर्गीय भंवरलाल शर्मा के बेटे अनिल शर्मा को टिकट दे दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अनिल शर्मा का टिकट अप्रूव किया है। एआईसीसी के जनरल सेक्रेट्री इंचार्ज मुकुल वासनिक ने प्रेस रिलीज निकालकर इसकी सार्वजनिक घोषणा की है। अब कांग्रेस के अनिल शर्मा का मुकाबला बीजेपी उम्मीदवार अशोक कुमार पिंचा से होगा। अनिल शर्मा कल नामांकन भरने की आखिरी तारीख 17 नवंबर को नॉमिनेशन भरेंगे। शर्मा को नामांकन दाखिल करवाने सीएम अशोक गहलोत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा समेत कई कैबिनेट मंत्रियों और सीनियर कांग्रेस नेताओं का सरदारशहर जाने का प्रोग्राम है।

पिता भंवरलाल शर्मा के निधन से खाली हुई है सीट

सरदारशहर की सीट कद्दावर कांग्रेस नेता और 7 बार के विधायक रहे पंडित स्वर्गीय भंवरलाल शर्मा के निधन से खाली हुई है। अनिल शर्मा राजस्थान आर्थिक पिछड़ा वर्ग आयोग के चेयरमैन हैं। उन्हें गहलोत सरकार में राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त हैं।

सहानुभूति लहर का फायदा लेने की कोशिश

यह पहले से तय माना जा रहा था कि अनिल शर्मा को ही कांग्रेस टिकट देगी। क्योंकि सहानुभूति की लहर उनके साथ है। पिछले उपचुनावों में भी सहानुभूति फैक्टर चला है। इसलिए नया प्रयोग करने से कांग्रेस पूरी तरह बची है।

बीजेपी उम्मीदवार अशोक कुमार पिंचा ने भरा नामांकन

अशोक कुमार पिंचा ने आज नामांकन दाखिल कर दिया है। चूरू के सरदारशहर में ताल मैदान से गांधी चौक तक नामांकन भरने से पहले रैली निकाली गई। केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, सीकर सांसद मंहत सुमेधानंद सरस्वती, उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़, पूर्व सांसद राम सिंह कस्वां, भाजपा के जिलाध्यक्ष धर्मवीर पुजारी, जिले के प्रभारी राम गोपाल सुथार, पूर्व जिला प्रमुख हरलाल सारण, रतनगढ़ विधायक अभिनेष महर्षि, प्रधान प्रतिनिधि मधुसूदन राजपुरोहित, पूर्व प्रधान सत्यनारायण सारण समेत बीजेपी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं के साथ उपखंड कार्यालय में पिंचा ने सरदारशहर उपचुनाव 2022 के भाजपा प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन पत्र उपखंड अधिकारी के समक्ष दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने के बाद जनसभा रखी गई। जिसमें प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया भी शामिल हुए।

हनुमान बेनीवाल की आरएलपी ने नहीं खोले पत्ते

सरदारशहर के विधानसभा उपचुनाव में आरएलपी भी जाट कैंडिडेट को खड़ा कर सकती है। लेकिन सांसद हनुमान बेनीवाल ने अब तक पत्ते नहीं खोले हैं। सूत्र बताते हैं कि सांसद हनुमान बेनीवाल ने बीजेपी के कई ऐसे टिकट दावेदारों से बातचीत की है। जो जाट समाज से हैं। लेकिन ज्यादातर बीजेपी नेताओं ने पार्टी से बगावत कर चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। जाट समाज से कैंडिडेट को टिकट नहीं दिए जाने पर आरएलपी बीजेपी से समाज की नाराजगी का फायदा चुनाव में उठाना चाहती है। ताकि चुनाव में त्रिकोणीय मुकाबला पैदा हो सके। सर्वाधिक 65 हजार जाट वोटर सरदारशहर में बताए जाते हैं।

जयपुर जॉब फेयर में 56 हजार कैंडिडेट्स, नौकरी 3000 को

18 हजार की सैलरी में अहमदाबाद बुला रहीं कंपनियां; फ्रेशर-प्राइवेट आईटीआई को ना

जयपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार आने वाले दिनों में भी कई जिलों में मेगा जॉब फेयर लगाने की तैयारी में है।

जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में सरकार और प्राइवेट कंपनियों के 'मेगा जॉब फेयर' में दो दिन में कुल 3 हजार युवाओं को ही जॉब लेटर मिले। वहीं, सरकार का दावा है कि कुल 56 हजार 476 ऑनलाइन रजिस्टर्ड युवाओं में से 30 हजार ने इंटरव्यू दिया। इनमें से 10 हजार कैंडिडेट्स को 70 से ज्यादा कंपनियों ने शॉर्ट लिस्ट किया है, जिन्हें रोजगार देने का प्रोसेस शुरू किया गया है। स्किल, एंप्लॉयमेंट एंड आंत्रप्रेन्योरशिप डिपार्टमेंट और सरकार का दावा था कि 12 हजार से 15 हजार तक जॉब्स इस फेयर में दिलाई जाएंगी, लेकिन अब 7 दिन में प्रोसेस आगे पूरा होने की बात कही गई है।

वहीं, दूसरे दिन इंटरव्यू नहीं हुए और युवाओं को निराश लौटना पड़ा। फ्रेशर्स को लेने से कंपनियों ने साफ मना कर दिया। प्राइवेट औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र पास वाले

कैंडिडेट्स की जगह सरकारी आईटीआई की डिमांड से बड़ी तादाद में कैंडिडेट बाहर हो गए। ज्यादातर कंपनियों ने सैलरी स्ट्रक्चर 10 हजार से 18 हजार रुपए तक बताया। इसके बावजूद नौकरी के लिए युवाओं की भीड़ थी। अलग-अलग कंपनियों ने कैंडिडेट्स को आश्वासन दिए हैं कि आपको 2-3 दिन, 7 दिन या 15-20 दिन में कॉल आएंगे। कुल मिलाकर 3000 युवाओं को ही अब तक जॉब ऑफर लेटर मिले हैं। पहले दिन फेयर में 16 हजार और दूसरे दिन 14 हजार कैंडिडेट्स ने विजिट किया। पहले दिन 850 युवाओं को ऑफर लेटर दिए गए।

दूसरे दिन 2150 को जॉब ऑफर हुए। वहीं, डिपार्टमेंट कमिश्नर ने कहा कंपनियों ने हमसे 10 से 12 हजार नौकरियां देने का प्रॉमिस किया है, जो अगले 7 दिन में मिलेगी।

मेगा जॉब फेयर में दूसरे दिन पहुंचे बेरोजगार युवाओं के ज्यादातर कंपनियों ने इंटरव्यू ही नहीं लिए। उनसे या तो बायोडेटा रखवा लिए गए या फिर रजिस्ट्रर में नाम, फोन नंबर और रजिस्ट्रेशन नम्बर की एंट्री करवाकर खानापूर्ति कर ली गई। दूसरे दिन 8वीं,10वीं फेल, 10वीं पास, 12वीं पास को नौकरियां नहीं दी गईं। कंपनियों ने यह कहते हुए कैंडिडेट को बैरंग लौटा दिया कि पहले ही दिन फ्रेशर्स बहुत ज्यादा हायर किए जा चुके हैं।

बहुत से कैंडिडेट्स प्राइवेट ITI पास किए हुए फेयर में जॉब की तलाश में पहुंचे। उन्हें जेसीबी जैसी कंपनियों ने यह कहते हुए लौटा दिया कि उनके क्राइटेरिया में प्राइवेट नहीं सिर्फ गवर्नमेंट ITI ही आती हैं। उसमें भी फ्रेशर नहीं एक्सपीरियंस्ड कैंडिडेट चाहिए।

एडेक्को जैसी कंपनियों ने फ्रेशर्स को लेने से दूसरे दिन साफ मना कर दिया। आईटीआई, डिप्लोमा होल्डर्स, पॉलिटेक्निक या उससे ऊपर योग्यता वाले कैंडिडेट के ही रेज्युमे एक्सेप्ट किए गए।

फ्रेशर कैंडिडेट्स का यह दर्द निकलकर सामने आया कि वह प्रदेश के कई जिलों से इस जॉब फेयर में किराया लगाकर हिस्सा लेने पहुंचे, लेकिन न तो उनका इंटरव्यू हुआ, न जॉब का कोई आश्वासन ही मिला। फ्रेशर्स को साफ साफ मना कर दिया गया।

"मेगा जॉब फेयर में कुल रजिस्ट्रेशन 56476 चला गया है। पहले दिन 850 ऑफर लैटर दिए थे। दूसरे दिन तक कुल 3000 तक ऑफर लैटर इश्यू किए हैं।

जयपुर में बिजनेसमैन ने खुद को गोली मारकर किया सुसाइड

बंदूक से सीने में मारी गोली, परिवार बोला- पार्टनर 7 करोड़ खा गया था

जयपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर में रहने वाले एक बिजनेसमैन ने बुधवार को खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। गोली चलने की आवाज सुनकर परिवार के लोग कमरे में हुए। मनमोहन सोनी (41) खीन से लथपत पड़े थे। भाई रोहित सोनी और पत्नी उन्हें कांवटिया अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां मृत घोषित कर दिया गया। घटना शास्त्री नगर थाना इलाके की है। एएसआई लक्ष्मण सिंह ने बताया कि मनमोहन सोनी आरपीए के सामने ई 170 स्वर्णकार कॉलोनी में रहते हैं।

इनका रिद्धि सिद्धि के पास डिपार्टमेंटल स्टोर है। अभी तक सुसाइड के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। वहीं, मृतक ने खुद की लाइसेंस बंदूक से आत्महत्या की है। मृतक ने अपने सीने में गोली मारकर आत्महत्या की।

घटना दिन में करीब 1 बजे की है। घर पर मनमोहन, पत्नी और भाई राकेश ही थे। बेटी 12 क्लास में पढ़ती है। जो स्कूल गई हुई थी। वहीं बेटा करीब 22 साल का है। जो बाहर गया हुआ था। परिजनों ने पुलिस को बताया कि काफी दिनों से सोनी परेशान चल रहे थे। परिवार ने कई बार पूछने का प्रयास किया, लेकिन जवाब नहीं मिला। सभी का कहना था कि कुछ दिनों में परेशानी ठीक हो जाएगी। घटना के दौरान मृतक मनमोहन सोनी का भाई रोहित सोनी,पत्नी और मां घर पर थी। हालांकि पुलिस ने मृतक का मोबाइल जब्त कर लिया हैं।

किरोड़ी पर बोले कैबिनेट मंत्री: राजनीतिक सूरत अस्त हो चुका

कहा- जो थाने, गली-मोहल्ले में धरने पर बैठते हैं उनकी क्या चर्चा करें

अलवर, 15 नवंबर (एजेंसियां)।

पंचायत राज मंत्री रमेश चंद मीणा ने बीजेपी नेता व राज्यसभा सांसद को लेकर कहा कि जिनकी चर्चा कर रहे है उनका राजनीति में सूरज अस्त हो चुका है। राज्यसभा मेंबर मनोनीत सदस्य होता है। वे चुनाव कोई जीत नहीं पा रहे। जो थाने, तहसील या गली मोहल्ल में धरने पर बैठता हो। उसकी क्या चर्चा करेंगे।

दरअसल, मंत्री मीणा बुधवार को अलवर के प्रताप ऑडिटोरियम में पंचायत राज की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने आए थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में बीजेपी पर भी निशाना साधा।

मीणा ने कहा- राजस्थान में बीजेपी विपक्ष की भूमिका भी सही नहीं निभा पाई। बीजेपी के नेता खुद 36 टुकड़ों में बंटी है। इसलिए विरोध करने वाली बात भी नहीं है। विधानसभा में लीडर विपक्ष की भूमिका नहीं निभा पाते हैं। जनता में अपनी बात नहीं रख पाते हैं। सब नेता बनने के सपने संजोए हुए हैं। लोगों के बीच में आएं। जनता का काम कराएं। समस्या को विपक्ष की भावना के अनुसार उठाएं। ताकि सरकार को पता चले। विपक्ष कहीं नजर नहीं आ रहा है।

कांग्रेस की गुटबाजी को लेकर बोले कि आने वाले समय में कांग्रेस में कोई गुटबाजी नहीं रहेगी। बड़ी पार्टी में सब बातें होती है। सीएम के नेतृत्व में सब एक हैं। हर क्षेत्र में विकास किया है। जनप्रतिनिधियों की मांग के अनुसार काम हुए हैं। चिरंजीवी योजना की दूसरे प्रदेशों में चर्चा है। इसी प्रकार सब स्कीम अग्रणी है। सरकारी की सब स्कीम गरीब के घर तक पहुंचने वाली है। मूलभूत सुविधाओं के प्रयास में पूरी सरकार लगी है। इस बार शहर हो या गांव। विकास सब जगह है। विकास व घोषणा में सीएम ने कोई कमी नहीं रखी है। हमारा भी प्रयास कि पूरे राजस्थान में आमजन का अच्छा रेस्पोंस मिल रहा है। सरकार 100 फीसदी रिपीट होगी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को लेकर कहा इसका राजस्थान को भी बड़ा फायदा होगा। यह बीजेपी के नेताओं कभी सोचा भी नहीं होगा कि राहुल

गांधी को इतना रेस्पोंस मिलेगा। ये यात्रा एक सैलाब की तरह है। इस कारण राजस्थान को बड़ा फायदा होगा। उन्होंने ईआरसीपी को लेकर कहा कि इसकी डीपीआर बीजेपी के समय बनी। यहां के मंत्री गजेंद्र सिंह केंद्र में है। वे राष्ट्रीय परियोजना घोषित नहीं करा पा रहे हैं। बीजेपी के सांसद कुछ बोल नहीं पा रहे हैं। सीएम ने भी चिट्ठी लिखी हैं।

जयपुर में नाहरगढ़ से 500 फीट नीचे गिरी स्कॉर्पियो

रात को तीन बजे घूमने निकले थे 5 दोस्त; एक की मौत, गाड़ी चकनाचूर

जयपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर की नाहरगढ़ पहाड़ी की घुमावदार सड़कों पर रात के तीन बजे स्कॉर्पियो दौड़ाते दोस्तों की जान पर बन आई। बेकाबू स्पीड में भागती गाड़ी पहाड़ी के एक कोने से 500 फीट नीचे खाई में जा गिरी। तेज धमाके से पूरा एरिया गूंज उठा। स्थानीय लोगों ने बताया कि एक्सीडेंट की आवाज काफी दूर तक सुनाई। इस भयानक हादसे में एक युवक की मौत हो गई। जबकि कार सवार चार युवक बुरी तरह से घायल हैं। घटना बुधवार की है।

ब्रह्मपुरी पुलिस के अनुसार एक्सीडेंट की जानकारी सुबह करीब 3.30 बजे उन्हें सूचना मिली थी। अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में जयपुर के देशराज (28) की मौत हो गई। वहीं, कोटपुतली के रहने वाले दिनेश जाट (25), विक्रम कुमावत (22), संजय जाट (30) और यतेन्द्र आर्य (35) का इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार स्थानीय लोगों की सूचना के बाद करीब चार बजे रेस्क्यू शुरू हुआ। गहराई और अंधेरा अधिक होने के कारण टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। रेस्क्यू मेंबर्स ने बताया कि गाड़ी पूरी तरह से चकनाचूर हो गई थी और एक युवक बुरी तरह से फंसा हुआ था। घायलों को टीम ने रस्सियों के सहारे सड़क तक पहुंचाया। रेस्क्यू के बाद गंभीर घायलों को सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया। वहीं, युवकों के परिवार को भी एक्सीडेंट की सूचना दी गई। रेस्क्यू टीम के अनुसार चारों घायल पहाड़ी पर अलग-अलग जगह पड़े मिले।

कटारिया बोले-पूनिया,अर्जुनराम, राठौड़ और कस्वां जिताएं उपचुनाव

कहा- चारों नेताओं ने चाहा तो भाजपा ही जीतेगी, पहले पूनिया बोले थे- उपचुनाव कांग्रेस जीतती है

जयपुर, 15 नवंबर (एजेंसियां)। सरदार शहर उप चुनावों को लेकर भाजपा ने अपना टिकट पहले घोषित करके कांग्रेस की तुलना में अपनी तैयारी जल्दी शुरू कर दी है। हालांकि राजस्थान में पिछले चार सालों में हुए उप चुनावों में कांग्रेस का पलड़ा भारी रहा है, लेकिन हर चुनाव के अपने अलग समीकरण होते हैं। इधर उप चुनाव को लेकर

पहले भाजपा के प्रभारी महामंत्री अरुण सिंह और प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने यह कह कर अजीब स्थिति पैदा कर दी थी कि उप चुनाव में सहानुभूति की लहर रहती है। भाजपा मुख्य चुनाव जीतती है और उप चुनाव कांग्रेस ही जीतती है। लेकिन विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया ने सरदार शहर में एक महत्वपूर्ण मीटिंग लेकर कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने की पुरजोर कोशिश की है। कटारिया ने इस उप चुनाव को जिताने की जिम्मेदारी प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया सहित चार बड़े नेताओं पर डाल दी है।

कटारिया ने तो मीटिंग में यहां तक कहा है कि केन्द्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, उप नेता प्रति पक्ष राजेन्द्र राठौड़, पूर्व सांसद राम सिंह कस्वां और सतीश पूनिया का चूरू से गहरा रिश्ता है।

जिले में पोडु भूमि सर्वेक्षण लगभग समाप्त : कलेक्टर

मुलुगु, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यह कहते हुए कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में राज्य सरकार सभी पात्र पोडु भूमि काश्तकारों को पट्टा जारी करके पोडु भूमि मुद्दे को हल करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिला कलेक्टर एस. कृष्णा आदित्य ने कहा कि पोडु भूमि के सर्वेक्षण का 98 प्रतिशत था जिले में किया गया है। वे 22 नवंबर तक पोडु भूमि के मुद्दे पर सभी गांवों में ग्राम सभाओं को पूरा करेंगे।

बुधवार को मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि 2005 तक पोडु भूमि के कब्जे वाले प्रत्येक किसान को साक्ष्य के अनुसार शीर्षक दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर किसान इसकी मांग करते हैं तो हम फिर से सर्वेक्षण करने के लिए तैयार हैं। वन बंदोबस्त अधिकारी ने जकारम और बंदररूपल्ली गाँवों के बाहरी इलाके में वन विभाग से संबंधित लगभग 538 एकड़ भूमि को डी-अधिसूचित कर राजस्व विभाग को सौंप दिया। फिलहाल इन जमीनों पर अन्य विकास परियोजनाओं के लिए सरकारी कार्यालयों के निर्माण के साथ ही कलेक्ट्रेट के निर्माण पर भी वन अधिकारियों ने आपत्ति जताई थी। पूर्व में राजस्व विभाग को सौंपी गई भूमि का निर्धारण करने के लिए सर्वेक्षण संख्या 573/1 और 573/2, दोनों विभागों द्वारा एक संयुक्त सर्वेक्षण किया जा रहा है, उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण पूरा किया जाएगा। दो या तीन दिन।

कलेक्टर ने कहा कि कलेक्ट्रेट कार्यालय के निर्माण के लिए आवंटित स्थल में कोई समस्या नहीं है और कहा कि निर्माण के लिए जल्द ही आधारशिला रखी जाएगी. कलेक्टर ने कहा कि टेंडर प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है और जल्द ही काम पूरा कर लिया जाएगा। कृष्णा आदित्य ने कहा कि जकारम गांव में राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर करीब 1154 एकड़ जमीन की सीमा निर्माण और खाई खोदने का काम पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि आदिवासी विश्वविद्यालय को आवंटित भूमि की सीमाएं तय कर ली गई हैं। कलेक्टर ने कहा कि मुलुगु जिले के गट्टम्मा मंदिर से मोहम्मद गौसेपल्ली गांव तक राष्ट्रीय राजमार्ग के चार लेन का निर्माण कार्य जल्द ही शुरू किया जाएगा।

गज्जू भाई बने तेलंगाना प्रदेश गौ रक्षा के अध्यक्ष

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय गौ रक्षा महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री एवं तेलगांना प्रदेश के प्रभारी शरद सिंह ठाकूर की संस्तुति पर गजाधर उर्फ गज्जू भाई को तेलगांना प्रदेश का अध्यक्ष के पद मनोनित किया गया। नियुक्ति पत्र में बताया गया कि गज्जुभाई गौ माता की रक्षा, सुरक्षा, संवर्धन के लिए एवं मानव कल्याण के लिए काम करेंगे। इस अवसर पर गजाधर (गज्जू भाई) ने कहा कि वह गौ रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित करते हैं। गौ माता की सेवा लिए व हर समय तन-मन-धन से तैयार रहेंगे।

2024 में भाजपा को हराने के लिए विपक्षी एकता की जरुरत : भाकपा

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यह कहते हुए कि नरेंद्र मोदी सरकार धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र के लिए एक 'गंभीर खतरा' पेश कर रही है, भाकपा महासचिव डी. राजा ने 2024 के आम चुनावों में भाजपा को हराने के लिए वामपंथी, धर्मनिरपेक्ष ताकतों, लोकतांत्रिक दलों और क्षेत्रीय दलों की एकता का आह्वान किया।

बुधवार को यहां भाकपा राज्य कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए, राजा ने आरोप लगाया कि देश को विनाश की ओर ले जाया जा रहा है और देश, लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्ष व्यवस्था की रक्षा के लिए, 2024 के चुनावों में भाजपा और आरएसएस के संयोजन को पराजित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा देश की धर्मनिरपेक्ष और गणतंत्रात्मक प्रकृति के लिए खतरा पैदा कर रही है, इसलिए इसे रोकना महत्वपूर्ण हो गया है। राजा ने कहा कि मोदी सरकार जल्द ही अपना दूसरा कार्यकाल पूरा करेगी और चेतावनी दी कि अगर भाजपा सत्ता में बनी रही तो देश बर्बाद हो जाएगा। उन्होंने याद किया कि मोदी ने जब पहली बार प्रधानमंत्री का पद संभाला था, तब उन्होंने न्यूनतम सरकार और अधिकतम प्रशासन देने का वादा किया था। इसके विपरीत, वह अब एक तानाशाह की तरह काम कर रहा था और निरंकुश नीतियों को लागू कर रहा था। मोदी निरंकुश नीतियों को लागू कर रहे हैं और संवैधानिक संस्थानों को कमजोर कर रहे हैं। उसे रोकना होगा नहीं तो देश को भविष्य में इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। भाकपा महासचिव ने कहा कि गुजरात सहित पूरे देश में लोगों का भाजपा के प्रति असंतोष बढ़ रहा है और इससे भाजपा नेताओं में भय और भय व्याप्त है। उन्होंने कहा कि यदि आप गुजरात चुनाव अभियान के दौरान मोदी और अमित शाह के भाषणों को देखें, तो आप उनके बीच निराशा और भय को स्पष्ट रूप से देख सकते हैं क्योंकि लोग उनकी विचारधाराओं को खारिज कर रहे हैं। भाकपा के राज्य सचिव कूनानेनी संबाशिवराव, राष्ट्रीय सचिव के नारायण और सैयद अजीज पाशा और अन्य उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज अमीरपेट शाखा के कई सेवा कार्यक्रम कल से

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज अमीरपेट शाखा द्वारा मानव सेवा ही माधव सेवा को चरितार्थ करते हुए चार मुख्य कार्यक्रम 18,19 एवं 27 नवंबर को विभिन्न स्थानों पर आयोजित किये जायेंगे। आज यहां शाखा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शाखा द्वारा इस साल की छटी वाटर कूलर परियोजना 18 नवंबर को सुबह 9.30 बजे अमीरपेट स्थित कनकदुर्गा मंदिर में वॉटर कूलर का उद्घाटन किया जायेगा। इसके प्रायोजक श्री गौरीशंकर मित्तल के परिवार अमीरपेट,से स्व.तुलाराम मित्तल एवं स्व.श्रीमती सरबती देवी मित्तल की पावन स्मृति में स्थापित किया जा रहा है। 18 नवंबर को सुबह 10.30 बजे से अमीरपेट डीके रोड स्थित सरकारी हाई स्कूल में चार सौ जोड़ी जूते वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इन दोनो कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पशु संवर्धन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव होंगे। शाखा का दिवाली मिलन का कार्यक्रम 19 नवंबर को शाम 7 बजे से बंजारा हिल्स रोड नंबर 12 स्थित होटल अला लिबर्टी में आयोजित किया जायेगा जिसमें ढेर सारी मस्ती, खेल, तंबोला और एक कीमती उपहार के साथ कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। सभी सदस्यों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इसे सफल बनाने का आग्रह किया है। इसी प्रकार अमीरपेट शाखा द्वारा अग्रवाल सेवा दल एवं बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट के सहयोग से मेगा मेडिकल कैम्प का आयोजन धरम करण रोड स्थित सरकारी हाई स्कूल में आगामी 27 नवंबर को आयोजित किया जायेगा। इस अवसर पर शाखा के अध्यक्ष रितेश जगनानी, उपाध्यक्ष राज के.अग्रवाल, सचिव अनूप केडिया, सह-मंत्री प्रशांत सराफ, कोषाध्यक्ष सुरेश मोदी, निवर्तमान अध्यक्ष नरेन्द्र खेतान एवं संयोजक संजय पंसारी , मनोज मित्तल एवं कुणाल अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित होंगे। शाखा ने सभी से कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया है।

एसबीआई ने केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट लॉन्च किया

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एलएचओ ने एंड्रॉइड आधारित स्मार्ट फोन का उपयोग करते हुए आधार पर आधारित फेस ऑथेंटिकेशन टेक्नोलॉजी के माध्यम से हैदराबाद मुख्य शाखा में केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट लॉन्च किया है। कार्यक्रम का उद्घाटन रविंदर गुरव, डीजीएम पीबीबीयू एलएचओ हैदराबाद ने किया। श्रीमती रमणजीत कौर वरिष्ठ सलाहकार, डीओपीपीडब्ल्यू और श्रीमती सुनैना गिल, नई दिल्ली ने बैठक में भाग लिया और पेंशनभोगियों को नई पहल के बारे में संबोधित किया।

श्रीमती मंजू शर्मा, जीएम, एनडब्ल्यू-1, एलएचओ हैदराबाद ने सभा को संबोधित किया और सभी पेंशनरों को केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई नई सुविधा से अवगत कराया, उन्होंने पेंशनरों को अनधिकृत लिंक न खोलने और पिन और पासवर्ड किसी को भी साझा न करने की सलाह दी। उपस्थित संबंधित अधिकारियों ने पेंशनरों से डीएलसी (डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र) लेना शुरू कर दिया है, जो प्रक्रिया को पूरा करने में केवल एक मिनट का समय लेता है। पेंशनरों ने केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई इस नई सुविधा को पाकर प्रसन्नता महसूस की और नई पहल को जल्दी से लागू करने के लिए एसबीआई को धन्यवाद दिया। सीएच वी सुब्रह्मण्यम, एजीएम सीपीपीसी और जीबीयू विभाग एलएचओ और मुख्य शाखा के अधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

फर्जी बम कॉल करने के आरोपी को जेल

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस नियंत्रण कक्ष में बम की धमकी देने वाले एक व्यक्ति को अदालत ने 18 दिन के कारावास की सजा सुनाई। पुराने शहर के संतोषनगर निवासी मोहम्मद अकबर खान ने मंगलवार रात करीब 10 बजे पीसीआर को फोन किया और बताया कि सैदाबाद में आई एस सदन के पास बम रखा गया है. बम डिस्पोजल एंड डिटेक्शन स्क्वॉड मौके पर पहुंचा और इसे अफवाह करार देने से पहले करीब दो घंटे तक तलाशी ली।सैदाबाद पुलिस स्टेशन में धारा 182, 186 आईपीसी और 70 (बी) सिटी पुलिस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बाद में पाया कि कॉल संतोषनगर से की गई थी और अकबर खान को ट्रैक किया गया था। उसे बुधवार तड़के गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। अदालत ने मामले की सुनवाई के बाद उन्हें 18 दिन की जेल की सजा सुनाई। उन्हें केंद्रीय कारागार चंचलगुडा में स्थानांतरित कर दिया गया।

जिला पुलिस कार्यालय का काम जल्द पूरा किया जाए : डीजीपी महेंद्र रेड्डी

कुमरम भीम आसिफाबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के डीजीपी के महेंद्र रेड्डी ने कुमरम भीम आसिफाबाद जिले में नवनिर्मित जिला पुलिस कार्यालय का काम तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया है। बुधवार को उन्होंने तेलंगाना राज्य आवास निगम के अध्यक्ष कोलेटी दामोदर के साथ नए जिला पुलिस कार्यालय का दौरा किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि राज्य के सभी डीपीओ कार्यालय एक जैसे और यूनिक हों। राज्य के मुख्यमंत्री के आदेशानुसार जिला पुलिस कार्यालय, एसपी आवास और संतरी गार्ड का निर्माण कार्य 38.5 करोड़ की लागत से एक स्तर पर किया गया है।संबंधित ठेकेदारों और इंजीनियरिंग अधिकारियों को इनका निर्माण जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। जिला एसपी के सुरेश कुमार आईपीएस, जिला अतिरिक्त एसपी (प्रशासन) अचलेश्वर राव, आसिफाबाद डीएसपी श्रीनिवास,कागज नगर डीएसपी करुणाकर, सीआई, एसआई और अन्य पुलिस कर्मियों ने भाग लिया।

उच्च न्यायालय में सरकारी वकील बनने पर डीएल पांडु का सम्मान करते हुए नागरिक परिषद ग्रेटर हैदराबाद के अध्यक्ष एन.आर.लक्ष्मण राव, राष्ट्रीय मानवाधिकार तेलंगाना राज्य अध्यक्ष श्रीमती पद्मावती, सचिव श्रीमती रजनी, सूर्य शुक्ला, काजल व अन्य।

हैदराबाद में चार लोगों को उम्रकैद

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक स्थानीय अदालत ने 2014 में आसिफनगर में उत्पीड़न के कारण आत्महत्या करने वाली एक गृहिणी और उसकी दो बेटियों की मौत के मामले में चार लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

पुलिस के अनुसार, महिला शानूर (24) की शादी वर्ष 2011 में फूल विक्रेता मोहम्मद नवाज से हुई थी और दंपति की दो बेटियां अफशीन (3) और जुबिया (5 महीने) हैं। शादी के समय परिवार ने डेढ़ लाख रुपये नकद, एक मोटरसाइकिल, छह तोला सोना, फर्नीचर और अन्य सामान दहेज के रूप में दिया था। बड़ी बेटी के जन्म के बाद नवाज और उसके माता-पिता शानूर को अतिरिक्त दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहे थे, जिसके बाद महिला के परिवार ने उसे 5 लाख रुपये दिए।

डीसीपी (पश्चिम) जोएल डेविस ने कहा कि इसके बावजूद उत्पीड़न जारी रहा, क्योंकि नवाज एक विवाहित महिला के साथ अवैध संबंध बनाए हुए थे। उत्पीड़न से निराश महिला ने अपनी दो बेटियों के साथ 4 दिसंबर 2014 को घर में पानी के नाबदान में छलांग लगा दी और अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस ने मोहम्मद नवाज, उनकी मां रजिया बेगम, पिता इब्राहिम और उनके प्रेमी रायसा के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। अधिकारी ने कहा कि जीवन समाप्त करने से पहले, पीड़िता ने अपने भाई को जीवन और उत्पीड़न के खतरे के बारे में सूचित करते हुए एक संदेश भेजा। सुनवाई के बाद कोर्ट ने उन्हें दहेज हत्या का दोषी करार देते हुए सजा सुनाई।

उर्दू अकादमी में प्रतिभाशाली छात्रों को पुरस्कृत किया गया

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उर्दू अकादमी, हैदराबाद में मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती के मौके पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस समारोह में टीआरएस के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय प्रवक्ता खलीकुररहमान ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए कहा कि उर्दू वालों को नाउम्मीद होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि उर्दू सिर्फ मुसलमानों की नहीं बल्कि हिंदुस्तान की ज़बान है। उन्होंने कहा कि हमको सरकार की योजनाओं का पूरा लभा उठाना चाहिए और सरकारा के साथ मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने छात्रों को सलाह देते हुए कहा कि वे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करे और आईएएस, आईपीएस बनने के लिए कड़ी मेहनत करे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तर-प्रदेश से आए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व सामाजिक कार्यकर्ता शाकिर रज़ा, फाजिल हुसैन परवेज, सामी फारूकी,सलीम फारूकी आदि ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मो. इब्राहिम ने तथा संचालन मो. ग़ाज़ीउद्दीन ने किया। इस दौरान प्रतिभाशाली छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

गो रक्षक तथा गोशामहल के विधायक टी. राजासिंह से मुलाकात कर उनका सम्मान करते हुए तेलंगाना जाट एकता मंच प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका, समाजसेवी धर्मीचंद भंसाली, निलेश शर्मा व अन्य।

जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल ने क्षेत्र सफाईकर्मियों को बुधवार को नये कचरे डिब्बे प्रदान किये। इस अवसर पर जीएचएमसी अधिकारी श्रीकांत रेड्डी, अशोक, रामकृष्णा भी उपस्थित रहे।

गोशामहल स्थित प्रवासी बन्धुओं की ओर से विधायक टी. राजासिंह से मुलाकात कर उनका सम्मान करते हुए भाजपा नेता सोहनसिंह राजपुरोहित, रमेश चौधरी, कैलाश शर्मा, मदन मिस्त्री, हुकमसिंह राजपुरोहित,

बाल दिवस समारोह आयोजित किया गया

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आर्य कन्या विद्यालय हाईस्कूल में बाल दिवस समारोह मनाया गया। इस अवसर पर छात्र छात्राओं द्वारा रंगा रंग कार्यक्रम आयोजित किये गए। सभी छात्रों ने बढ चढ़ कर भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया। इस अवसर पर मिलिंद प्रकाशन से श्रुतिकांत भारती व वरिष्ठ समाजसेवी प्रेमचन्द मुनोत का स्वागत किया गया और उनके हाथों से दो छात्राओं को नगद पुरस्कार राशि, स्वतंत्रता सेनानी पण्डित गंगाराम स्मारक मंच कि ओर से दी गई। आर्य कन्या विद्यालय समिति के कोषाध्यक्ष प्रदीप जाजू और सदस्य भक्त राम भी उपस्थित थे और अतिथियों को कार्यक्रम में आकर मूल्यवान समय देने के लिए धन्यवाद किया। विद्यालय की प्रधान अध्यापिका श्रीमती उमा तिवारी ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी अतिथियों, समिति के पदाधिकारियों, अध्यापकों और विशेषकर छात्र छात्राओं को धन्यवाद दिया।

दोमलगुड़ा स्थित एवी कॉलेज में न्यूट्रीसन के विद्यार्थियों द्वारा स्वस्थ भोजन- स्वस्थ शरीर थीम पर आयोजित फुड फेस्टिवल में भाग लेते हुए एवी एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष प्रो. रामचंद्र रेड्डी, डॉ. भगवंत रेड्डी, डॉ. पद्मा, डॉ. जेएमआर व अन्य।

वर्तमान में बालिकाओं की रक्षा व सुरक्षा बहुत जरूरी : सुनीता लक्ष्मा रेड्डी

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर में 'सेव दि गर्ल चाइल्ड' अभियान के तहत सामाजिक संस्था हेल्दी लिविंग द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी के तहत नगर के नेशनल डक्टर्स क्रिकेट टुर्नामेंट का आयोजित किया जा रहा है, जो 20 नवंबर तक चलेगा। आज इस टुर्नामेंट का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित तेलंगाना महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता लक्ष्मा रेड्डी ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान में बालिकाओं की रक्षा व सुरक्षा बहुत ही जरूरी हो गई है।

इसके लिए हर नागरिकों को जागरूक होना चाहिएतथा इस अभियान में डाक्टरों को सबसे अधिक भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम में विश्वजीत कंपाटी, निदेशक ईवीडीएम, नेता संतोष रेड्डी, पूर्व जेडपीटीसी सदस्य अलुगनी चंद्रलिंगम गौड़, डॉ. सुमन, नोएल डेविड, जगन्नाथ दास की विशेष उपस्थिति रही।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

गुजरात में आप ...

आम आदमी पार्टी के सीएम उम्मीदवार इसुदान गढ़वी खंभालिया सीट से चुनाव लड़ेंगे। जाम खम्भालिया सीट के लिए वोटिंग पहले चरण में 1 दिसंबर को होगी। आम आदमी पार्टी के अनुसार इसुदान गढ़वी को गुजरात के 73% लोगों ने मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में पसंद किया है।

न्यूज चैनल में काम करने के दौरान गढ़वी ने डांग और कपरादा जिले में वृक्षों की कटाई से संबंधित एक रिपोर्ट पेश की थी। इस मामले में करीब 150 करोड़ रुपए का घोटाला उजागर हुआ था, इसके बाद से मीडिया जगत में गढ़वी का नाम चर्चा में आ गया था। उनकी रिपोर्ट के बाद सरकार को भी एक्शन लेना पड़ा था।

पीएम मोदी का ...

जी-20 विज्ञप्ति में कहा गया है, शांति और स्थिरता की रक्षा करने वाले अंतरराष्ट्रीय कानून और बहुपक्षीय प्रणाली को बनाए रखना आवश्यक है। इसमें संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में निहित सभी उद्देश्यों और सिद्धांतों का बचाव करना और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन करना शामिल है। न

इसने कहा कि परमाणु हथियारों का उपयोग या इसके उपयोग की धमकी अस्वीकार्य है। मॉस्को ने साफ संकेत दिया था कि वह परमाणु विकल्प का उपयोग कर सकता है। सम्मेलन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आयोजित किया गया, क्योंकि यूक्रेन में युद्ध जारी है और इसके प्रभाव यूरोप से परे के देशों द्वारा महसूस किए जा रहे हैं। सदस्यों ने मानवीय संकट, युद्ध के आर्थिक और वित्तीय प्रभावों के बारे में गहरी चिंता व्यक्त की और युद्ध को समाप्त करने का आह्वान किया। कई सदस्य देशों ने युद्ध को अकारण और अनुचित और अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया।

इसमें कहा गया है, कुछ सदस्यों ने राय रखी कि जी-20 को अपने खुद के जनादेश के प्रति वफादार होना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि चर्चा आर्थिक प्रभावों पर केंद्रित हो और एक व्यापक और संतुलित दृष्टिकोण अपनाया जाए। कुछ सदस्यों ने प्रतिबंधों के आर्थिक परिणामों के बारे में चिंता व्यक्त की। विज्ञप्ति में कहा गया है कि नेता यूक्रेन सहित दुनिया के कई हिस्सों में बढ़ते और चल रहे संघर्षों से गंभीर रूप से चिंतित हैं। सदस्यों ने शांति के लिए शत्रुता और युद्ध को समाप्त करने का आह्वान किया है।

2024 टी-20 वर्ल्ड कप का रोडमैप शुरू

हार्दिक बोले- नए टैलेंट को मिलेगा मौका

न्यूजीलैंड में युवा खिलाड़ी के पास साबित करने का अवसर

न्यूजीलैंड के चैलेंज के लिए हम तैयार
हार्दिक पंड्या, टीम इंडिया के कप्तान

खेल डेस्क, 16 नवंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया न्यूजीलैंड दौरे पर 18 नवंबर से वेलिंगटन में टी-20 सीरीज की शुरुआत करेगी। तीन टी-20 मैचों की सीरीज के लिए ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को टीम का कप्तान बनाया गया है। पंड्या ने कहा कि 2024 टी-20 वर्ल्ड कप के लिए अभी से रोडमैप तैयार कर जुटना होगा। यह सीरीज भी उसी का हिस्सा है। इस सीरीज में सीनियर्स खिलाड़ियों की गैर मौजूदगी में युवा खिलाड़ियों के पास अपने को साबित करने का मौका है। उन्होंने आगे कहा कि वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाली टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में होना है। अभी दो साल का समय बाकी है। टीम को इस बीच काफी क्रिकेट खेलना है। ऐसे में युवाओं के टैलेंट को परखने का अच्छा मौका है।

विराट- रोहित सहित सीनियर्स दिया गया है आराम

न्यूजीलैंड दौरे पर टीम इंडिया को 3 टी-20 मैच की सीरीज के अलावा 3 वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है। हार्दिक पंड्या को रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी में टी-20 की कप्तानी सौंपी गई है। जबकि शिखर धवन को वनडे मैचों की सीरीज की कप्तानी दी गई है। न्यूजीलैंड दौरे पर रोहित शर्मा, विराट कोहली, आर अश्विन, दिनेश कार्तिक को वर्कलोड की वजह से आराम दिया गया है।

वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में हार को भूलकर आगे बढ़ने की जरूरत

पंड्या ने कहा कि हाल ही में संपन्न हुई टी-20 वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल में इंग्लैंड से मिली हार से निराश हैं, लेकिन इस हार को भूलकर आगे निकलने की जरूरत है। हम प्रोफेशनल खिलाड़ी हैं। हमें इस हार से सीख लेते हुए अपनी गलतियों को सुधारना होगा और टीम कहां कमजोर है, उसे ठीक करना होगा।

न्यूजीलैंड की टीम हमेशा चुनौती पेश करती है

उन्होंने टी-20 सीरीज को लेकर कहा कि न्यूजीलैंड टीम टी-20 फॉर्मेट में हमेशा चुनौती पेश करती है। हाल ही में न्यूजीलैंड की टीम भी टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल का सफर तय कर लौटी है। ऐसे में हम उम्मीद कर रहे हैं कि यहां भी उनके खिलाफ खेलना चैलेंज होगा। ऐसे में युवा खिलाड़ियों से हमें उम्मीद है कि वो इस चुनौती का सामना करेंगे और टीम की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए टी-20 टीम

हार्दिक पंड्या (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन (विकेट कीपर), वॉशिंगटन सुंदर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, हर्षल पटेल, मोहम्मद सिराज, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह और उमरान मलिक।

वर्ल्डकप में नेटबॉलर थे कुलदीप सेन

न्यूजीलैंड दौरे पर टीम में चुने गए तो भरोसा नहीं हुआ

खेल डेस्क, 16 नवंबर (एजेंसियां)। आईपीएल के पिछले सीजन में कुलदीप ने 9.42 की इकोनॉमी रेट से 8 विकेट लिए थे।

रणजी...ईरानी...और इंडिया-ए में दमदार प्रदर्शन के बाद कुलदीप सेन न्यूजीलैंड दौरे के लिए टीम इंडिया में चुने गए हैं। न्यूजीलैंड की तेज और बाउंसी विकेट्स पर कुलदीप खुद को साबित करने के लिए तैयार हैं।

26 साल के पेसर कुलदीप सेन टी-20 वर्ल्ड कप के लिए बतौर नेट बॉलर टीम इंडिया का हिस्सा थे। लेकिन, वीजा क्लियर नहीं होने की वजह से वो ऑस्ट्रेलिया नहीं जा पाए। आगे बढ़ने से पहले पोल में भाग लें।

अब रीवा की रेवांचल एक्सप्रेस (कुलदीप को उसके दोस्त रेवांचल एक्सप्रेस भी कहते हैं) ऑकलैंड, हैमिल्टन और क्राइस्टचर्च में रफ्तार और स्विंग का हुनर दिखाने को तैयार है। टीम इंडिया में सिलेक्शन के बाद कुलदीप सेन ने करियर, परफॉर्मेंस और तैयारियों पर कहा...

उम्मीद नहीं की थी कि इतनी जल्दी मौका मिलेगा। मैं सोच रहा था कि ईरानी ट्रॉफी और इंडिया-ए में परफॉर्मेंस अच्छा रहा है। ऐसे में कुछ अच्छा हो सकता है। फिर भी इतनी जल्दी मौका मिलेगा, इसकी उम्मीद कम थी। मुझे वर्ल्ड कप के लिए इंडियन टीम के नेट बॉलर के तौर पर ऑस्ट्रेलिया जाना था, लेकिन वीजा नहीं मिल पाया। इससे थोड़ी निराशा हुई। फिर फोकस मुश्ताक अली ट्रॉफी पर किया। घरेलू टूर्नामेंट खेलने के बाद एनसीए में ट्रेनिंग के लिए गया। इसके बाद सिलेक्शन कॉल आया तो खुशी का ठिकाना नहीं रहा। यह मेरे लिए सपने से भी बढ़कर है। इसके लिए कई साल बहुत मेहनत की। अब मौका मिला है तो बहुत खुश हूं। मुश्किल दौर में परिवार और दूसरे लोगों ने जो सपोर्ट किया, उनका शुक्रगुजार हूं।

मैं प्रैक्टिस के बाद होटल जा रहा था। रास्ते में एक दोस्त ने फोन पर जानकारी दी। पहले तो भरोसा नहीं हुआ। मैंने उससे पूछा भी कि क्या सच में सिलेक्शन हो गया है। उसने भरोसा दिलाया। फिर मैंने खुद टीम लिस्ट देखी। उसके बाद मम्मी-पापा और कोच को बताया। फिर तो फोन आना बंद ही नहीं हुए।

मेरे लिए बहुत बड़ी बात है कि जिन्हें (ईश्वर पांडे) इंस्पिरेशन माना, अब उनके साथ मेरा नाम जुड़ रहा है। ईश्वर पांडे मेरे काफी क्लोज और बड़े भाई जैसे हैं। मुश्किल वक्त में उन्होंने मेरी काफी मदद की। उनके बाद जब टीम में मेरा नाम आया तो फख्र महसूस करता हूं।

मैंने भी अपनी तरफ से पूरी कोशिश की। ऐसी जगह जहां क्रिकेट का ज्यादा स्कोप न हो, वहां से इस मुकाम तक पहुंचना...ये बड़ी बात है। मेरे लिए इंडिया तक का सफर अच्छा, लेकिन मुश्किल रहा। बहुत अप एंड डाउन देखे। इसलिए यह सिलेक्शन कॉल बहुत स्पेशल है।

फिलहाल, मेरा पूरा फोकस डोमेस्टिक क्रिकेट पर है। यहां अच्छा परफॉर्म करके न्यूजीलैंड जाना चाहता हूं। इसके बाद वहां के विकेट्स और कंडीशन के हिसाब से तैयारी करेंगे।

कतर में वर्ल्ड कप से पहले हटाई वाइन शॉप

इस्लामी कानून ऐसे सख्त कि यहां फोटो खींचना भी गुनाह

खेल डेस्क, 16 नवंबर (एजेंसियां)। कतर में पहली बार होने जा रहे फीफा वर्ल्ड कप से अरब वर्ल्ड को पर्यटन और कारोबार के विकास की बड़ी उम्मीदें थीं। जोर-शोर से तैयारियां की जा रही थीं। कतर ने कई कठोर कानूनों में ढील दी थी। शराब पीने से लेकर महिलाओं की आवाजाही तक पर से प्रतिबंध हटा लिए गए थे। 20 नवंबर से शुरू होने जा रहे महीने भर के इस टूर्नामेंट में करीब 12 लाख दर्शकों के आने की उम्मीद है। लेकिन फिर टूर्नामेंट से हफ्ते भर पहले बाजारों से शराब की दुकानें हटाने के आदेश आ गए। अचानक लिए गए फैसले से दर्शकों और टूर्नामेंट से जुड़े लोगों को झटका लगा है। होटल, पर्यटन उद्योग और शराब कंपनियां सकते में हैं।

इस टूर्नामेंट के सबसे बड़े स्पॉन्सरों में बीयर कंपनी बडवाइजर भी है। कंपनी इस आयोजन से जुड़े रहने के लिए 607 करोड़ रुपए दे रही है। कंपनी ने कहा उसे शनिवार को अचानक इस फैसले के बारे में पता चला। अधिकारियों ने सफाई दी कि स्थानीय लोगों को हुड़दंग की आशंका है। उनकी सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए ये फैसला लिया गया है। जबकि फुटबॉल की गवर्निंग बॉडी फीफा ने दिसंबर 2010 में जब कतर को आयोजन के अधिकार दिए थे, उसी समय शराब बेचने और उसके प्रचार का करार हुआ था।

हालांकि शराब पर रोक नहीं है और यह बार और कुछ खास होटलों में मिलती रहेगी। लेकिन हर जगह पीने की इजाजत नहीं होगी। शराब के लिए स्टेडियम से दूर फैन जोन बन रहा है। यहां से स्टेडियम जाने में बस से 45 मिनट लगेंगे। कारोबारियों का कहना है कि शराब आसानी से नहीं मिलेगी तो आने वाले दर्शकों की संख्या घट सकती है।

मेसी और रोनाल्डो को अपनी पहली विश्वकप ट्रॉफी का इंतजार

आखिरी विश्व कप खेलेंगे दोनों दिग्गज

खेल डेस्क, 16 नवंबर (एजेंसियां)। मेसी और रोनाल्डो दोनों ने क्लब फुटबॉल में कमाल किया है, लेकिन अपने देश के लिए कभी फीफा विश्व कप नहीं जीत पाए। दोनों दिग्गजों का यहा आखिरी विश्व कप हो सकता है।

विश्व के दो सुपरस्टार फॉरवर्ड लियोनल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपनी-अपनी क्लब की टीमों को कई खिताब दिलाए हैं। लेकिन दोनों दिग्गजों को अपनी पहली विश्वकप ट्रॉफी का इंतजार है। 35 वर्षीय मेसी के हाथों में अर्जेंटीना की कमान होगी। यह उनका पांचवा और संभवतः आखिरी विश्वकप होगा। अर्जेंटीना ने 44 साल से विश्वकप ट्रॉफी नहीं जीती है। इस बीच, दो बार यह टीम खिताब के बेहद करीब पहुंची, लेकिन फाइनल में उसे हार का सामना करना पड़ा। अर्जेंटीना ने पिछले साल ही कोपा अमेरिका कप अपने नाम किया। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि मेसी अर्जेंटीना के 44 साल के खिताबी सूखे को खत्म कर सकते हैं। वहीं, रोनाल्डो की टीम पुर्तगाल तो एक बार भी विश्वकप ट्रॉफी नहीं जीत पाई है। माना जा रहा है कि 37 वर्षीय रोनाल्डो का यह आखिरी टूर्नामेंट होगा और वह अपने इस टूर्नामेंट को जीतना चाहेंगे।

विश्व कप से पहले मेसी ने कहा कि इन दिनों सभी राष्ट्रीय टीमों के खिलाफ खेलना मुश्किल है। विश्वकप में किसी भी टीम को हराना आसान नहीं होता। फ्रांस और ब्राजील की टीमें अच्छी हैं और उनके पास शीर्ष स्तर के खिलाड़ी हैं।

मजबूतीः टीम की सबसे बड़ी मजबूत यही है कि उनके पास विश्व के सबसे अच्छो फॉरवर्डों में से एक लियोनल मेसी हैं। टीम ने पिछले महीनों में कड़ी मेहनत की है जिससे टीम का आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। अर्जेंटीना के पास मेसी के अलावा फॉरवर्ड लाउतारो मार्टिनेज और एंजेल डि मारिया भी हैं जो मेसी का गोल करने का दबाव कुछ हद तक कम कर सकते हैं। कुछ महीनों पहले अर्जेंटीना ने फाइनलिसिमा में यूरोपियन चैंपियन इटली को 3-0 से मात दी थी। कमजोरीः अर्जेंटीना का हाल ही का डिफेंसिव रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। विश्वकप में टीम के डिफेंस की परीक्षा होने वाली है क्योंकि इस फुटबाल के महाकुंभ में एक से बढ़कर एक फॉरवर्ड हैं। हालांकि टीम बुधवार को संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगी और अपनी कमजोरियों को दूर करने का प्रयास करेगी।

खेलने का तरीकाः टीम के खिलाड़ी ज्यादातर गेंद स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी को देने का प्रयास करते हैं ताकि वह गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा सके। वैसे मेसी को गेंद देने की जिम्मेदारी लीनड्रो पेरेडेज और रोड्रिगो डि पॉल जैसे अच्छे मिडफील्डरों के कंधों पर है।

2006, 2010, 2014 और 2018 के विश्वकप में खेल चुके हैं लियोनल मेसी

6 गोल विश्वकप में 19 मैचों में कर चुके हैं मेसी

1978 और 1986 में विश्वकप की ट्रॉफी अर्जेंटीना ने जीती। 44 साल से विश्वकप की ट्रॉफी का इंतजार अर्जेंटीना को है। 36 टीमों का विश्वकप में अर्जेंटीना ने अब तक सामना किया है। 3 मैच खेलते ही मेसी इस टूर्नामेंट में अर्जेंटीना के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। 35 पिछले मैचों से हारी नहीं है अर्जेंटीना की टीम।

टीम

गोलकीपरः एमिलानो मार्टिनेज, फ्रेंको अरमानी, जेरोनीमो रूली

डिफेंडरः गोंजालो मोंटिएल, नाहुएल मोलिना, जर्मन पजेला, क्रिस्टियन रोमेरो, निकोलस ओटामेंडी, लिसांड्रो मार्टिनेज, जुआन फोयथ, निकोलस टेगलियाफिको, मार्कोस एकुना

मिडफील्डरः लीनड्रो पेरेडेज, गुईडो रोड्रिगेज, एंजो फर्नांडेज, रोड्रिगो डि पॉल, एक्सक्वेल पलासियोस, एलजांड्रो गोमेज, एलेक्सिस मेक एलिस्टर

फॉरवर्डः पाउलो डिबेला, लियोनल मेसी, एंजेल डि मारिया, निकोलस गोंजालेज, जोकिन कोरिआ, लाउतारो मार्टिनेज, जुलियन अलवरेज

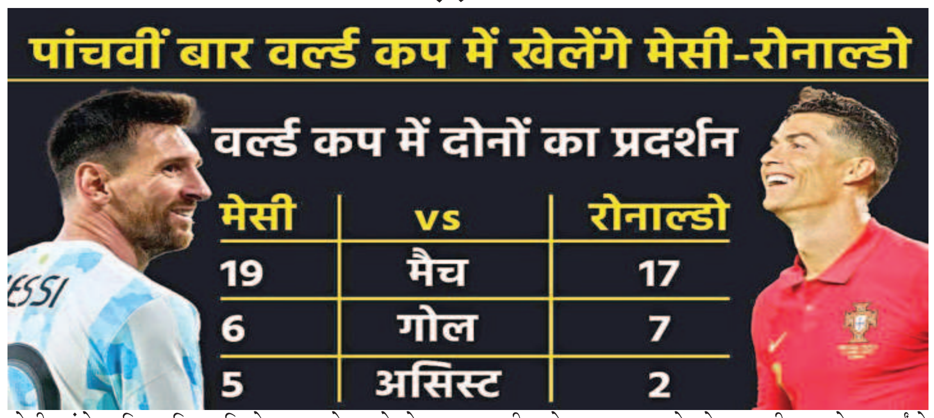

पांचवीं बार वर्ल्ड कप में खेलेंगे मेसी-रोनाल्डो

वर्ल्ड कप में दोनों का प्रदर्शन

मेसी	vs	रोनाल्डो
19	मैच	17
6	गोल	7
5	असिस्ट	2

पुर्तगोल

7 गोल विश्वकप में 17 मैचों में क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने दागे हैं। 3 गोल करने के साथ ही रोनाल्डो पुर्तगाल के लिए विश्वकप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बनेंगे। 1 गोल करने के साथ ही रोनाल्डो पांच अलग-अलग विश्वकप में गोल करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन जाएंगे।

1966 में पुर्तगाल की टीम तीसरे स्थान पर रही थी और यह उसका विश्वकप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पुर्तगाल के कोच फर्नांडो सांतोस ने कहा कि मैंने जितने भी खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है उनमें पुर्तगाल को विश्व चैंपियन बनाने की जिद है।

मजबूतीः टीम के पास 37 वर्षीय क्रिस्टियानो रोनाल्डो हैं। टीम को उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। रोनाल्डो के अलावा टीम के पास जोआओ फेलिक्स भी हैं जो गोल करने का दमखम रखते हैं। टीम के पास अनुभवी गोलकीपर रुई पैट्रिको भी हैं जिन्होंने 2016 यूरो जीत में अच्छी भूमिका निभाई थी। मिडफील्ड में ब्रूनो फर्नांडीस और बर्नांडो सिल्वा गोल करने के मौके बनाने का कार्यभार संभालते हैं।

कमजोरीः रोनाल्डो इंग्लिश क्लब मैनचेस्टर युनाइटेड के लिए खेलते हैं और इंग्लिश प्रीमियर लीग में वह अपनी खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। हाल ही में पुर्तगाल टीम की फॉर्म भी ज्यादा अच्छी नहीं रही है और क्वालीफाईंग दौर में उन्होंने तुर्की और उत्तरी मेसिडोनिया को हराकर टूर्नामेंट के लिए जगह बनाई थी। क्वालीफाईंग में टीम सर्बिया को हराकर दूसरे स्थान पर रही थी। हाल ही में टीम को नेशंस लीग में स्विट्जरलैंड और स्पेन से भी शिकस्त का सामना करना पड़ा था। टीम की खराब फॉर्म उसकी सबसे बड़ी कमजोरी है।

खेलने का तरीकाः कोच फर्नांडो सांतोस ज्यादा डिफेंसिव होकर खेलने की रणनीति को नहीं अपनाते है। उनकी टीम क्वालीफाईंग दौर में आक्रामक होकर खेली थी। सांतोस हर टीम के खिलाफ एक अलग रणनीति बनाते हैं और उसके अनुरूप ही टीम खेलती है।

टीम

गोलकीपरः डिओगो कोस्टा, रुई पैट्रिको, जोस सा।

डिफेंडरः डिओगो दलोट, जोआओ कैंसलो, डेनिलो परेरा, पेपे, रूबेन डायस, एंटोनियो सिल्वा, नूनो मेंडेस, राफेल गुएरेइरो

मिडफील्डरः रूबेन नेव्स, जोआओ पल्हिन्हा, विलियम कार्वाल्हो, ब्रूनो फर्नांडीस, विटिंहा, ओटाविओ, जोआओ मारियो, मैथियस नून्स, बर्नांडो सिल्वा

फॉरवर्डः राफेल लियो, जोआओ फेलिक्स, रिकाडरे होर्टा, गोंकालो रामोस, क्रिस्टियानो रोनाल्डो, आंद्रे सिल्वा

रवींद्र जडेजा ने धोनी के साथ शेयर की फोटो

लिखा- अब दोबारा शुरुआत करेंगे, सब कुछ सही

खेल डेस्क, 16 नवंबर (एजेंसियां)। आईपीएल की सभी टीमों ने रिटेन खिलाड़ियों की लिस्ट मंगलवार को सौंप दी। अब 23 दिसंबर को मिनी ऑक्शन होगा। चेन्नई सुपर किंग्स ने रविंद्र जडेजा को रिटेन किया है। इसके बाद जडेजा ने सोशल मीडिया पर धोनी के साथ फोटो शेयर की है। इस फोटो में वह धोनी के सामने झुकर उनका अभिवादन कर रहे हैं। जडेजा ने इस फोटो के कैप्शन में लिखा है सब कुछ ठीक है। दोबारा से शुरू करेंगे। दरअसल, जडेजा को आईपीएल 2022 शुरू होने से कुछ दिन पहले सीएसके की कप्तानी सौंपी गई थी। 8 मैचों के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ दी थी। धोनी को दोबारा से कप्तानी सौंप दी थी। इसके बाद उन्होंने आईपीएल को बीच में ही छोड़कर लौट गए थे। उनके टीम मैनेजमेंट के साथ विवाद की खबरें आई थीं। बाद में उन्होंने इंजरी का हवाला दिया था। वहीं उन्होंने सोशल मीडिया से सीएसके से संबंधित सभी पोस्ट को डिलीट कर दिया था। जिसके बाद मीडिया में यह रिपोर्ट आई कि जडेजा सीएसके की मैनेजमेंट से नाराज हैं और वह अगले सीजन में सीएसके छोड़ सकते हैं।

जडेजा ने भी सीएसके को लेकर कुछ नहीं बोला था

आईपीएल के बीच में सीएसके के साथ छोड़ने के बाद भी जडेजा ने खुलकर धोनी या टीम मैनेजमेंट को लेकर कुछ नहीं बोला था। जडेजा ने सीजन की समाप्ति होने के बाद भी अपनी चुप्पी साधे रखी थी। वहीं तमाम मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया था कि जडेजा टीम से रिलीज होने वाले हैं। हालांकि, आखिरी वक्त उनके और टीम मैनेजमेंट के बीच चीजों में बदलाव आया। इसमें सबसे ज्यादा अहम रोल कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने निभाया। दरअसल, धोनी जडेजा को भविष्य के कप्तान के रूप में देख रहे हैं। धोनी का इस साल आखिरी IPL हो सकता है। उन्होंने ही जडेजा को रिटेन करने के लिए टीम मैनेजमेंट को मनाया।

जडेजा सबसे ज्यादा कीमत पर हुए थे रिटेन

पिछले सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स ने रविंद्र जडेजा को महेंद सिंह धोनी से ज्यादा पैसों में रिटेन किया था। उन्होंने 16 करोड़ रुपये मिले थे, जबकि धोनी को 12 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। जडेजा 2012 से चेन्नई सुपर किंग्स के साथ जुड़े थे। 10 सालों में उन्होंने टीम के साथ दो खिताब जीते।

8 मैचों में सीएसके की कप्तानी

जडेजा पिछले सीजन में CSK को बीच में छोड़ने से पहले उन्होंने 8 मैचों में टीम की कप्तानी की। जिसमें टीम को 6 में हार मिली थी और केवल दो मैचों में ही टीम को जीत मिली थी।

कनाडा के फेलिक्स ने किया टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर

राफेल नडाल को 6-3, 6-4 से हराया

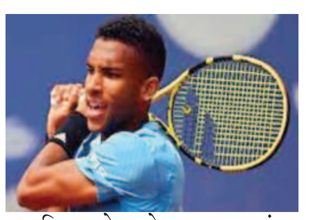

टुरिन, खेल डेस्क, 16 नवंबर (एजेंसियां)। फेलिक्स को पिछले मैच में हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन नडाल के खिलाफ उन्होंने शानदार खेल दिखाते हुए 6-3, 6-4 के अंतर से जीत हासिल की। इटली के ट्यूरिन में कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिम ने मंगलवार को एटीपी फाइनल्स का सबसे बड़ा उलटफेर किया। उन्होंने टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त राफेल नडाल को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 के अंतर से हराया। पांचवीं वरीयता प्राप्त फेलिक्स इस मैच में शानदार लय में दिखे और शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया।

ऑगर-अलियासिमे ने मैच के बाद कहा मुझे लगता है कि यहां पहले एक मैच होने के कारण, मुझे सेंटर कोर्ट की परिस्थितियों की आदत हो गई है। इससे मुझे बहुत मदद मिली। मुझे लगा कि मेरा खेल आज बेहतर था। मेरी सर्विस शानदार थी और बैकहैंड काफी बेहतर था। मैं इसे लगातार बेहतर तरीके से खेल रहा था। जब मैं इस तरह खेल रहा हूं, तो मैंने साबित कर दिया है कि मैं प्रतिस्पर्धा कर सकता हूं और दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों को मात दे सकता हूं।

फेलिक्स का शॉटमेकिंग और सर्विस सटीक थी। वह टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए अपने अंतिम राउंड-रॉबिन मैच में टेलर फ्रिट्ज का सामना करेंगे। इस पर उन्होंने कहा मैं अब एक मैच जीत, एक मैच हार चुका हूं। अगर मैं दो मैच जीत पाता हूं तो उम्मीद है कि मैं टूर्नामेंट में आगे बढ़ूंगा। मैं दो दिनों में टेलर के साथ खेलने के लिए तैयार हो जाऊंगा। यह आसान नहीं होगा। वह इस साल वास्तव में अच्छा खेल रहे हैं और ये हालात उनके लिए बिल्कुल सही हैं।

उन्होंने आगे कहा मैं इन स्थितियों में टोनी (नडाल) के खिलाफ मैच के अनुभव का उपयोग करूंगा। उन्होंने मेरी बहुत मदद की है। मेरे मन में उनके और उनके परिवार के लिए बहुत सम्मान है। यहां टोनी के साथ खेलना विशेष है, लेकिन साथ ही साथ समय हम प्रतिस्पर्धी हैं, और हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हैं।

फेलिक्स ने एक घंटे 57 मिनट तक चले इस मैच में शानदार खेल दिखाया और जीत हासिल की।

चेन्नई की टीम से नहीं खेलेंगे ब्रावो और क्रिस जॉर्डन

मयंक अग्रवाल को पंजाब ने रिलीज किया

एसआरएच ने विलियमसन को छोड़ा

येलो आर्मी छोड़ेंगे दो टी-20 के दिग्गज

खेल डेस्क, 16 नवंबर (एजेंसियां)। चेन्नई सुपर किंग्स ड्वेन ब्रावो, अंबाती रायडू और क्रिस जॉर्डन को रिलीज कर सकती है। वहीं केन विलयमसन को सनराइजर्स हैदराबाद ने रिलीज कर दिया है। चेन्नई सुपर किंग्स ने वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ड्वेन ब्रावो को IPL 2022 के मेगा ऑक्सन में 4.40 करोड़ रुपये में खरीदा था। ब्रावो डेथ ओवर के स्पेलिस्ट के साथ ही लोअर ऑर्डर के बल्लेबाज रहे हैं। पिछले आईपीएल में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। उन्होंने 10 मैचों के 6 इनिंग में 23 रन ही बनाए। वहीं उन्होंने 16 विकेट लिए थे। चेन्नई सुपर किंग्स पिछले आईपीएल में नौवें स्थान पर रही थी।

क्रिस जॉर्डन को 3.60 करोड़ में सीएसके ने खरीदा था

वहीं क्रिस जॉर्डन को सीएसके ने मेगा ऑक्सन में 3.60 करोड़ में खरीदा था। उनका प्रदर्शन भी उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। 4 मैचों में वह केवल 2 विकेट लेने में ही सफल हुए थे।

अंबाती रायडू ने पिछले सीजन में 25 की औसत से बनाए थे रन

अंबाती रायडू को सीएसके ने मेगा ऑक्सन में 6.75 करोड़ की बोली लगाकर अपने साथ जोड़ा था। पर अंबाती रायडू टीम की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरे। वे 13 मैचों में लगभग 25 की औसत से 274 रन ही बनाए थे।

साथ छोड़ सकते हैं केन विलियमसन

न्यूजीलैंड के कैप्टन केन विलियमसन सनराइजर्स हैदराबाद का साथ छोड़ सकते हैं। मंगलवार को रिटेन खिलाड़ियों की लिस्ट सौंपने का आखिरी दिन है। उससे पहले विलियमसन ने एक क्रिकेट की वेबसाइट से बातचीत में कहा कि उन्होंने फ्रेंचाइजी को अवगत करा दिया है कि वह कंटीन्यू नहीं करना चाहते हैं। विलियमसन को 14 करोड़ में पिछले सीजन में रिटेन किया था। पिछले सीजन में 13 मैचों में उन्होंने 216 रन बनाए थे।

मयंक अग्रवाल को पंजाब किंग्स इलेवन ने रिलीज किया

पंजाब किंग्स ने मयंक अग्रवाल को रिलीज कर दिया है। साल 2022 में हुए आईपीएल के 15वें सीजन में मयंक अग्रवाल पंजाब किंग्स के कप्तान थे. हालांकि उनके कप्तानी में पंजाब किंग्स अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी और टीम छठे नंबर पर रही थी.

राज्य में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए हरसंभव प्रयास : महमूद अली

गृह मंत्री ने आधुनिक सुविधाओं से निर्मित नए थानों का उद्घाटन किया

आसिफाबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के गृह मंत्री मोहम्मद महमूद अली ने बुधवार को जिले में नए कागजनगर ग्रामीण पुलिस स्टेशन, रेब्बेना और कागज नगर सर्किल कार्यालयों का उद्घाटन किया। बाद में कागज नगर ग्रामीण पुलिस स्टेशन से कौटाला और चिंतला मानेपल्ली पुलिस स्टेशनों का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर गृह मंत्री ने कहा कि तेलंगाना राज्य बनने के बाद से सरकार हमारे राज्य में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए काफी काम कर रही है। यह बहुत खुशी की बात है कि हमारा राज्य पुलिस विभाग में देश में सबसे अच्छी व्यवस्था बन गया है। उन्होंने राज्य सरकार के लिए प्रसन्नता व्यक्त की कि जिसने नए पुलिस स्टेशनों के निर्माण का भव्य कार्यक्रम शुरू किया है। उन्होंने सराहना की है कि तेलंगाना पुलिस विभाग महिला सुरक्षा के लिए शी टीम्स के गठन के माध्यम से साइबर अपराधों को रोकने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर वन विभाग मंत्री अलोला इंद्रकरन रेड्डी ने कहा कि पुलिस विभाग हमेशा उपलब्ध है और संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों के लिए लोगों के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना पुलिस विभाग ने हाल के दिनों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के कारण चोरी और अन्य अवैध गतिविधियों को रोकने का बीड़ा उठाया है। डीजीपी महेंद्र रेड्डी ने कहा कि हमारे राज्य के मुख्यमंत्री राज्य के विकास में शांति और सुरक्षा बनाए रखने की मंशा से पुलिस विभाग को बड़ी प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जनहितैषी पुलिस व्यवस्था चल रही है और पुलिस अधिक समर्पित होकर जनता के साथ मिलजुल कर काम कर रही है। तेलंगाना राज्य आवास निगम के अध्यक्ष कोलेटी दामोदर, जिला परिषद अध्यक्ष कोवालक्ष्मी, जिला कलेक्टर राहुल राज, जिला एसपी के. सुरेश कुमार, सिरपुर कागजनगर विधायक कोनेरू कोनप्पा, आसिफाबाद विधायक अत्राम सक्कू, जिला अतिरिक्त एसपी (प्रशासन) अचेश्वर राव, जिला अतिरिक्त एसपी (एआर) भीम राव, डीएसपी करुणाकर, कागजनगर ग्रामीण सीआई नागराजू, रेबेना सीआई अल्लम नरेंद्र, कागजनगर टाऊन सीआई रविंदर, कौटाला सीआई बुद्धास्वामी, एसआई भूमेश, एसआई सोनिया समेत अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी व लोगों ने भाग लिया।

कांग्रेस किसान प्रकोष्ठ ने की भूमि सर्वेक्षण तुरंत कराने की मांग

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस किसान प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कोदंडा रेड्डी ने निहित स्वार्थों के लिए व्यापक भूमि सर्वेक्षण में देरी का आरोप लगाते हुए राज्य सरकार से राज्य में भूमि सर्वेक्षण की प्रक्रिया तुरंत शुरू करने की मांग की। बुधवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, कोदंडा रेड्डी ने आरोप लगाया कि हालांकि केंद्र ने भूमि सर्वेक्षण करने के लिए राज्य को धन स्वीकृत किया था, लेकिन राज्य सरकार उस दिशा में कदम नहीं उठा रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना के गठन के बाद, भूमि सर्वेक्षण करने की आवश्यकता थी, लेकिन राज्य सरकार कुछ निहित स्वार्थों के लिए ऐसा नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने भूमि अभिलेख अद्यतन कार्यक्रम (एलआरयूपी) शुरू करने के बाद पहली बार 2017 में भूमि सर्वेक्षण का प्रस्ताव रखा था, लेकिन सर्वेक्षण नहीं किया जा सका क्योंकि कई भूमि अभिलेखों को अभी तक मंजूरी नहीं दी गई थी, खासकर वे जो विवाद में थे। उन्होंने आरोप लगाया कि हालांकि भूमि अभिलेख संशोधन अधिनियम 2017 में राज्य में लाया गया था, पांच साल बाद भी 20 लाख से अधिक परिवारों को भूमि अधिकार नहीं मिला है।

अपनी पार्टी के विधायकों को ब्लैकमेल कर रहे हैं केसीआर : नरसैया गौड़

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद और भाजपा नेता बूरा नरसैया गौड़ ने आज आरोप लगाया कि सीएम केसीआर उनकी पार्टी के विधायकों को ब्लैकमेल कर रहे हैं। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि केसीआर राज्य में राजनीति करने के लिए अपनी बेटी को अकेले चाहते हैं। उन्होंने मांग की कि सीएम सनसनीखेज विधायक अवैध शिकार घोटाले की सीबीआई या सिटिंग जज से जांच कराएं। उन्होंने सीएम से यह भी पूछा कि उन्होंने अपने चार पार्टी विधायकों को हिरासत में क्यों लिया, जो शिकार द्वार घोटाले का शिकार हुए थे।

बूरा ने कहा कि ऐसे आरोप हैं कि 2019 के लोकसभा चुनावों में निजामाबाद में कविता की हार के पीछे टीआरएस पार्टी का हाथ था और दावा किया कि उन्हें टीआरएस पार्टी में एक और शक्ति केंद्र बनने से रोकने के लिए पराजित किया गया था। उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की कि सत्ताधारी पार्टी के 90 प्रतिशत विधायक अगले विधानसभा चुनाव में नहीं जीतेंगे। श्री गौड़ ने दावा किया कि सीएम केसीआर के शासन में बीसी समुदाय को दबा दिया गया है और कहा कि तेलंगाना में बीसी समुदाय के आर्थिक दमन के लिए सीएम पूरी तरह से जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि यह क्रूर है कि पिछले आठ वर्षों में राज्य सरकार द्वारा राज्य के बीसी संघों को केवल 230 करोड़ स्वीकृत किए गए थे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बीसी फेडरेशन को वैधानिक दर्जा नहीं दिया गया तो वे विरोध प्रदर्शन करेंगे।

केटीआर ने ईवी चार्जिंग सेंटर की स्थापना के लिए दी सहमति

टीएसआरईडीसीओ के अध्यक्ष ने मंत्री से की मुलाकात

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य अक्षय ऊर्जा विकास निगम (टीएसआरईडीसीओ) के अध्यक्ष वाई. सतीश रेड्डी ने बुधवार को आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामाराव को एक पत्र सौंपा, जिसमें शहर में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए सार्वजनिक स्थानों के आवंटन का अनुरोध किया गया है।

सतीश रेड्डी ने हैदराबाद के आसपास के क्षेत्रों में टीएसआईआईसी, आईटी सेक्टर, टी-हब और टी-वर्क्स से संबंधित स्पॉट आवंटित करने का अनुरोध किया। यह पाया गया कि हैदराबाद में टीएसआईआईसी की भूमि पर 28 स्थान चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए उपयुक्त थे, उन्होंने कहा कि एक बार विभाग द्वारा स्पॉट आवंटित किए जाने के बाद, टीएसआरईडीसीओ जल्द से जल्द डीसी फास्ट चार्जिंग केंद्र स्थापित करेगा।

यहां एक प्रेस विज्ञप्ति में, सतीश रेड्डी ने कहा कि मंत्री ने मामले पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है और पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया है। निगम ने पहले ही हैदराबाद में 292 ईवी चार्जिंग केंद्र स्थापित किए थे और हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों, मेट्रो स्टेशनों, नगरपालिका पार्किंग स्थलों, बस डिपो, बाजारों, शॉपिंग मॉल, पेट्रोल स्टेशनों सहित सार्वजनिक स्थानों पर अधिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के प्रयास जारी थे। पर्यटन क्षेत्र। टीएसआरईडीसीओ ने इसी तरह के प्रतिष्ठानों के लिए राज्य भर में 1,301 क्षेत्रों की पहचान की थी।

देश में जाति आधारित जनगणना जल्द कराए केंद्र : वीएच

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी. हनुमंत राव ने केंद्र से देश में जाति आधारित जनगणना कराने के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की है। बुधवार को यहां गांधी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, हनुमंत राव ने कहा कि डेटा की कमी के कारण अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) को शिक्षा, नौकरियों और योजनाओं में आरक्षण का हक नहीं मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की जाति जनगणना या ओबीसी पर राष्ट्रीय नीति दस्तावेज तैयार करने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दावा किया कि वह ओबीसी के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन अभी तक उनके लिए कुछ नहीं किया है। अपने मंत्रिमंडल में 27 ओबीसी सांसदों को शामिल करने के अलावा, पीएम ने ओबीसी वर्ग के लोगों के लिए कुछ नहीं किया है। हनुमंत राव ने मांग की कि केंद्र पिछड़ा वर्ग समुदायों को पदोन्नति में आरक्षण प्रदान करे, क्रीमी लेयर को हटा दे, आरक्षण पर वर्तमान 50 प्रतिशत की सीमा को हटा दे और बीसी के लिए उनकी आबादी के आकार के अनुसार आरक्षण बढ़ाए।

भद्राचलम में पुलिस ने 40 से अधिक वाहन जब्त किए

कोत्तागुडेम, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के भद्राचलम कस्बे में पुलिस ने बुधवार को 40 दोपहिया और दो ऑटो रिक्शा जब्त किए हैं। ट्रैफिक एसआई पीवीएन राव ने मीडिया को बताया कि लंबाडी कॉलोनी में शहर पुलिस, ट्रैफिक पुलिस और सीआरपीएफ 141 बटालियन के जवानों द्वारा की गई घेराबंदी और तलाशी के दौरान वाहनों को जब्त कर लिया गया क्योंकि वाहनों में दस्तावेजों की कमी थी। यातायात सीआई नागराजू ने कॉलोनी निवासियों से कहा कि नाबालिगों को वाहन चलाने की अनुमति न दें, वाहन चलाते समय हेलमेट पहनें और अपने वाहनों के सभी दस्तावेज ले जाएं।

रामप्पा मंदिर की प्रशंसा करने के लिए किशन रेड्डी ने यूनेस्को हेरिटेज सेंटर के निदेशक को धन्यवाद दिया

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज प्रसिद्ध रामप्पा मंदिर की विरासत संरचना की स्थिति पर देश के लोगों को बधाई देने के लिए यूनेस्को विरासत केंद्र लजारे एलौंडौ के निदेशक को धन्यवाद दिया।

एक वीडियो संदेश में एलौंडौ ने यूनेस्को विरासत संरचना के रूप में मान्यता प्राप्त करने पर राज्य और उसके लोगों को बधाई दी। एलौंडौ ने अपने संदेश में कहा कि मैं भारत के लोगों को विरासत स्थलों की सूची में रुद्रेश्वर रामप्पा मंदिर के लिए जगह पाने के लिए बधाई देता हूं।

किशन रेड्डी ने निर्देशक के बधाई संदेश का तहे दिल से स्वागत किया और कहा कि वह तेलंगाना के लोगों की ओर से एलौंडौ को धन्यवाद दे रहे हैं। उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर अपना संदेश ट्वीट किया। रामप्पा मंदिर, जो 1213 का है और गणपति देवुडु के काकतीय शासन से संबंधित है। यह यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त दुनिया के 42 विरासत स्थलों में से एक है।

मोबाइल पर किया संदिग्ध लिंक पर क्लिक, बैंक खाते से गंवाए 4.84 लाख रुपये

संगारेड्डी, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जोगीपेट शहर में एक अजनबी द्वारा भेजे गए लिंक पर क्लिक करने पर एक व्यक्ति को 4.84 लाख रुपये खर्च करने पड़े। जोगीपेट पुलिस के अनुसार, जोगीपेट में एसबीआई बैंक शाखा में श्रीनिधि ग्राहक सेवा बिंदु पर रिसोर्स पर्सन के रूप में कार्यरत पीड़ित पुलेगारी लक्ष्मीनारायण को मंगलवार को एसबीआई योनो पर एक फर्जी संदेश मिला। जब उसने संदेश पर क्लिक किया, तो साइबर जालसाजों ने कथित तौर पर उसका खाता हैक कर लिया और खाते से 4.84 लाख रुपये चुरा लिए।

एससीआर 'वार्षिक ईसाई जातरा' के लिए विशेष ट्रेनें चलाएगा

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। धरूर में 15 से 20 नवंबर के बीच होने वाले 100वें वार्षिक ईसाई जथारा के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) बीदर और धारूर के बीच विशेष ट्रेनें चलाएगा। विशेष ट्रेनों में 18 नवंबर को चलने वाली बीदर-धारूर (07023) और 20 नवंबर को चलने वाली धारूर-बीदर (07024) शामिल हैं। ये विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में जहीराबाद, कोहिर (डेक्कन), सदाशिवपेट रोड, विकाराबाद, गोदामगुरा और मैलाराम स्टेशनों पर रुकेंगी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

करीमनगर पुलिस के खोजी कुत्ते टायसन की मौत

पुलिस सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर पुलिस कमिश्नरेट टायसन के खोजी कुत्ते की बुधवार को तबीयत खराब होने से मौत हो गई। पुलिस आयुक्त वी. सत्यनारायण और अन्य पुलिस अधिकारियों ने पुलिस मुख्यालय में कुत्ते को श्रद्धांजलि दी। टायसन का अंतिम संस्कार पुलिस सम्मान के साथ किया गया। टायसन, जो 2015 में पुलिस विभाग में शामिल हुए थे, हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के कार्यक्रम के दौरान और इससे पहले मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के कार्यक्रमों के दौरान भी ड्यूटी पर थे। टायसन द्विवार्षिक आदिवासी मेले सम्मक्का-सरक्का जतारा और हैदराबाद बोनालू उत्सव के अलावा अन्य कार्यक्रमों के दौरान पुलिस सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा थे। लोअर मनेर बांध के डाउनस्ट्रीम लेक पुलिस चौकी के पास पुलिस सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.